यहाँ एक मनुष्य है जो उजियाले को चमका सकता है

धन्यवाद भाई। (उसे गाने दे।) आइए अब हम अपने सिर को झुकाये। हमारे स्वर्गीय पिता, हम आज सुबह आपकी भलाई और दया के लिए धन्यवाद देते हैं, हमें एक साथ फिर से यहाँ इकट्ठा होने का सौभाग्य देने के लिए, इस तरफ का एक दिन जो उस महान अनंत काल का है, उस एक प्यारे, प्रभु यीशु मसीह की आराधना करने के लिए। हम आपको धन्यवाद देते हैं, क्योंकि वह धरती पर आया, हमें एक—एक पाप के जीवन से छुड़ाने के लिए, और हमें इस बड़ी विरासत को देने के लिए, जो हमारे पास उसकी धार्मिकता के जरिये से होती हैं। और जब हम, आज सुबह, उसके राजदूतों के रूप में यहाँ पर है, ताकि—ताकि इस प्रतीक्षा करती हुई सभा के लिए जीवन की इस रोटी को तोड़े, होने पाये पवित्र आत्मा हर एक वचन को प्रेरित करे और उसे लोगों के ह्रदयो में रखे, बिल्कुल वैसे ही जैसे हमें आवश्यकता है। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

बैठ जाये।

2 मैं निश्चिय ही इसे मानता हूं, और आज सुबह फिर से एक बड़ा सौभाग्य है, कि मैं आपके साथ यहाँ पर खड़ा हुआ हूं। क्षमा करें कि हमारे पास और ज्यादा स्थान नहीं है, लोगों को संभालने के लिए हम क्या करे। हमारा भवन इतना बड़ा नहीं है। और हम इस छुट्टियों में, वहां हमारे घर... टूयुसान से—से यहाँ आने के लिए बहुत आभारी हैं। और मौसम एक तरह से रुखा था, लेकिन हम यहाँ होने के लिए खुश थे और सभा को करने के लिए।

अब, मैं आज रात के लिये यह घोषणा करना चाहता हूं कि आज रात एक चंगाई की सभा होगी, या बीमारों के लिए प्रार्थना होगी। और मैंने बिली को अभी बताया। उसने कहा, "तो ठीक है, आप क्या करेंगे? "

3 मैंने कहा, "ठीक है, यह अच्छा होगा तुम आज रात लगभग साढ़े छह बजे कुछ कार्ड को बाँट दो, ताकि जहां लोग नहीं... "

और, देखो, ये यहाँ बहुत ही भीड़ हो जाती है, हम समझ सकते हैं कि उन्हें एक–एक करके कैसे लाया जाए, सो आपको अपने कार्ड की संख्या

से बुलाया जा सकता है, और इसलिए इससे कोई भीड़ नहीं होगी। हम बस उन्हें एक–एक करके बुला सकते हैं, उन्हें पंक्ति में से होकर जाने दें, जब हम उनके लिए प्रार्थना करते हैं।

4 इसलिए, यदि आप बीमार हैं, या आपके प्रियजन बीमार हैं, और उन्हें लाना चाहते है, तो साढ़े छह बजे के आस पास आ जाये, ऐसा ही कुछ, सात बजे, और एक प्रार्थना कार्ड को ले ले। वो दरवाजे पर होगा, या जैसे भी हो वह उन्हें बाहर कार्ड को दे देगा, जब आप अंदर आते हैं।

5 और, फिर, यह शायद आखरी बार होगा मुझे कुछ समय के लिए वापस जाना होगा, क्योंकि मेरे पास अब बहुत लंबी कार्यक्रम की सूची है। वहां, और अभी भी संयुक्त राज्य अमेरिका में आने वाले इस वसंत ऋतु तक। इसलिए, हम, शायद इस गर्मी में कुछ समय के बाद फिर से वापस आयेंगे।

यदि प्रभु इच्छा रही तो, तो मैं चाहूंगा, यदि हमें यहाँ पर इस्थान मिलता है, यदि यह वातानुकूलित है। मैं इसे बिली से पूछने वाला था। मैं उन सात तुरहियों पर बोलना चाहूंगा, एक... सात तुरहियों पर यहाँ एक सभा को करना है, यदि—यदि प्रभु की इच्छा है तो। इसके लिए, सात कलीसिया काल, और सात मोहरे, और अब सात तुरहियां। और ऐसा ही कुछ समय मिल सकता है जैसे कि जून जहां लोगों की छुट्टीयां होती है, जिससे उन्हें समय मिल सकता है कि वे आ सके।

6 और मैं आज सुबह भाई शेफर्ड को अस्पताल से यहाँ पर देख कर खुश हूं। मैं एक दिन उन्हें देखने के लिए निकला था। और बहन शेफर्ड, मुझे कल आपको फोन करने को नहीं मिला। वह सपना जो आपने मुझे भेजा था वो बहुत ही, बहुत ही अच्छा सपना था। आपने देखा है, जो इस तरह से था, मसीह... आकाश में—में इस सफेद घोड़े पर था, लेकिन वो अभी तक बंधा हुआ है, आप देखे। लेकिन, फिर भी, इससे पहले कि यह धुंधला होता जाये, आपके सारे परिवार को इसे देखना ही था। तो, सपने का अनुवाद, ऐसा है कि आपके परिवार ने अंतिम दिनों की उसकी गतिविधी को देख लिया है, इससे पहले कि वो पूरा हो, यह क्या था। इसलिए, यह बहुत ही आत्मिक था, आपके लिए बहुत ही अच्छी आशीष है, आपके परिवार के लिए। वो परिवार, उस बड़े महासंकट से बाहर आ गया है, उस स्थान पर जहाँ पर वे आज है।

7 और अब हमारे पास आज की सुबह कुछ तो है, जो कुछ दुख की बात है। क्योंकि मैं यहाँ पर आया... हमारे एक बहुमूल्य मित्रो में से, और—और इस भवन में आने वाले, कोट्स परिवार; जिसे, हम सभी उन्हें प्रेम करते हैं। वे बहुत दूर पूर्व की ओर से आते हैं, और, या शिकागो के आसपास से आते हैं। और बहन बिली हबीब, और—और उसकी बहन, आर्म स्ट्रांग और सभी लड़कियाँ। वे... मुझे लगता है कि वे पहले नाज़रीन थे, और प्रभु के पास आए हैं, और वे हमारे बहुत ही बहुमूल्य मित्र हैं।

और भाई और बहन कोट्स, उनके पिता और माता, एक दिन घर जाने के मार्ग पर थे, पश्चिम पर से और कोई तो कार सड़क पर फिसल गयी और—और तुरंत ही बहन कोट्स को मार डाला। और—और जब उन्होंने मुझे टूयुसान में फोन किया, और मैंने इसके बारे में सुना, मैं ठीक तब उस मिठाई के एक बॉक्स को लेकर वहीं बैठा हुआ था, जो उसने मेरे लिए बनायी थी, टेबल पर—पर बैठा हुआ था। और आपको नहीं पता होगा कि इससे मैंने कैसा महसूस किया होगा। लेकिन मैं—मैं सोचता हूं कि, आज सुबह प्रभु को धन्यवाद करता हूं, उसे भुगतना नहीं पड़ा। वह वृद्ध हो रही थी, और उसे तकलीफ नहीं उठानी पड़ी। और वह परमेश्वर के साथ होने के लिए घर चली गई।

8 मैं अभी सोच रहा था, और मैं उनकी दो लड़कियों से वहाँ कमरे में अभी–अभी बात कर रहा था। भाई कोटस आज सुबह यहाँ पर है; उनकी कुछ पसलियाँ टूट गयी थी। और मैं उसे अस्पताल में ले गया और जहां वो भर्ती था, वहां मिसौरी में, और उसकी पसलियां और इत्यादि टूट गईं थी, लेकिन उसके पास निश्चित रूप से एक सच्चा साहस था, एक सच्चा मसीही; यह जानते हुए कि उसकी छोटी रानी मरी नहीं है, वह हमेशा के लिए मसीह के साथ जीवित है, और एक मिलाप का समय होगा।

9 अय्यूब ने एक बार कहा, "ओह, कि तू मुझे कब्र में छिपा लेगा, और मुझे गुप्त स्थान में रखेगा, जब तक तेरा क्रोध ख़त्म नहीं हो जाये।"

10 क्या आपने कभी परमेश्वर की प्रकृति में ध्यान दिया है, वो उसी काम को करता है? जैसे कि यहाँ पेड़ों पर जीवन का सार होता है, जो पत्तों को पकडे हुए होता है; और फिर आगे सर्दियों का मौसम आता है, धरती पर जो प्रकोप उंडेला गया है... देखिए, एक समय धरती पर सर्दीयां नहीं होती थी। और सहशताब्दी में कभी भी और सर्दियां नहीं होंगी, आप देखना।

तो यह धरती पर प्रकोप है, फिर जब ऐसा हुआ... देखो, क्रोध के आने से पहले, परमेश्वर उसकी दया में उस पेड़ के नीचे, जमीन के नीचे जीवन के सार को, उस पेड़ की जड़ों में नीचे भेज देता है, और इसे बनाये रखता है, जब तक सर्दियों का प्रकोप निकल नहीं जाता, उसे फिर से ऊपर उठाता है, देखो, वसंत ऋतु में।

"ओह, कि तू मुझे कब्र में छिपा लेगा, और मुझे गुप्त स्थान में रखेगा, जब तक तेरा क्रोध ख़त्म नहीं हो जाये।" यही है जो उसने हमारी बहन के लिए किया है। यही है जिसे वह सारे मसीहियो के लिए करता है।

11 भाई कोटस, परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं यह जानकर बहुत ही खुश हूं, कि परमेश्वर की मोहर मुसीबत के घडी में थामे हुए रहती है। मैं जानता हूं कि वह किस बात से होकर गुजर रहा है, क्योंकि मैं कुछ वर्ष पहले लगभग इसी तरह की बातों से होकर गुजरा था। लेकिन मैं... हमें एक–एक करके इस बड़ी नदी को पार करना है; और, मुझे इन दिनों में से एक यह मेरा समय होगा; और इन दिनों में से एक आपका समय होना है। लेकिन जैसा कि दाऊद ने कहा, "मैं किसी बुराई से नहीं डरूंगा; तू मेरे साथ रहता है। तेरे सोटे और तेरी लाठी से मुझे शांती मिलती है।"

12 अब बहन कोटस की याद स्मृति में, हमारी बहुमूल्य बहन जो परमेश्वर के पास चली गई है। मैं... आज सुबह उसके लिए थोड़ी सी याद स्मृति में के रूप में, मैं चाहता हूं कि सभा के लोग बस कुछ क्षण के लिए खडे हो जाये।

आइए हम अपना सिर झुकाये और उस एक को सोचें, जो कुछ दिन पहले, इस भवन में—में चला करती थी, और हमारे बीच में रही, हमसे हाथों को मिलाया, एक प्रिय मसीही, अब उस स्थान पर जिसे प्रभु मुझे देखने दिया ज्यादा समय नहीं हुआ, एक नौजवान महिला फिर से, जो अपने आने वाले परिवार की प्रतीक्षा कर रही है।

13 हमारे स्वर्गीय पिता, हम बहन कोट्स की यादों के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। क्या ही बहुमूल्य, वो प्रिय बहन! और अब समय आ गया है कि जब हम अपने जीवन की अवधि को जी लेते हैं, जो हमें दिया गया है, हमें इस नदी को पार करना ही है। हम आपका धन्यवाद देते हैं, क्योंकि उसे कष्ट को नहीं सहना पड़ा। यहाँ अवश्य ही बहन के खिलाफ कुछ भी नहीं

है, जिसके लिए उसे भुगतना करना पड़ा हो। वो बस एक क्षण में, सीधे परमेश्वर की बाहों में चली गई।

14 उनके पति, उनके बच्चे, आज सुबह, यहाँ पर है प्रभु, ठीक अपने कर्तव्य के पद पर वापस आये हैं। हम उस साहसी विश्वास के लिए कैसे धन्यवाद दे! "कालकोठरी, आग और तलवार के बजाय हमारे पिताओ का विश्वास जीवित है।" हम आपका सारी चीजों के लिए धन्यवाद देते हैं।

15 उनके बहुमूल्य प्राण को विश्राम देना, प्रभु। वह हमारी बहन थी। उसकी अनुपस्थिति के लिए, शोकित, आंसू की बूंदें हमारे ह्रदय में उतर रही हैं, लेकिन गिरते आंसू से आनंद उमड़ पड़ता हैं, आओ हम उस वचन के आश्वासन के साथ जान ले कि वह एक अमरहार जीवन में रहती है जो कभी मर नहीं सकता। और वहां कभी भी कोई दुर्घटना नहीं होगी, जहां वह अभी है, केवल उन लोगों की प्रतीक्षा कर रही है जो उसके साथ बाद में जुड़ने के लिए आते हैं।

16 भाई कोटस को आशीष दे, और उन लड़कियों और उसके परिवार को, प्रभु, और उन प्रियजनों को, और वे सभी जो उससे प्रेम करते हैं। और किसी दिन, पिता, हम भरोसा करते हैं कि उससे वहां बहुत दूर उस ओर मिलेंगे, जहाँ कोई बीमारी नहीं है, दुख, या मृत्यु नहीं है। उस समय तक, हम सभी को स्वस्थ और चंगा रखना, आपकी सेवा करते रहें, और हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं। हम इसे यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

17 होने पाये वो महान पवित्र आत्मा जो हमारे साथ यहाँ भवन में व्यवहार करता है, उसके वचन को प्रकट करने में, होने पाये वो उसके साहसी प्राण को शांति में विश्राम दे, जब तक हम उससे नहीं मिलते हैं।

18 अब आज सुबह यहाँ पर गर्म है, क्योंकि यह शरीर है, आप जानते हो, ये इतनी मनुष्य शरीर की गर्मी होती है।

19 अब, हम अब घोषणा करना चाहते हैं। कभी–कभी हमारी यहाँ पर सुबह को—को सभाये बहुत लंबी होती हैं, इसका कारण यह है... यह वास्तव में सही नहीं, लंबे समय तक रोके रखना, क्योंकि एक घंटा, डेढ़ड घंटा, या कभी–कभी दो घंटे। लेकिन मैं जो कर रहा हूं, मैं यहाँ पीछे टेप कर रहा हूं, देखिए, और यह टेप सारे संसार में जाते है। और यही जो मैं... हम सुबह को इतने लंबे समय के लिए इकट्ठा होते हैं, ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं इन

टेपों को बनाने के लिए यहाँ पर आता हूं। यही है... वे... देखो, आप वहां के कमरे में देख सकते हैं, उन—उन टेपों को बनाया जा रहा है। अब... और वे संसार भर में हर कही बाहर जाते हैं।

20 अब, जल्द ही, प्रभु ने चाहा तो, इस आने वाले समय में, जैसे ही मैं यहाँ से चला जाता हूं... मैं जा रहा हूं, प्रभु ने चाहा तो, कल सुबह, किसी समय, वापस एरिज़ोना की ओर जा रहा हूं, क्योंकि मेरी एक सभा होने जा रही है। और फिर यह बस वहां पूरी तरह से यहाँ वहां दक्षिण की ओर होना है। और आप जो लोग जॉर्जिया, और मिसिसिपी, और टेक्सास और अलबामा में वहां दक्षिणी से हैं, हम ठीक वहाँ फ्लोरिडा में, वहां दूर नीचे की ओर आ रहे हैं।

21 यहाँ से फीनिक्स जा रहे हैं, उसके बाद कैलिफ़ोर्निया, और ठीक वापस डलास के लिए, और—और शायद सैन एंटोनियो में वहां रुक जायेंगे, मैं सोचता हूं कि ऐसा ही है, और वहां से होते हुए वापस अलबामा और फ्लोरिडा में। सो हम आप लोगों को वहाँ ठीक बहुत दूर मिलेंगे, प्रभु की इच्छा हुई तो।

22 और फिर आप हमारे लिए प्रार्थना करते रहे, और हम आपको बताएंगे कि कब, यदि हम... अब प्रभु हमारे ह्रदय में आने वाले इस गर्मी में कुछ दिन यहाँ रुकने के लिए डालता है।

23 मेरे पास कुछ निर्धारित की हुई सभाओ का झुण्ड था। और न्यूयॉर्क में आप में से बहुत से लोग जानते हैं कि जब दर्शन आया, तो जिसने कहा कि स्कैंडिनेवियाई देश में की वे सभाये... आपको वहां वे निर्धारित सभाये याद हैं? और फिर, जब मैं न्यूयॉर्क में था, तब दर्शन आया, कि उन में से हर एक सभी किसी कारण से रद्द हो जाएगी। और मुझे याद है कि मैंने आप में से कुछ लोगो को यहाँ बताया था, जब हम न्यूयॉर्क में थे। यह बिल्कुल ठीक वैसा ही हुआ, क्योंकि वे सभी एक ही दिन सभाओ को चाहते थे और उन्हें वो इमारत नहीं मिल पायी।

इसलिए, फिर, जून में, यह वहां थोड़ी जगह को छोड़ सकता है। यह प्रभु की इच्छा हो सकती है, मैं सोच रहा था, हो सकता है इससे पहले कि बहुत देर हो जाये, ठीक यहाँ तुरहियो के लिए वापस आऊं। समझे? इसलिए हम जानते हैं कि सब कुछ सही काम करता है। सो वह मेरे ह्रदय में था, इसलिए ये हो सकता है जो वह हमसे चाहता है कि इसे करे।

24 अब मैं आपको एक दूसरे के साथ बैठने के स्थान को बदलते हुए देख रहा हूं, और—और हॉल के बाहर, और इत्यादि। काश हमारे पास बस बैठने के लिए स्थान होता थी।

और अब जब हमारे पास वे तुरहीयाँ हैं, तो हम उच्च विद्यालय के व्यायामशाला को लेना चाहते हैं। मुझे लगता है कि इसमें पचपन सौ सीटें हैं, और फिर हमारे पास एक मौका भी है, हर किसी के पास एक बैठने की जगह होगी, और बैठकर और शांति से सुनेगे, जब—जब हम प्रचार कर रहे हैं।

25 या, यह, तुरहियाँ, वे बहुत ही, बहुत ही अच्छी हैं। मैं इसे दूसरे किसी दिन लेने के लिए देख रहा हूं। देखो, छठी मोहर पर, सभी सात तुरहियाँ, ठीक उस छठी मोहर पर आवाज़ को देती हैं, देखिए, बिल्कुल ठीक पहले सातवीं मोहर यीशु मसीह के आगमन को खोलती है।

26 और, आज रात, मेरे पास एक बहुत महत्वपूर्ण संदेश है, जिसे मैं उस—उस—उस चंगाई की सभा से पहले बोलना चाहता हूं। और यदि आप यहाँ हैं, और वहां पर रुके रहते हैं, तो ठीक है, हम कोशिश करेंगे, यदि संभव हो सके तो बस थोड़ा सा जल्दी आरंभ करेंगे, क्योंकि वहाँ एक प्रार्थना की पंक्ति होगी। मैं ज्यादा लंबा प्रचार नहीं करूंगा, लेकिन कुछ ऐसा है जो मैं कलीसिया के लिए कहना चाहता था, कुछ समय के लिए। और एक प्रकार से आप तक बात पहुँचाने के लिए वो—वो—वो—वो... इस समय किस तरह से बातें हो रही हैं, और अभी हम कहाँ खड़े पर हैं, और वचन में से होते हुए बताऊंगा जितनी मेरी उत्तम समझ है।

27 अब, मैं चाहता हूं कि आप आज सुबह मेरे साथ बढे, यदि आप चिन्हित करना चाहते हैं, उसको लिख कर रखना चाहते है, यशायाह की पुस्तक, जहाँ से हम पढ़ रहे हैं। और मैं यशायाह के 42 वें अध्याय के यशायाह से पढ़ना चाहता हूं।

28 आज सुबह हम भी बहुत खुश हैं, हमारे साथ यहाँ भाई डोच बैठे हुए हैं। जब आप आगे बढ़ रहे हैं... तो आप जानते हैं, एक दिन यहाँ शेवरेपोर्ट में उन्होंने सोचा, कि वे जीने वाले नहीं थे। और निश्चित रूप से उनके पास विश्वास था। हाँ, श्रीमान, वो इससे ठीक ऊपर चढ़ते गए; और प्रभु उन्हें आशीष देता गया, जी हाँ। देखिए, भाई डोच इक्यानवे वर्ष के है, और उनका पूरी तरह से ह्रदय विफल हो गया था; और उन्हें ह्रदय का दौरा

पड़ा था। और जिस डॉक्टर ने कहा कि वे उनके जीने का कोई जरिया नहीं दिखाई देता हैं। भाई डोच तो जी रहे है, और डॉक्टर मर चुका है। देखा? कारण, वह... देखिए, भाई डोच यहाँ बैठे हुए है।

29 और फिर, एक–एक इक्यानवे वर्ष का व्यक्ति, ह्रदय की विफलता और ह्रदय के दौरे के साथ था। और वहाँ, जब मैं वहाँ जा रहा था, मैंने देखा कि वह एक रास्ते से वहां आ रहे है; मैंने उसे कलीसिया में देखा। और मैंने जाकर उन्हें ऑक्सीजन के टेंट के नीचे बताया, "प्रभु के नाम में, मैं तुम्हारे हाथ को मिलाऊंगा... मैं तुम्हें फिर से कलीसिया में देखुंगा, और रास्ते में आपसे अपने हाथ को मिलाऊंगा।"

बिल्कुल अगली ही सभा में, यहाँ वे, ठीक यहाँ कलीसिया में यहीं पीछे बैठे हुए थे। और मैं लुइसविले चला गया, जहाँ हम ब्लू बोअर में वहाँ पर खाना खाते थे, खाने के लिए गये और जैसे ही मैं अपनी कार से बाहर निकला, रास्ते पर चलने लगा, यहाँ भाई डोच रास्ते पर चलते हुए आ रहे थे। ये वहाँ थे, बस सही रूप से। और किस तरह से प्रभु ने उन्हें आशीष दी है!

30 अब हम आज रात चंगाई के लिए बात करेंगे, और उन चीजों पर, और हमारे पास आज रात के लिए आपको बताने के लिए कुछ वास्तविक शानदार या हटकर बातें है।

31 लेकिन अब, सो मैं अब टेप कर सकता हूं, तब उन्हें चालू करने के लिए तैयार हो जाएं, मैं यशायाह 42 वें अध्याय से पढ़ना आरंभ करना चाहता हूं, और पहले से लेकर सातवे पद तक। और मत्ती के 4 थे अध्याय, आरंभ करेंगे, मैं सोचता हूं, 15 और 16 वां पद।

32 अब, यशायाह के—के 42 वें अध्याय में—में, हम पढ़ने जा रहे हैं।

मेरे दास को देखो जिसे मैं संभाले हूं; मेरे चुने हुए को, जिस से मेरा जी प्रसन्न है; मैंने उस पर अपना आत्मा रखा है, वह अन्यजातियों के लिये न्याय प्रगट करेगा।

न वह चिल्लाएगा और न ऊंचे शब्द से बोलेगा, न सड़क में अपनी वाणी सुनायेगा।

कुचले हुए नरकट को वह न तोड़ेगा और न टिमटिमाती बत्ती को बुझाएगा; वह सच्चाई से न्याय चुकाएगा।

वह न थकेगा और न हियाव छोड़ेगा जब तक वह... न्याय को पृथ्वी पर स्थिर न करे; और द्वीपों के लोग उसकी व्यवस्था की बाट जाहेंगे॥

यहोवा यों कहता है... ईश्वर जो आकाश का सृजने और तानने वाला है; जो उपज सहित पृथ्वी का फैलाने वाला; और उस पर के लोगों को सांस और उस पर के चलने वालों को आत्मा देने वाला है:

मुझ यहोवा ने तुझ को धर्म से बुला लिया है; मैं तेरा हाथ थाम कर और तेरी रक्षा करूंगा; मैं तुझे प्रजा के लिये वाचा और जातियों के लिये प्रकाश ठहराऊंगा;

कि तू अन्धों की आंखें खोले, बंधुओं को बन्दीगृह से निकाले और जो अन्धियारे में बैठे हैं, उन को काल कोठरी से निकाले।

33 अब मत्ती सुसमाचार के चौथे अध्याय में, मैं यशायाह के द्वारा दी गई उस भविष्यवाणी की पूर्ति को पढ़ना चाहता हूं। मत्ती के चौथे अध्याय में, मैं—मैं पढ़ना आरंभ करूँगा। यदि संभव हो, तो आइये 15 वें पद के बजाय 12 वें पद पर आरंभ करें।

जब उस ने यह सुना कि यूहन्ना पकड़वा दिया गया, तो वह गलील को चला गया।

... नासरत को छोड़कर कफरनहूम में जो झील के किनारे जबूलून और नपताली के देश में है जाकर रहने लगा।

ताकि जो यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो।

देखो *कि जबूलून और नपताली के देश, झील के मार्ग से यरदन के पार* अन्यजातियों *का गलील।*

जो लोग... अन्धकार में बैठे थे उन्होंने बड़ी ज्योति देखी; और जो मृत्यु के देश और छाया में बैठे थे, उन पर ज्योति चमकी।

उस समय से यीशु प्रचार करना और यह कहना आरम्भ किया, कि मन फिराओ; क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है।

34 होने पाये, प्रभु उसके पढ़े गए वचन पर अपने आशीष को जोडे! और अब, अलग ही विषय जिसे मैंने किसी को बोलते हुए सुना, इसे कहा,

लेकिन मैं इसे एक पाठ के लिए लेना चाहता हूं: *यहाँ एक मनुष्य है, जो उजियाले को चमका सकता है।* और अब हम उजियाले के विषय पर बोलने जा रहे हैं।

35 यह उन तीन विषयों के पीछे आता है, जिन पर हम अभी बोल रहे हैं।

उनमें से एक, टूसान पर, या फीनिक्स में, यीशु बेथलेहम के रास्ते से क्यों आया था, उस पर। जो, उसे होना ही है, क्योंकि वो बेथलेहम है। बेथलेहम! *बी–ई–टी–एच* मतलब "घर" होता है*; ई–एल,* "परमेश्वर"; *ई–एच–ई–एम* "रोटी," रोटी होता है। "परमेश्वर की रोटी का घर।" और हर एक मसीही जो मसीह में जन्मा है, वो बेथलेहम में जन्मा है, परमेश्वर की रोटी का घर।

36 फिर, वहाँ, दाऊद का एक नमूना, जो उस समय अपने लोगों से बहिष्कार किया हुआ एक भगोड़ा था। वह बाहर हो चूका था। और बेथलेहम को घेर लिया गया, और पलिश्तियों ने बेथलेहम को चारों ओर से घेर लिया था। और दाऊद, एक निकला हुआ, जो आज के कलीसिया का एक नमूना है, मसीह का। देखें, मसीह आज अपने स्वयं के कलीसिया के लिए एक निकला हुआ है। उनके पास... एक *निकला हुआ* "कुछ ऐसा जिसे अस्वीकार कर दिया गया" है। और दाऊद को अस्वीकार कर दिया गया था, फिर भी वह राजा होने के लिए अभिषिक्त था; लेकिन नबी ने उसका अभिषेक किया था।

37 और इस समय के दौरान, अपने लोगों से एक—एक निकला हुआ होने के वजह से, उसने कई बहादुर अन्यजातियों को उठाया। उनमें से एक ने तो एक दिन आठ सौ पुरुषो को भाले और तलवार से मार डाला। और दुसरा एक, एक खड्डे में कूद पड़ा, और एक बर्फीले दिन पर, एक शेर को मार डाला। और—और वे मसूर, वो सेम, या मटर, या कुछ और इकट्ठे कर रहे थे, और—और उनमें से सभी भागने लगे, और वह खड़ा हो गया, और तब तक पुरुषों को मारता रहा, जब तक उसकी भुजाये थक नहीं गई। उन्होंने गोलियत के उन विशाल भाइयों को भी मार डाला।

वो हिम्मत वान पुरुष दाऊद को पकड़े हुए थे, क्योंकि वे जानते थे कि वह सामर्थ में आ रहा है। उन्हें पता था, कोई फर्क नहीं पड़ता, किसी ने क्या कहा। परमेश्वर ने दाऊद पर अभिषेक किया था, और वे इसे जानते थे। वे अन्यजाति थे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितनो ने उससे मुंह

मोड़ दिया, वे फिर भी जानते थे कि वह सामर्थ में आ रहा था। और एक दिन वहाँ...

38 क्या ही यह आज के मसीह का नमूना है, एक निकला हुआ! आप कहते हैं, "मसीह, एक निकला हुआ?" बाइबल के अनुसार, कि हम... परमेश्वर ने हमें उन सात कलीसिया युगों में से होते हुए शानदार तरीके से ले लिया है। इस लौदकिया कलीसिया में, मसीह उसके कलीसिया के बाहर एक निकला हुआ था, अस्वीकृत, फिर से वापस अन्दर आने की कोशिश कर रहा था। देखा? वह एक अपनी खुद की कलीसिया से निकला हुआ है। और उसके एक निकला हुआ होने का कारण यह है, क्योंकि वह वचन है, और वे वचन को अंदर नहीं आने देना चाहते है, उन्होंने इसके बजाय संप्रदाय को स्वीकार किया।

39 और तब हम देखते है, कि इस बड़े संघर्ष में, वे वीर पुरुष, जो दाऊद के इर्द–गिर्द थे, वे अन्यजाति थे।

40 यदि आप ध्यान दें कि बेथलेहम का गठन कैसे हुआ। मैं उस विषय पर नहीं आना चाहता, लेकिन कैसे बेथलेहम... वास्तव में, राहाब, वो वेश्य, उसका पुत्र, जिसने बेथलेहम की स्थापना की थी। यह एक गेहूं का भंडार केंद्र था, और वहाँ बहुत सारा अच्छा जल था। और उसने छोटे से नगर की स्थापना की। और यह सभी नगरों में सबसे छोटा नगर था, क्योंकि भविष्वव्यक्ता ने कहा, "बाहर... यहूदीया का बेथलेहम, क्या तू नगरो के सभी येरुशलम के राजकुमारों के बीच कम सा नहीं हैं... या यहूदीया? लेकिन तुझ में से शासन करने वाला बाहर आयेगा जो मेरे लोगों पर राज्य करेगा।" उन छोटो में से एक।

41 दाऊद, जब वह वहाँ पर चुना गया था। वहां वो बड़े–बड़े, भले भाई लोग थे, जब नबी शमूएल, अभिषेक करने के लिए वहां पर गया था, वहां वे सभी लोग खड़े हुए थे। महान, वीर पुरुष, वे वैसे ही दिखते होंगे, देखो, भले दिखने वाले राजा थे। लेकिन ये वही एक अस्वीकृत किया गया, वो दाऊद था, उस पर तेल उंडेला गया था। वो एक अस्वीकृत किया नगर था जो मसीह...

ये अस्वीकार किया हुआ होता है जिसे मसीह उठाता है, देखें, उस एक को जिसे अस्वीकार किया गया है।

42 तब हम पाते हैं, वो ओबेद के आने के बाद। और वो बोअज़ के आने के बाद। और वहां एक और अन्यजाति अन्दर आता है, जो वह रूत के द्वारा अन्दर आता है। और वहां से जेसी बाहर आता है। और जेसी से बाहर दाऊद आता हैं। और वहाँ एक छोटी सी पहाड़ी के किनारे, अस्बतल पर राजाओं के राजा, यीशु मसीह, दाऊद के पुत्र, उसके आत्मिक पुत्र को आगे लाया।

43 अब, फिर, उस दाऊद खुद का जन्म इस शहर में हुआ था, उसे इस छोटे से स्थान पर आना था। और इसे बेथलेहम कहा गया था, जिसका अर्थ होता है, "परमेश्वर की रोटी का घर।" और वह परमेश्वर की रोटी का घर है।

44 दाऊद उस दिन वहाँ पहाड़ी पर लेटा था, और उसने नीचे देखा, और पलिश्तियों ने इस तरह चारों ओर से घेर लिया था, और अवश्य ही गर्म था और वो प्यासा था। उसने कहा, "ओह, यदि मैं बस एक बार और उस कुएं का पानी पी सकता!" क्योंकी, उसके छोटे से छोटे विचार उनके लिए एक आदेश थे, उनके लिए जो उससे प्रेम करता था।

45 वैसे ही ये आज है, यीशु के छोटे से छोटे विचार, या जिस तरह से उसका वचन है हम अन्यजातियों के लिए एक आदेश होना चाहिए, जो उससे प्रेम करते हैं। क्योंकि हम जानते हैं वह सामर्थ में आ रहा है, कोई फर्क नहीं पड़ता उसे कितना भी अस्वीकार किया गया हो। आकाश और धरती टल जायेंगे, लेकिन यह तब भी बिल्कुल वैसे ही राज्य करेगा, जब सारे आकाश और धरती टल गए हो। और हम जानते हैं कि वह सामर्थ में आ रहा है, क्योंकि इसे होने से कोई भी नहीं रोकेगा। [भाई ब्रंहम अपनी बाइबल को थपथपाते है—सम्पा।] यह मसीह है, जो उसका प्रकाशन है, और यह होने जा रहा है, उसी तरह से जिस तरह वचन इसे होने के लिए बताता है, क्योंकि वह वचन है। और वहां उसकी छोटी से छोटी आज्ञायें, कोई फर्क नहीं पड़ता वह कितनी छोटी क्यों न हो, यदि ये कहता है, "फिर से बप्तिस्मा लेना हो," या जो कुछ भी ये है, हम इसे किसी भी तरह से करेंगे। ये उसकी आज्ञा है।

46 और दाऊद के छोटे से छोटा विचार उन अन्यजातियों के लिए एक आदेश था, क्योंकि, वे, आज अन्यजातियों की कलीसिया का एक नमूना है। वीर पुरुष! देखिये, वे पुरुष जो दाऊद के साथ खड़े थे वे अन्यजाति

थे, लेकिन वे वीर पुरुष थे। वो निडर थे। उन्हें यह भी पता नहीं था कि डर क्या होता है।

47 एक पुरुष ने एक तलवार को लिया और आठ सौ लोगों को मार डाला, और उन सभी को जो उसके आसपास थे। क्या ही वो पुरुष था! उनमें से एक, एक...

एक और पुरुष। एक मिस्र का योद्धा था, जो एक लंबे भाले को लेकर दौड़ता था। उसके हाथ में केवल एक छड़ी थी। वो छड़ी को लेकर और उसके हाथ से भाले को गिरा देता; और भाले को लेकर और उसी को मार डालता। देखा?

48 उन विशालकायो में से एक पुरुष की इस तरह चौदह इंच की उँगलियाँ थीं। अब, चौदह इंच, आपकी अंगुली उतनी ही लंबी है जितने आपके हाथ है, वो बंद है; उसे खोल दो, वह अट्ठाईस इंच का हाथ होगा। और वो भाले के साथ था! और वहीं पर कूदकर और उसे मार डाला। देखा? क्यों? वह एक वीर पुरुष था, कुछ अन्यजाति वे उस एक अभिषिक्त व्यक्ति की ओर देखते जिन्हें पता था कि वह सामर्थ में आ रहा है।

49 क्या आपने ध्यान दिया, वे दाऊद के लिए बहुत वीर थे, अत: जब दाऊद सामर्थ में आ गया, उसने उन्हें नगरो का अधिकारी बना दिया? क्या यीशु ने ऐसी ही प्रतिज्ञा नहीं की? वही चीज, उन्हें अधिकारी बनाती है।

50 फिर, जब दाऊद की इच्छा एक ताजा जल पीने की थी। हो सकता है उसके पास कुछ पहले का, गर्म ठहरा हुआ जल था, जिसे वह पी रहा था। लेकिन वह उस बेथलेहम के ताजे जल के बारे में सोचने लगा, जो परमेश्वर की रोटी का घर है। और उसने कहा, "क्या मुझे बस उस कुएं से कुछ जल मिल सकेगा!" और उन लोगों ने अपनी तलवार को खींच लिया और पलिश्तियों से पंद्रह मील तक लडे, इसलिए नहीं कि दाऊद ने उनसे पूछा, बल्कि इसलिए कि वे जानते थे कि वह ऐसा चाहता है। और उन्होंने पलिश्तियों को, वहां दूर कुएँ तक काटते गये। जबकि उनमें से दो लड़ते गये, दूसरे ने जल के लिए एक बाल्टी को लिया; और अपने वापसी रास्ते में लड़ते गये, और वापस सारे रास्ते भर, और उस जल को दाऊद को सौंप दिया। वीरता की बात करे!

51 दाऊद, उस धर्मी व्यक्ति ने कहा, "परमेश्वर ने मना किया कि मैं इसे उन मित्रो से जल को पीऊं जिन्होंने अपना जीवन खतरे में डाला हैं।"

और उसने जल के भेट को चढ़ाया; इसे जमीन पर, प्रभु के सामने उंडेल दिया। "इसे प्रभु को दे दो। वो ही एक है जो उस योग्य है, न कि मैं।" उन्होंने डाल...

52 वही स्वयं मसीह का नमूना, खुद के अनन्त जीवन के साथ जो उसमें था; वो मार खाई हुई चट्टान, खुद के जीवन को जमीन पर उंडेल दिया, हमारे पाप के लिए, जिससे यह वचन जी सके।

53 ओह, अन्यजातियों, जैसा कि मैंने कहा है, मेरे साथ उस तलवार को कौन निकलेगा? वह आज सुबह एक ताजा जल को चाहता है, न कि इस पुरानी ठहरी हुई कलीसिया संप्रदाय को और ऐसी चीजें, जिनके साथ हम मुर्ख बन रहे हैं। वह अपने वचन में सच्चा विश्वास चाहता है, जो इसके हर एक वचन पर विश्वास करेगा। आओ कुंवे पर जाकर और कुछ पीने के लिए, कुछ जल को लेकर आये; एक ताजगी; एक आराधना और जो संप्रदायों और संस्था पर आधारित नहीं है। लेकिन एक सच्ची आत्मा की आराधना, हमारे बीच मसीह के साथ, उसके जीवन को जीते हुए, जिस तरह से वह हमारे बीच में चाहते हैं, जो—जो संप्रदायों और विभिन्न चीजो के साथ नहीं है। आओ बस—बस हम उसे उसी तरह से करने दे।

54 अब, अगली बात यूसुफ के दिनों में कैसे परमेश्वर एक सपने के जरिये से लोगों के साथ व्यव्हार करता था। क्या आपने ध्यान दिया? दूसरा जरिया एक सपना होता है। यह परमेश्वर के काम करने का दूसरा जरिया है। कुछ लोगों के पास सपने हो सकते हैं, इससे कुछ मतलब नहीं। आप बहुत अधिक खा सकते हैं और बुरे सपने आ सकते हैं। और सपना एक दूसरा तरीका है। समझे? लेकिन परमेश्वर अपने ही पुत्र की रक्षा, दूसरे जरिये से होते हुए क्यों करेगा? वह यूसुफ को दिखाई दिया। उसके खुद के पुत्र के कुशलता के लिए, उसने दूसरे तरीके को भेजा। क्या आपने कभी इसके बारे में सोचा? क्योंकि, धरती पर कोई भविष्यव्यक्ता नहीं था। उसे सपनों के जरिये से काम करना था। और यह एक ऐसा सपना नहीं था जिसका अनुवाद किया जाना था। प्रभु के दूत ने कहा, "यूसुफ, मरियम को अपनी पत्नी बनाने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा से है।"

55 ऐसा घटित होना उसके लिए एक असाधारण बात थी। यूसुफ एक धर्मी मनुष्य था, वह... यह असाधारण था। परमेश्वर असाधारण है। और

असाधारण को समझना कठिन है। इसी लिए आज सत्य को समझना बहुत ही कठिन बात है; ये बहुत ही असाधारण था। एक स्त्री एक पुरुष को जाने बिना एक बालक का होना, जो बहुत ही असाधारण बात थी।

लेकिन यदि आप ईमानदार और सच्चे हैं, तो अब भी परमेश्वर आपके लिए सपने में उपस्थित हो सकता हैं। ये दिखाने के लिए कि आपके पास जो कुछ भी है, चाहे वह आपका मन हो, चाहे आप सीटी बजा सकते हैं, गा सकते हैं, गवाही दे सकते हैं, या जो कुछ भी आप कर सकते हैं, यदि आपका पूरा अस्तित्व परमेश्वर के लिए समर्पित है, तो परमेश्वर इसे इस्तेमाल कर सकता हैं यदि आप बस उसे इसे करने देते है।

56 तब, यहाँ इसी रात को, भाई नेविले ने "बच निकलना" के विषय पर प्रचार किया कि कैसे मनुष्य बच निकाला। और मैंने सोचा कि यह ध्यान में रखने वाली बात है।

और आज सुबह पवित्र आत्मा ऐसा दिखाई दिया कि ठीक उसके बाद वो मुझसे उस उजियाले के विषय पर व्यवहार कर रहा है। ठीक आरंभ में जाकर, कैसे मसीह का जीवन चरनी पर आरंभ हुआ, हम ठीक उसी के पीछे चल रहे हैं वापस इसी में से होते हुए हमारे विषय में। और वह यह नहीं जानता था; मुझे यह पता नहीं था; और ठीक यहाँ पर उसी बात पर है। देखें, ठीक आगे, जो अगली बात है जहाँ वो उसकी सेवकाई में प्रवेश करता है। और आज रात हमारे पास कुछ तो है, जो ठीक इसके साथ जुड़ जायेगा, ठीक आगे आज की रात, प्रभु की इच्छा हुई तो।

57 अब, वो महान उजियाला! "अन्यजाति जो मृत्यु की छाया के क्षेत्रों में बैठे थे, महान उजियाला उनके बीच फैल गया। ज़ाबुलोन और नेफथलिम में, अन्यजातियों के गलील के रास्ते पर, महान उजियाला, उन्होंने एक महान उजियाला देखा।"

58 अब, वो महान उजियाला! पहली बार उजियाला, हम इसे बाइबल में पाते हैं, जो उत्पत्ति 1:3 में पाया जाता है। यह परमेश्वर का कहा हुआ वचन उजियाला बना था। परमेश्वर ने कहा, "वहां उजियाला होने दो," उत्पत्ति 1: 3, और वहां उजियाला था।

59 अब याद करे, तब, उजियाला परमेश्वर के कहे गए वचन से आता है। और उजियाला प्रमाणित होना है, या जिस विषय पर उसने बात की है, वह उजियाला है। जब उजियाला आने लगता है, यह प्रकट होता है। परमेश्वर

ने कहा, "वहां उजियाला होने दो।" वहां कोई उजियाला नहीं था, और उसने कहा, "वहां उजियाला होने दो," और वहां उजियाला था। यह एक प्रमाण है। उजियाला. उसके कहे गए वचन का एक प्रमाणित होना है। आज भी वही बात है, उसके कहे गए वचन का एक प्रमाणित होना।

60 अब जब आप उसके वचन को प्रमाणित होते देख रहे हैं, या, दुसरे शब्दों में, ज्ञात हुए है, सिद्ध हुए है, जो उसके कहे गए वचन का उजियाला है। और, बिना उजियाले के, कोई भी उजियाले के बिना नहीं रह सकता है। आज धरती पर ऐसा कोई जीवन नहीं है कि लेकिन जिसे आना है उसे सूर्य के उजियाले से आना है, एक वनस्पति जीवन, और इत्यादि। और परमेश्वर के पुत्र के अलावा कोई अनंत जीवन नहीं है। समझे? वो उजियाला है।

61 अब हम देखते हैं, मुझे विश्वास है, जैसा कि हम अब अध्ययन करते हैं, और यह उजियाला... "पृथ्वी बिना आकार के थी।"

62 अब, कुछ लोग हमारे स्कूलों और इत्यादि में इसके बारे में बहस करते हैं संसार कई वर्ष पुराना है लाखो, करोडो वर्ष, या जो कुछ भी है और बाइबिल की निंदा करने की कोशिश करते है और कहते हैं यह गलत है। वे बस बाइबिल को कभी नहीं पढ़ते हैं। ऐसा ही है। क्योंकि, बाइबल हमें यह नहीं बताती है कि संसार कितना पुराना है। बाइबल में कहा गया है, "आदि में परमेश्वर ने आकाश और धरती को बनाया।" समय अवधि। कब, कैसे, यही है, हम इसे नहीं जानते हैं। अब, यह पहला है। और, यही, समय अवधि है, यही वाक्य का अंत है।

63 "आदि में परमेश्वर ने आकाश और धरती को बनाया।" यह दस करोड़, या अरब या जो कुछ भी हो सकता था। और कैसे उसने ऐसा किया, इसे जानना उसके पर है, देखो, ना ही मेरे लिए।

लेकिन संसार, पूरी तरह से, "पृथ्वी बिना रूप, और आकार के थी; और पृथ्वी पर जल था। और परमेश्वर," कहा, "जल पर मंडराया।" और कहा, "वहां उजियाला होने दो।"

64 अब, मैं विश्वास.करता हूं कि सूरज, और इत्यादि, पहले से ही अस्तित्व में थे, मैं विश्वास.करता हूं कि चंद्रमा। जैसा कि यह आगे–आगे जाता है, उत्पत्ति 3, इसे समझाने के लिए... लेकिन मुझे विश्वास है, यहाँ क्या था, कि संसार, हम इसका उपयोग करने जा रहे थे, और इसलिए...

और इसमें मंडराया; सारी पृथ्वी पर धुंध और कोहरा था, इसे अंधेरा कर रहा था। और परमेश्वर ने कहा, "उजियाला होने दो," और अंधकार दूर हो गया, और वहां एक बिना बादल के आकाश था।

65 और मैं विश्वास करता हूं कि इन चीजों को करने का परमेश्वर का यही तरीका है। वह... बाइबल में, अगला वचन कहता है, चौथा वचन कहता है, "और उसने उजियाले को अंधकार से अलग कर दिया। और उस उजियाले को उसने 'दिन,' कहा और अंधकार को उसने 'रात' कहा।" और परमेश्वर का वचन हमेशा उजियाले को अंधकार से अलग करता है। समझे? ये तो वो वचन है जो अलग करता है, देखो, अंधकार से उजियाले को।

66 परमेश्वर हमेशा ही उसी चीज को करता है, जब वह कुछ भी इस्तेमाल करने को तैयार करता है। जैसे उसने इस पुराने तारे का उपयोग करने के लिए तैयार किया, या जो कुछ भी था, यह संसार, उसे उजियाले को अंधकार से अलग करना पड़ा था। जब वह छोड़ने के लिए तैयार हो जाता है, ताकि लोगों के एक—एक झुण्ड का उपयोग करे, उसे अंधेरे से उजियाले को अलग करना पड़ता है। जब वह एक व्यक्तिगत का उपयोग करने के लिए तैयार होता है, तो वह उजियाले को अंधेरे से अलग करता है। देखा?

67 उजियाला परमेश्वर के द्वारा आता है। और... याद रखें, उजियाला उसके कहे गये वचन के द्वारा आता है। परमेश्वर के वचन ने कहा, "उजियाला होने दो," जब कोई उजियाला नहीं था, और उसने अंधेरे को अलग करने के लिए उजियाले को भेजा।

68 इस आदेश के वचन ने आकाश को साफ कर दिया ताकि इसमें सूरज चमक सके। और आज उसका वचन जो सारे अविश्वास के वातावरण को वापस साफ़ करता है।

69 मैं बात कर रहा था, मेरे पास, मैं सोचता हूं, बस पुलपिट में आने से पहले वहां ग्यारह इंटरव्यू (निजी भेंट) थे। बहुत बुरा...

70 एक दिन मेरा एक छोटा मित्र, जिम पोल, उसका छोटा लड़का, उन्होंने सोचा कि उसे ह्रदय का दौरा पड़ा था, उसे जल्दी से अस्पताल ले जाया गया। यह एक दमे की स्थिति थी, जो छोटे लड़के को लग गया था... वह नहीं... उसका छोटा ह्रदय उछल रहा था, और साँस लेने में दम रहा था, और—और वह चिल्ला रहा था, और वह सांस नहीं ले पा रहा था, और

छोटा सा लड़का ऐसा लग रहा था कि वह मर रहा है, जब वे उसे यहाँ लाए थे। और मैं अस्पताल जाने पर था; वे उसे यहाँ लेकर आये। और मैंने उसके छोटे से हाथ को पकड़ लिया; मैंने कहा था, "ये क्या हुआ, खसरे ने बच्चे पर प्रहार किया है। और, खसरे, बुखार ने छोटे बालक पर प्रहार किया है। आप उसे देखे। मैं कुछ ही दिनों में उसे फिर से देखूंगा। वह खसरे से भरा हुआ होगा।" और यहाँ वह खसरे से भरा हुआ है। आप देख सकते हैं। समझे?

71 अब, क्या? परमेश्वर अंधकार से उजियाले को अलग करता है, या उजियाले से अंधकार को अलग करता है। और वो मृत्यु को जीवन से अलग करता है, और वह इसे अपने वचन के द्वारा करता है। उसका वचन ही है जो हमेशा इसे आगे लेकर आता है।

72 अब, उजियाला! तो, अब, बीज पृथ्वी पर पहले से ही था। मैं विश्वास करता हूं उसे परमेश्वर ने बीज बोया था। और जब तक सूरज उस बीज तक पहुंचता रहता है, ये बढ़ता रहता है। और यही कारण है कि यह केवल इन चीजो को आगे लाने के लिए कुछ दिनो को लेता है, क्योंकि बीज पहले से ही धरती में था। बस इसके लिए उजियाले की आवश्यकता थी।

73 और इसी तरीके से आज परमेश्वर करता है। उसका बीज पहले से ही यहाँ है, जो उसका वचन है। केवल एक चीज की आवश्यता है, वो है इस पर उजियाले का होना। और वही वो उजियाला है, क्योंकि वह वचन है। वचन और उजियाला एक ही बात है। वहाँ उसमें जो जीवन होता है वो वचन का उजियाला है, देखो, वो जीवन है। वो जीवन का जीवाणु उस दाने में होता है, और वो दाना... वो जीवन वही है, जो टूट कर आगे आने लगता है और उस दाने से जीवन को आगे लाता है। इसी तरह से वो मसीह, वचन में, उस वचन को वो करने को लगाता है जो इसे करना चाहिए। बिल्कुल जैसे गेहूं के दाने में जीवन है, या जो कुछ भी है; यह गेहूं को करने को लगाता है, जो इसे करना चाहिए, क्योंकि यह तो वो जीवन है जो इसमें होता है। संपूर्ण जीवन!

74 इसलिए, जीवन केवल परमेश्वर के वचन से प्रकट बनता है। जीवन केवल परमेश्वर के वचन से आता है जो प्रकट बनता है। जब तक यह ऐसे ही इस तरह से किताब में होता है, इसके लिए अब भी सवाल किया जा सकता है। लेकिन जब यह प्रकट बनता है, तब आप इसके उस उत्पाद को

देखते हैं जिसके लिए बोला है, जो प्रकट हुआ है, तब यह वचन पर—पर उजियाला होता है। देखा? यही है जो वो लाता है... वचन ऐसा कहता है, और, फिर, जब यह पूरा होता है, तो यह उजियाले में जीवन होता है, उजियाला जीवन को ला रहा है। उजियाला जीवन को लाता है।

75 यहाँ पर आप गेहूं को बो दो, ये... और इसे गोदाम में रखे, इसे पूरी तरह से ढांक दे, और यह—यह कुछ भी लेकर नहीं आएगा, क्योंकि यह नहीं ला सकता। वहां कोई उजियाला नहीं होता है। लेकिन जैसे ही उजियाला इस पर पड़ने लगता है, तो यह जीवन को लेकर आएगा, यदि यह एक अंकुरित बीज है तो।

यह वही बात है जो वचन में है। देखो, वचन परमेश्वर है, और जब जीवन इस पर आता है, तो ये इसे लाता है... उजियाला इस पर पड़ने लगता है, तो यह फिर से वचन को जीवन में लाता है। हर युग में हमेशा ऐसा ही रहा है। ओह, हम इन महान चीजों की कितनी सराहना करे, कि कैसे वो वचन प्रमाणित हुआ है, जो कि कहे हुए वचन का उजियाला है। समझे?

परमेश्वर ने कहा, "उजियाला होने दो।"

76 अब, क्या होगा यदि वह बस इसे कहता है और कोई उजियाला न हो? फिर हमें यह पता नहीं होता है कि यह सही है या नहीं। हम नहीं जानते कि क्या वो सही है। हम नहीं जानते कि वो परमेश्वर है या नहीं, क्योंकि उसने सिर्फ इतना कहा, "होने दो।" और वहाँ नहीं था। समझे?

इसलिए फिर जब परमेश्वर बोलता है और हम देखते हैं ये वहां होता है, तब वही वो उजियाला है जो चमकने लगता है, जो वचन की सच्चाई है। देखा? वहां उजियाला और जीवन है।

77 सारा प्राकृतिक जीवन उसके कहे हुए वचन के द्वारा आता हैं। और सूरज उसका कहा हुआ वचन है। उसने कहा कि उसने आकाश में, दिन को लाने के लिए एक बड़े उजियाले की सृष्टी की है, और रात के लिए कुछ कम उजियाला। देखा? और सारा प्राकृतिक जीवन उसके कहे हुए वचन से आना था। एक फूल परमेश्वर के कहे हुए वचन के उजियाले के बिना नहीं बढ़ सकता, उस पर चमकता है, क्योंकि सूर्य, s-u-n है, ये परमेश्वर का कहा हुआ वचन है, जब उसने कहा, "उजियाला होने दो।" देखा? यह परमेश्वर का कहा हुआ जीवन है। और कोई फर्क नहीं पड़ता

लोग चाहे कितना भी *ऐसा* या वो *वैसा* या *इत्यादि* कहने की कोशिश करें, यह फिर भी वहीं पर बना रहता है। आपके पास ये होने के लिए सूरज होना चाहिए, सो प्राकृतिक जीवन, केवल परमेश्वर के कहे हुए वचन के द्वारा ही आ सकता है।

78 और आत्मिक जीवन, अनन्त जीवन, केवल परमेश्वर के जीवन के कहे हुए वचन के द्वारा ही आ सकता है। जीवन इस समय S–o–n पुत्र था। उस में उजियाला है, और उस में अंधकार नहीं है; और वह परमेश्वर का कहा हुआ उजियाला है। क्या वह सही है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] परमेश्वर का कहा हुआ वचन, क्योंकि, "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।" और वह हमेशा ही परमेश्वर है। देखा?

और यह वचन पर गिरने के लिए, परमेश्वर के उजियाले को लेता है, जिससे वह जीवित हो सके। *यहाँ* है जो उसने बोला है [भाई ब्रंहम अपनी बाइबल को थपथाते है—सम्पा।] अब उजियाले को चमकने दो! आमीन! उजियाले को चमकने दें, और उजियाला हर वचन को उसके ऋतु में सही स्थिति में लेकर आएगा। आमीन! ओह! तुम देखना, जब ये समय आता है!

79 कभी–कभी वह दाना पुरे सर्दियों में से होते हुए धरती में ऐसे ही पड़ा रहता है, बीज की तरह, सर्दियों में गेहूं जमीन में बोया जाता है। लेकिन जब वो सूरज उसके बाद ठीक ऊपर आ जाता है, ओह, इसे जीना ही है। देखा? और यह सूरज के बिना नहीं जी सकता।

और, परमेश्वर ने हर युग और हर दिन के लिए प्रतिज्ञाये की हैं। और जब उजियाला सही तरह से आने लगता है, और उस पर चमकता है, तो बस ये बिल्कुल वही उत्पन्न करेगा जो वचन ने कहा था, क्योंकि वह उजियाला और जीवन है।

80 परमेश्वर का वचन बाइबल के द्वारा ही आता है। परमेश्वर की बाइबल, परमेश्वर के पुत्र का छपा हुआ रूप है, क्योंकि बाइबल ने कहा कि यह यीशु मसीह का प्रकाशन है। ये परमेश्वर है जो मसीह के जरिये से खुद को प्रकट कर रहा है, और मसीह वचन है। और यह उस वचन पर चमकने के लिए परमेश्वर के उजियाले को लेता है, इसे प्रमाणित करने के लिए, यह साबित करने के लिए कि परमेश्वर अब भी जीवन, अनन्त जीवन को बोलता है।

वह प्राकृतिक उजियाले को बोलता है, जो जीवन लाता है। जीवन केवल उजियाले के द्वारा आता है, वचन प्रकट बनता है, या वचन देहधारी होता है। जब बाइबल में की सारी प्रतिज्ञाये प्रकट बन गयी, जब यीशु मसीह, वो वचन, हमारे बीच देहधारी हुआ था। परमेश्वर हमेशा ही मनुष्य के जरिये से काम करता है। मनुष्य परमेश्वर के अधीन होता है।

81 अब, यदि यह आपके लिए यहाँ थोड़ा गर्म हो रहा है, तो आप खिड़कियां को नीचे खींच कर खोल सकते हैं, या जैसा भी आप करना चाहते हैं, भट्ठी को नीचे कर दे। हो सकता है द्वारपाल ने भट्ठी को थोड़ा नीचे कर दिया होगा। मैं देख रहा हूं कि बहुत से लोगो को गर्म हो रहा हैं। और यहाँ भी जो खड़े हुए, ये बहुत गर्म हो रहा है, इसलिए—इसलिए इतना याद रखें। मुझे खुशी है कि यह ठंड के बजाय गर्म है, क्योंकि मुझे—मुझे गर्म पसंद है। मैं... गर्म हमेशा उजियाला लाता है, जीवन, आग को लेता है।

82 ध्यान दे, अब, "देहधारी हुआ।" जब वचन देहधारी बन जाता है, ये प्रकट बन जाता है। जैसे, वचन को लें और इसे सही स्थिति और सही प्रकार के जमीन में रखें, यह आगे बढने लगेगा। वो बीज अपनी जाति के अनुसार लेकर आयेगा। और वचन, एक सही प्रकार के ह्रदय में लाया जाता है, तो यह खुद को प्रकट करेगा। यह उजियाले को लेकर आएगा। यह उस पर चमकेगा। तो ठीक है।

83 ऐसा कुछ भी प्राकृतिक नहीं या कुछ भी प्राकृतिक या आत्मिक नहीं, जो बिना परमेश्वर के उजियाले के जी सकता हो। तब जीवन केवल उजियाले के द्वारा ही आ सकता है। ऐसा कुछ भी प्राकृतिक नहीं या कुछ भी आत्मिक नहीं जो परमेश्वर के उजियाले के बिना जी सकता है। उस के बारे में सोचो। ठीक है। लेकिन जब वह हमारे लिए उजियाला भेजता है, तो देखें, और इन सभी चीजों को करता है, और फिर हम इसे अस्वीकार करते हैं; तो अब यही दयनीय भाग है, जब उजियाले को अस्वीकार कर दिया जाता है, जब कि इसे हमारे लिए भेजा जाता है।

84 अब क्या आप किसी मनुष्य को यह कहते हुए कल्पना कर सकते हैं कि, "मैं बस यह कहने से इंकार करता हूं कि सूरज जैसी कोई चीज़ भी है। मैं विश्वास नहीं करता कि सूरज है"? और वह नीचे तहखाने में चला जाता है, और—और सभी दरवाजे को बंद कर देता है, और पीछे अंधेकार में बैठ जाता है, और कहता है, "सूरज जैसी कोई चीज नहीं है। उजियाले

जैसी कोई चीज नहीं है।" आप ठीक तभी जान जायेंगे, उस व्यक्ति के साथ मानसिक रूप से कुछ तो गलत था। देखा? वहां कुछ तो गलत है, जब वह एक घोर अंधकार तहखाने में नीचे चला जाता है और परमेश्वर के दिये गये उजियाले के लाभ को स्वीकार करने से इनकार करता है। उसके साथ कुछ तो गड़बड़ है। वो इसकी गर्म किरणों को नहीं चाहता है। वो इसकी स्वास्थ्य देने वाली वस्तु को नहीं चाहता है। वह इसके उजियाले को नहीं चाहता है, कि इसमें चले। वह बजाये इसके अंधेरे में बैठेगा। यह मानसिक रूप से दिखाता है, उस मनुष्य के साथ स्वाभाविक रूप से कुछ तो गलत है।

85 और मैं इसे पुरे प्रेम और आदर के साथ कहता हूं। सो क्या उस मनुष्य के साथ आत्मिक रूप से कुछ तो गलत है जो उसके सिद्धांतो के संप्रदायों में वापस चला जाएगा और बाइबल के उजियाले को देखने से इंकार कर दें, जब कि ये ठीक इसके सामने चमक रहा हो। उसके साथ कुछ तो गड़बड़ है। देखो, वापस उसके सिद्धांतो और संगठन में चला जाता है, और दरवाजे को बंद कर देता है और कहता है, "ऐसी कोई चीज नहीं है। अद्भुत कार्य के दिन बीत गये हैं। दैविक चंगाई जैसी कोई चीज नहीं है, इनमें से कोई भी चीज नहीं है। यह तो प्रेरितो के लिए था।" मनुष्य आत्मिक रूप से पागल है। देखा? उसके साथ कुछ तो गड़बड़ है। वो—उसने—उसने पर्दे को नीचे खींच लिया हैं और पवित्र आत्मा को अस्वीकार कर दिया है, जो उस पर आ सकता है। यदि वो कर सकता...

"यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में बना रहे, तब, वो उजियाला इस वचन पर चमकने लगता है, जो चाहो मांग लो।" समझे? देखा?

86 वहां कुछ तो गलत है, जो उस परमेश्वर के दिए गये साधन को अस्वीकार करता है, जो परमेश्वर ने हमें जीने के लिए दिया हैं, उसका वचन। "धर्मी जन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।"

"और मनुष्य केवल रोटी से नहीं, लेकिन हर एक वचन से जीवित रहेगा," ना ही वचन का भाग, "हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" और जब कोई मनुष्य बस उसे इन्कार कर दे, तो उस मनुष्य के साथ कुछ तो गलत है; उसके अनुभव के साथ कुछ तो गड़बड़ है, जो वह परमेश्वर से प्रेम करने का दावा करता है, और फिर परमेश्वर

को इन्कार कर देता है। उस मनुष्य के साथ कुछ तो गलत हुआ है। हम इस बात को संदेह की छाया के बिना जानते हैं। वह इसे अस्वीकार करता है, वो इस स्थान पर चला जाता है, और कहता है, "अब मैं सिर्फ... मैं इसके बारे में कुछ नहीं जानना चाहता। मुझे इन चीजों के बारे में कुछ नहीं बताना। मैं, मैं इसके बारे में कुछ विश्वास नहीं करता। आप, जो भी आप कहते हैं, कोई महत्त्व नहीं रखता है!"

87 ज्यादा समय नहीं हुआ एक व्यक्ति ने कहा। मैं आपको बता रहा था। उसने कहा, "मुझे परवाह नहीं है कि आप पचास कैंसर को लाये, और उनमें से पचास डॉक्टरों को गवाही देने के लिए लेकर आये, मुझे विश्वास नहीं है। मैं परवाह नहीं करता यदि आप ठीक मेरे सामने मुर्दों को जिलाए, मैं यह विश्वास नहीं करूंगा।" देखिए, उस व्यक्ति के साथ कुछ तो गलत है। वहाँ—वहाँ—वहाँ गलत है। और—और, अब भी, वो मनुष्य सेवक था, देखना, देखना, उसे एक सेवक होना चाहिए था।

लेकिन बस इसलिए कि संगठन परमेश्वर की सामर्थ में विश्वास नहीं करता है, वो (वचन को) नहीं विश्वास करता इसका मतलब सिर्फ यह है कि जो इसने कहा है, वो मनुष्य इस तहखाने में चला जाता है, वो सडा हुआ, गन्दा, भ्रष्ट एक संगठन का तहखाना, और पवित्र आत्मा के जीवन देने वाली किरणों और गर्मी को इन्कार कर देता है, जो यीशु मसीह है और, वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। तब उस व्यक्ति के साथ कुछ तो गड़बड़ है। देखा?

वो अवश्य ही बल्कि उस अंधकार, और इत्यादि में रहेगा बजाये परमेश्वर के और बाइबल के उजियाले में रहने के जो कहता है, कि, "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। जो काम मैं करता हूं वो तुम भी करेंगे। वरन इससे भी बढकर तुम करोगे क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।" उस मनुष्य के साथ कुछ तो गड़बड़ है। पूरी तरह बिना किसी सवाल के, कुछ तो गड़बड़ है।

88 और आपके लिए जो आप इसे सुन रहे हैं, संसार भर में, आप जहाँ कही भी हो सकते है। आपके अनुभव में कुछ तो गड़बड़ है, जब आप कहते हैं कि आप परमेश्वर से प्रेम करते हैं और उसके वचन को इन्कार करते हैं। वहां कुछ तो है। आप उसी बात का इन्कार करते हैं... कोई आश्चर्य नहीं कि वे उन चीजें नहीं कर सकते हैं, कलीसिया जो उसकी ऐसी स्थिति में है,

और उन चींजो को परमेश्वर के प्रतिज्ञा के रूप में नहीं किया जा सकता है, क्योंकि आपने वचन को ग्रहण नहीं किया है या उजियाले में नहीं चलते हैं। बाइबिल ने कहा, "आओ हम उजियाले में चले, जैसे वह उजियाले में है, उसके बाद यीशु मसीह का लहू, जो परमेश्वर का पुत्र है, हमें सारे पापों से साफ़ करता है।" पाप "अविश्वास" है।

89 तब यदि हम परमेश्वर के दिए हुए उस घडी के उजियाले में चल रहे हैं, तब परमेश्वर उस वचन को लेता है, जो उस घडी के लिए दिया गया है और यह इसे प्रमाणित करता है।

ठीक उसी तरह जैसे उसने उत्पत्ति 1:3 में कहा था, "वहां उजियाला होने दो," और उजियाला आ गया। उसका वचन आगे गया, और उजियाला उसके पीछे–पीछे गया, और धुंध को दूर कर दिया। और अंधकार एक कोने में चला गया, और उजियाला दूसरी तरफ चमकने लगा।

90 इसी तरह से परमेश्वर आज करता हैं। वो इस घडी के लिए अपने वचन को भेजता है, और पवित्र आत्मा आकर और उस वचन को जीवित करता है। और अन्धकार उनके संस्था और संप्रदायों पर चला जाता है, लेकिन उजियाला चमकने लगता है, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है, जो प्रमाणित हुआ है कि उसका वचन सत्य है। अब, इसके बारे में कुछ भी काल्पनिक बात नहीं है, यह बिलकुल वचन के अनुसार है। तो ठीक है।

91 अब, हम देखते हैं कि वे—वे ज्ञानी पुरुष, पहले के ज्ञानी पुरुष, परमेश्वर की दी गयी वस्तु के पीछे–पीछे चले। उन्होंने परमेश्वर के वचन का अनुसरण किया, उजियाले की ओर, क्योंकि यह जीवन को लाने वाला वचन था। अब आप कहते हैं, "उन्होंने कैसे अनुसरण किया?" तो, वे एक प्रकार से ज्योतिष थे, हम समझते है।

92 और फिर हम देखते है कि बालाम, पहले 24:17 की गिनती में, बालाम, बालाम खुद एक प्रकार का ज्योतिष था। वह वास्तव में एक भविष्यव्यक्ता था, और उसने यहाँ भविष्यवाणी की और कहा कि एक तारा याकूब से बाहर निकलेगा।

और जब इन ज्ञानियों ने देखा कि परमेश्वर के वचन ने कहा कि एक तारा याकूब से ऊपर आएगा, उन्होंने उस अनन्त उजियाले के स्रोत के लिए परमेश्वर के उस छोटे से चिन्ह का अनुकरण किया।

वैसे ही आज के ज्ञानी लोग, जो संस्थाओ के द्वारा अंधे नहीं हैं, वे परमेश्वर के दिए गये, कहे गए वचन का अनुकरण करेंगे, जब तक कि वे इस घडी में परमेश्वर की सामर्थ की सम्पूर्णता को खिलते हुए न देख लें। वे, वे इसे देखते हैं, और वे जानते हैं कि यह यहाँ वचन में है। परमेश्वर ने इस दिन के लिए इसकी प्रतिज्ञा की थी।

93 कोई फर्क नहीं पड़ता कितनी भी वेधशालाये हो, कितनी ही और चीज़ें क्यों न हों, जो ज्ञानी पुरुषो से कहे, "क्योंकि, तुम अपने आपे से बाहर हो!" दो वर्ष वे यात्रा में थे। वे बहुत देशों से होकर गुज़रे और कहा होगा, "तुम कहाँ जा रहे हो? "

94 "ओह, हमने पूर्व में उसका तारा देखा है, और हम उसकी आराधना करने आये है।"

और जब वे येरुशलम से गुजर रहे थे, वो संस्थागत मुख्यालय था, उनके पास उत्तर नहीं था। वे सड़कों पर ऊपर और नीचे और चिल्लाते हुए जा रहे थे, "कहाँ है वो, जो यहूदियों का राजा जन्मा है? " वे इसके बारे में कुछ नहीं जानते थे।

इसलिए, उन्होंने इसका पता लगाने के लिए वचन पर देखा। उन्होंने पीछा किया, वे जान गये कि तारा उन्हें अनन्त उजियाले में ले जा रहा था। "हमें तेरे सिद्ध उजियाले की ओर मार्गदर्शन कर।" और वचन ही है जो आपको उजियाले के लिए मार्गदर्शन करता है, और उजियाला ही है, जो वचन को प्रमाणित करता है। ध्यान दें, वे ज्ञानी पुरुष थे।

95 और आज के ज्ञानी पुरुष, न ही... "इस संसार का ज्ञान परमेश्वर के लिए मूर्खता है।" आपके सारे वैज्ञानिक, और वे लोग जो कुछ बड़े छात्रवृत्ति, या कुछ और उनके ऊपर निर्भर रहते है, आपको बताते है, आप एक परमाणु को कैसे विभाजित करते हैं; यह आपको जीवन नहीं दे सकता। कुछ भी ऐसा नहीं है जो आपको जीवन दे सकता हैं, सिवाय परमेश्वर के कहे गए वचन के। यही एकमात्र ऐसी बात है जहां से वो जीवन आ सकता है, वो उसके द्वारा कहे गए वचन के जरिये से है।

96 और यह सब ठीक बात है, यह जानना कि परमाणु को कैसे विभाजित किया जाए। काश, वे इसे कभी नहीं ढूंढते। लेकिन यदि वे... उन्हें यह करना है, क्योंकि यह संसार आज लटका हुआ है... ऐसा होना ही था, इन धरती के बड़े–बड़े छेदों को उड़ाने के लिए, ताकि उस लावा को ऊपर लेकर आये

और इस संसार को फिर से नया कर दे, ताकि इस पृथ्वी को नया कर दे; जहां धर्मी जन दुष्टों की राख पर चलेगा, जहाँ पाप भुला दिया जाएगा। हर एक चीज के लिए अपने आप को नए सिरे से बनने का एक जरिया होता है। और मनुष्य, जिसे इस धरती पर रहने के लिए जीवन को दिया गया था, उसके खुद की बुद्धि के द्वारा, वो जीवन के पेड़ को लेने के बजाय ज्ञान के पेड़ को लेता है, वह उस धरती को नष्ट करेगा जिसे परमेश्वर ने उसे रहने के लिए दिया हैं। लेकिन जो अभी भी जीवन के पेड़ पर है, वे एक नये आकाश और एक नई पृथ्वी पर आयेंगे, जहां कोई बीमारी या मृत्यु नहीं है। उजियाला! उजियाला, प्रभु, हमारे लिए उजियाला भेजें।

97 यह परमेश्वर के दूत थे कि पहाड़ी पर उजियाले को दिखाया, ताकि अनन्त उजियाले के लिए चरवाहों का मार्गदर्शन करे। देखो, यह केवल उजियाले के द्वारा आता है। जीवन केवल उजियाले के द्वारा आ सकता है। वे चरवाहे, जानने के लिए रुके हुए हैं। आप जानते है, जब एक राजा का जन्म होता है, तो वे गीतों को गाते है, विशेष बातें होती है, जब राजा का जन्म होता है। अब, वह बहुत गुप्त रूप से जन्मा था, और एक घास में पैदा हुआ था, एक—एक चरनी जहां मवेशी और घोड़े खा रहे थे, लेकिन फिर भी वो एक राजा था। और वे—वे दूतों ने चरवाहों के लिए नीचे आकर स्तुती के गीत गाए, उजियाले में।

वे दूत, स्वयं में, उजियाला थे जो परमेश्वर के वचन के साथ दिखाए गए थे। उनके पास परमेश्वर का वचन था, और उन्हें बताया, "आज, दाऊद के नगर में, बेथलेहम में, उद्धारकर्ता जन्मा है।" दूतो के पास वचन था, और वचन उजियाले के द्वारा आया, मार्ग दर्शन के लिए। और उन्होंने अनन्त उजियाले की ओर दूतो के वचन का अनुकरण किया। उन्होंने वहां बालक को पाया, जो कपड़ो के टुकड़ो में लिपटा हुआ था, जैसा कि उन्होंने कहा था। क्योंकि आप देखते हैं, जीवन केवल उजियाले के द्वारा आता है।

98 ध्यान दे, वह वचन था जो उजियाला हुआ, या उजियाला बन गया। उस पीढ़ी का वचन, वह उस पीढ़ी के लिए वचन उजियाला था, क्योंकि पुराने समय के भविष्यव्यक्ताओ ने उसके बारे में बोला था, और यहाँ वह आया और वो प्रमाणित हुआ कि वह परमेश्वर के कहे हुए वचन का उजियाला था। देखा? वो सब जो भविष्यव्यक्ताओ ने कहा था—था वो उसमें पूरा हुआ था, देखो, वे भविष्यव्यक्ता यहाँ फिर से वचन के साथ है।

जैसे परमेश्वर आरंभ में था, जब उसने कहा, "उजियाला होने दो," और उजियाला आ गया।

अब भविष्यव्यक्ता ने कहा, "एक कुवांरी गर्भवती होगी, एक पुत्र को लाएगी। वे उसका नाम इम्मेनुएल बुलायेंगे, क्योंकि यह परमेश्वर हमारे साथ होगा।" अब, उन्होंने इसे बोला था, वचन निकल गया था; लेकिन वो उजियाला था। वह क्या था? पूरा होना। हाल्लेलुय्या! वह उस वचन का पूरा होना था। वह उस वचन का प्रकटीकरण था।

99 सो वैसे ही आज है, परमेश्वर का वचन इस घडी पर पूरा हो रहा है! यही वो उजियाला है। यह परमेश्वर स्वयं से प्रकट हो रहा है। वह संसार का उजियाला था।

100 और जब भविष्यद्वक्ताओं ने पवित्र आत्मा से प्रेरित होकर कहा, "हमारे लिए एक बालक जन्मा है, हमारे लिए एक—एक पुत्र दिया गया है, या एक बालक दिया गया है; और उसका नाम परामर्शदाता, शांति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर, अनन्तकाल पिता,' बुलाया जाएगा, वहां वो था।" वह क्या था? वो उजियाला जिसने उस वचन को पूरा किया, आमीन, वो उजियाला जिसने उस वचन को पूरा किया।

101 मत्ती में, संत मत्ती के 28 वें अध्याय में, हम देखते हैं। और यीशु जब मृतकों में से जी उठा, वह भी दाऊद के कहे हुए वचन का उजियाला था, जो कहता है, "मैं उसके प्राण को अधोलोक में नहीं छोड़ूंगा; न ही मैं अपने पवित्र जन को सड़ते हुए देखूंगा।" मृत्यु अंधकार में थी। लेकिन उसने मृत्यु की मोहर को तोड़कर खोल दिया, और उसमें चला गया, और फिर से बाहर आ गया। वो उजियाला था, प्रमाणित वचन, जो मरने के बाद जीवित रह सकता हैं। वह था।

102 पेंटीकोस्ट के दिन पर, वह उजियाला था जिसने दिखाया कि पवित्र आत्मा कब आया था।

यशायाह ने कहा, यशायाह के 28 वें अध्याय में, यशायाह ने साथ ही कहा कि, "नियम पर नियम होना ही है, पंक्ति पर पंक्ति होना ही है, थोड़ा यहाँ, थोड़ा वहां।" "जो अच्छा है उसे तेजी से पकड़ लो।" "क्योंकि हक़लाते होंठ और अन्य जुबान के बोलने के द्वारा मैं इन लोगों से बात करूंगा। विश्राम ये वो ही ये वो सब्त है जो मैं दूंगा... और इसी के द्वारा

थके हुए को विश्राम दो; परन्तु उन्होंने सुनना न चाहा, उनके सिरों को हिलाते है।"

और जब पेंटीकोस्ट के दिन पर, जब पवित्र आत्मा उन लोगो पर उतरा, और वे नशे में धुत पुरुषों और महिलाओं ने इस तरह व्यवहार किया पवित्र आत्मा के प्रभाव के नीचे लड़खड़ाते हुए। और वे वहां चले गए और अपने सिर को हिलाते हुए, और कहा, "यह लोग नशे में हैं, नई दाखरस से भरे हुए," और इत्यादि। यह निश्चित रूप से उजियाला था, जिस वचन की भविष्यद्वाणी की गयी था, वह प्रकट में आया था।

103 ऐसे ही यह हर युग में है, वचन प्रकट में आया, जीवन के लिए आया, उस युग का उजियाला है, वहाँ वचन प्रकट हुआ। ठीक वैसे ही जैसे उत्पत्ति 1 में था, जब परमेश्वर ने कहा, "उजियाला होने दो," और वहां उजियाला था। जब परमेश्वर ने कहा कि एक पुत्र होगा; और एक पुत्र था।

104 जब परमेश्वर ने योएल 2:28 में कहा, "ये अंतिम के दिनों में पूरा होगा, मैं सभी देह पर अपनी आत्मा को उंडेलूंगा; तुम्हारे बेटे और बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगे; मेरे दास और दासीयों पर मैं मेरी आत्मा आत्मा को उंडेलूंगा; तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे; तुम्हारे बूढ़े स्वप्न देखेंगे।" और ये सारी चीजें जिसकी उसने प्रतिज्ञा की थी, जब ये, पवित्र आत्मा उतरा, उस वचन पर उजियाला था। जब वचन को प्रगटीकरण में लाया गया था, तब ये उजियाला हो गया।

वो उजियाला है। वह उजियाला है जिसका हमें अनुकरण करना चाहिए। वही एक मात्र उजियाला है। उन दूतो ने उजियाला पाया, और ये उसकी ओर लेकर गया।

105 अब, सारे युगों में, परमेश्वर ने प्रत्येक युग के लिए अपने वचन को और अधिक स्थापित किया है। परमेश्वर हमेशा ही किसी को तो भेजता हैं जो कि वचन के अंदर जा सकता है और इसके उजियाले को दिखा सकता है। कि, हर युग, में यह उसी काम को करता है, जो हमेशा करता आया है।

106 उसे पूरा होना था, जैसा कि मैंने कहा, उस सारे दैविकता का, भविष्यव्यक्ता की पवित्र सामर्थ। वे छोटे परमेश्वर थे। जब प्रभु का वचन एक मनुष्य के पास आता है, तो यीशु ने कहा, कि वह एक परमेश्वर था। आप यह जानते हैं। उसने कहा, "यदि आपके नियम ने कहा, और आपके पिता

जो वहाँ पहले आए थे, तो उन्हें कहकर बुलाया, जिनके पास परमेश्वर का वचन आया, उन्हें 'परमेश्वर' कहा, तुम मुझ पर कैसे दोष लगा सकते हो, जब मैंने कहा, 'मैं उस परमेश्वर का पुत्र हूं? " समझे?

जब, वही परमेश्वर खुद, जिसने भविष्यद्वक्ताओं के जरिये से वचन को बोला, वह उस कहे गए वचन का प्रकटीकरण था। और यदि भविष्यद्वक्ता को एक परमेश्वर कहा जाता था, क्योंकि वो किसी भविष्यद्वक्ता के वचन का प्रकटीकरण था, तो आप उसको कैसे दोष लगा सकते हैं, जब वो वही बात थी? वह परमेश्वर का पुत्र था, क्योंकि उसे परमेश्वर का पुत्र कहा जाएगा।

107 वह लंबे समय की प्रतिज्ञा किया गया मसीहा था, जिसका संसार इंतजार करता आ रहा था। वह प्रतिज्ञा किया गया मसीहा था जो प्रकट हुआ था।

108 उसे देखो जब वह वहाँ खड़ा था। उसने कहा, "यदि मैं अपने पिता के काम नहीं करता हूं, तो मुझे दोषी ठहराओ।" देखो, "लेकिन यदि तुम मुझ पर विश्वास नहीं कर सकते हो, तो उन कार्यों पर विश्वास करो, जिसे मैं करता हूं। वे गवाही देते हैं कि मैं कौन हूं। वे आपको बताते हैं कि मैं कौन हूं।"

आप देखे, कि वो अंधकारमय, काली घडी, जिसमें वे रहते थे, वे इसे नहीं देख सके। वे बस नहीं देख पाये। "भला वो कैसे हो सकता है? भला वो कोई परमेश्वर का पुत्र कैसे हो सकता है, जब कि वह ठीक यहाँ बेतलेहेम में जन्मा था? " यदि वे केवल यह जानते, कि वचन ने कहा कि यह उसी तरह आएगा। "क्योंकि, उसका पिता, यूसुफ तो एक बढ़ई हैं। उसकी मां, क्योंकि, यह असल में उसके भाइयों के बीच विश्वास करते थे कि वह नाजायज तरीके से जन्मा हुआ था।" देखा? लेकिन फिर भी परमेश्वर के वचन ने ऐसा कहा था।

109 उसने कहा, "वचन में ढूढो, क्योंकि उन में तुम सोचते हो कि तुम्हारे पास अनन्त जीवन है, और वे ही वो वचन हैं जो गवाही देते हैं कि मैं कौन हूं। वे ही वो हैं जो मेरी गवाही देते हैं, वे पवित्र वचन।" फिर वो क्या था? परमेश्वर का उजियाला। कोई आश्चर्य नहीं कि उसने कहा, "मैं जगत का उजियाला हूं।"

110 न केवल उसने कहा, "मैं जगत का उजियाला हूं।" लेकिन उसने कहा, "तुम उजियाला हो।" यदि उसका वचन आप में है, तो वो अपने आप में गवाही देता है, तब तुम जगत का उजियाला हो। ध्यान दें, हम देखते हैं, प्रत्येक युग का उजियाला उसी तरह से प्रकट हुआ।

111 फिर मैं सवाल पूछना चाहता हूं, जैसे... हमारा समय निकलता जाता है। क्यों, फिर वे क्यों... क्यों उन्होंने इसे ठुकरा दिया? वे ऐसा कैसे कर सकते हैं, जब... उनकी वही बाइबल, जिसे वे पढ़ रहे थे, जो उनके सामने प्रकट हुआ था। अब वास्तव में इसका गहराई से अध्ययन करे।

112 अब याद रखें, मैं इस समय बहुत लोगों से बात कर रहा हूं, आप देखे। यहाँ केवल चार या पाँच सौ से नहीं, बल्कि मैं—मैं कई हजारों लोगो से बात कर रहा हूं।

113 बस एक मिनट रुकें। अपने टेप रिकॉर्डर को बंद करें और सवाल पूछें। धार्मिक मनुष्य, भला मनुष्य क्यों करेगा... यूसुफ सवाल क्यों करेगा? देखा? क्यों होगा... ? क्योंकि उसने कभी भी वचन में खोज नहीं की।

याजको ने क्यों सवाल किया? एक कारण वे नहीं... वे इसे जानते थे। निकुदेमस ने इसे अच्छी तरह से व्यक्त किया। उसने कहा, "रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर से गुरु होकर आया है। कोई भी मनुष्य ऐसा नहीं कर सकता है, जब तब परमेश्वर उसके साथ न हो। हम इससे अवगत हैं।" लेकिन ये क्या था? उनके रीती रिवाजों ने उन्हें ऐसा करने से बनाए रखा।

114 फिर वे क्यों, क्यों उन्होंने मसीहा को अस्वीकार कर दिया था? क्योंकि ... क्यों उन्होंने उस उजियाले को अस्वीकार किया? यहाँ पर वो वचन है, वे जानते थे कि वो पूरा होने जा रहा था, लेकिन जब वो वचन प्रकट बना था, ये दिखाने के लिए कि परमेश्वर का वचन पूरा हो रहा था, आज के साथ तुलना करें। देखा? जब वहाँ, वचन में लिखा है, कि यह बातें जगह लेगी, फिर उन मनुष्यों ने क्यों इसे अस्वीकार कर दिया; उन शिक्षकों ने? क्योंकि वे दूसरे उजियाले की चमक में रह रहे थे। ऐसा ही है। वे एक चमक में जी रहे थे।

उसी चीज को वे आज कर रहे हैं। वे जी रहे हैं ...

इसका कारण उन्होंने इसे ठुकरा दिया, क्योंकि दूसरे उजियाले की चमक में रह रहे है। देखा? अब, वे मूसा के द्वारा कही गई बातों की चमक

में रह रहे थे, उन्होंने दावा किया था। वे उस चमक में जी रहे थे, जो (दूसरा युग) जो गुजर चुका था।

और यही आज का कारण है कि यह संदेश, कि, "यीशु मसीह आज भी एक सा है," उसको ठुकरा दिया जाता है, क्योंकि लोग किसी और युगो की चमक में रह रहे हैं। वही कारण, वे इसे ठुकरा देंगे। अब हम देखते हैं।

115 और वेबस्टर का कहना है कि, "एक चमक एक प्रकार का झूठा उजियाला है। एक चमक एक झूठा उजियाला होता है; कुछ भी जो चमकता है।"

जैसे—जैसे सड़क पर एक मृगतृष्णा की तरह। आप वहां सड़क पर जाते हैं, आप में से बहुत से लोग कार चलाते हैं, और आप आगे की ओर देखते हैं। जब आप उस सूरज की चमक आगे जमीन पर देखते हैं, तो यह एक उजियाले को प्रतिबिंब करता है, और एक मृगतृष्णा की तरह, पूरे रास्ते के ऊपर पानी की तरह दिखाई देता है। लेकिन, जब आप वहां पहुंचते हैं, तो वहां कुछ भी नहीं होता है। यह केवल एक झूठ है, मृगतृष्णा, एक सच्चे उजियाले की चमक है।

यही है जो आज शैतान कर रहा है, वह लोगों को एक मृगतृष्णा दिखा रहा है, कलीसियाओ की एक परिषद, संप्रदायों के एक झुण्ड को दिखा रहा है, जो गलत निकलेगा। क्योंकि, यह इसलिए है वहाँ एक वास्तविक उजियाला चमक रहा है वह सच्चा उजियाला नहीं चमक रहा था, तो एक मृगतृष्णा वहां नहीं हो सकती। सच्चा उजियाला चमकता है। और यह... वे दुसरे युग की चमक में रह रहे हैं, किसी और चीज की, क्योंकि यह आकर और चली गयी है।

अब, एक चमक, यह मृगतृष्णा जो झूठ है। यह सूर्य की एक चमक है।

116 और इसी तरह से, उन्होंने उसी चीज को किया, एक सच्चे उजियाले की झूठी चमक।

117 अब, यह साबित हुआ कि वो सच्चा उजियाला था। वो उजियाला था। उन्होंने क्यों जाना कि वह उजियाला था? आप कैसे जान सकते हैं कि वह उजियाला था? क्योंकि वो वचन जिसकी प्रतिज्ञा की गयी थी, उसे उसी के जरिये से प्रकट किया गया था, इसलिए वह उस कहे गए वचन का उजियाले था। आमीन! ओह, यह लगभग मुझे एक पेंटीकोस्टल बैपटिस्ट बनाता है, चिल्लाऊँ। ध्यान दीजिये, इसे सोचिये!

118 एक चमक, देखो, एक चमक में रहना! लेकिन जब सच्चा वचन रहता है, यही उजियाला है, जो परमेश्वर ने कहा।

अब, क्या हो आदि में यदि परमेश्वर ने कहा, "वहां उजियाला होने दो," हुह, ठीक है, और वहाँ कुछ और ही दिखाई दिया, देखो, केवल एक मृगतृष्णा? देखिए, ऐसा नहीं हुआ होगा, यदि, जो परमेश्वर ने कहा। नहीं, ऐसा नहीं हुआ होगा। क्या हो यदि परमेश्वर ने कहा, "वहां उजियाला होने दो," और अधिक कोहरा आ जाये? देखो, ये उजियाला नहीं होता था। लेकिन, उजियाला का कारण, यह उसका प्रकट हुआ वचन था।

और आज, जब परमेश्वर ने कह चूका है कि इस समय ऐसी चीजें जगह लेगी, और आप इसे करते हुए देखते हैं, (यह क्या है?) यह परमेश्वर के वचन पर उजियाला है। ये वचन उजियाला हुआ है, अपने आप को प्रकट करते हुए।

119 अब, उन्होंने कहा, "तुम क्या कहते हो हम कौन हैं? क्योंकि," उसने कहा, "आप कोशिश करे... हम जानते हैं कि आप पागल हैं। क्योंकि, तुम एक सामरी हो; तुम्हारे पास तुम्हारा सही मन नहीं है। ठीक है, आप कोशिश करेंगे... कौन बता सकता है... हम जानते है कि आप पाप में जन्मे हुए थे। हम नहीं जानते है कि कि आप कहां से आए हैं। हमारे झुंडो में हमारे पास आपकी पहचान का कोई लेखा–जोखा नहीं है। क्योंकि, तुम पागल हो तुम्हारे पास एक शैतान है।" देखा? कहा, "क्योंकि, तुम अपने आपे से बाहर हो।" लेकिन असल में वह सच्चा था, परमेश्वर का वास्तविक उजियाला चमक रहा था।

और चमक को बाहर रखा गया था, उनकी आँखो को बाहर रखा गया था। "हमारे पास हमारे मार्गदर्शक के रूप में मूसा है!"

120 उसने कहा, "यदि तुम मूसा पर विश्वास करते, तो तुम मुझे जान जाते।"

121 और यदि तुम यीशु और बाइबल पर विश्वास करते, तो तुम इस घडी को जान जाते कि तुम जिस में रह रहे हो। वे कहते हैं, "तो ठीक है, हम मसीही हैं। हम... " यदि आप होते, तो आप इस दिन के लिए मसीह के कामो को जानते। देखो, आप इसे जान जाते।

122 यीशु ने कहा, "उन सारे भविष्यव्यक्ताओ ने मेरे बारे में बोला। और यदि तुम उन भविष्यव्यक्ताओ पर विश्वास करते हैं, तो क्यों, तो मुझे जान

जाते। मेरे काम पहचान देते है। इसलिये, उन्होंने जो कहा कि मैं करता हूं, मैं इसे करता हूं। और अब कौन मुझ पर अविश्वास का दोष लगा सकता है? ”

123 और अब भी उन्होंने इसे नहीं देखा। क्यों? उन्होंने उनकी आँखें बाहर लगाये रखी थीं, एक चमक के साथ; देखो, किसी और चीज़ की चमक जो उन्होंने ले ली थी, जो सच्चा वचन बोला गया था। अब इस पर सोचिए। इसे सोचे। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने वचन का विश्वास किया है। लेकिन उनके रीती–रिवाजो ने उनके चेहरे को सच्चे वचन से घुमा दिया था, उस चमक की ओर, इसलिए वे वास्तविक चीज़ नहीं देख सके।

वैसा ही यह आज है। वैसे ही यह हर युग में रहा है। देखो, वो—वो सच्चा वचन चमकता है, लेकिन वे इतने रीती–रिवाज से बंध गए है, कि, वे इस वचन को देख नहीं सकते है। वे उस चमक की ओर देख रहे हैं, और वे अंधे हैं। एक चमक आपको अंधा कर देगा। वहाँ एक बुझी हुई चिंगारी है। यह आपको अंधा कर देगी। और, यह, जब...

124 यीशु ने कहा, “तुम अंधे हो, अंधों की अगुवाई करते हो।” उन्हें इसे देखने में सक्षम होना चाहिए था, इसे देखना कि वह कौन था। लेकिन उन्होंने नहीं देखा, क्योंकि वे उस चमक में रह रहे थे।

125 अब, एक चमक, जैसा कि मैंने कहा, एक झूठा उजियाला, एक मृगतृष्णा, एक सच्चे उजियाले की एक झूठी अवधारणा है। झूठी अवधारणा; यह ऐसा कुछ तो है जो—जो इसके जैसा दिखता है, लेकिन यह ऐसा नहीं है।

126 अब वे एकमात्र जरिये से फर्क को बता सकते थे, क्योंकि उन्ही चीजो ने यीशु को साबित किया कि वह वही था, कि वह उजियाला था। उन्होंने सोचा कि वे उजियाले में हैं। लेकिन अब यदि आप बस एक मिनट रुकें और विचार करें कि तब उजियाले में कौन है।

127 अब, आज! यदि सेवक जन के द्वारा उस दिन पर ऐसी जल्दबाजी की गलती की गई थी, इस तरह की जल्दबाजी की चीज की गई थी, भाइयों, आप ऐसा नहीं सोचते कि यह वो समय है कि हमने रुककर और विचार किया हो कि उजियाला क्या है? आइए हम ऐसी जल्दबाजी की गलती न करें। लेकिन आप इसे कर रहे हैं। आपने पहले ही ऐसा कर लिया है, देखो,

और इसे नहीं जानते बिल्कुल वैसे ही, जैसे वे तब थे। अब बस एक मिनट रुकें और पता लगाये कि वचन आज के लिए क्या कहता है।

128 यदि वे रुककर और सोचते, "यहाँ वह पूरा कर रहा है, शब्द दर शब्द, ठीक बिल्कुल जैसा कि वचन ने कहा था कि वह क्या करेगा।"

और उसने उन्हें चुनौती दी, जैसा कि मैं आपको चुनौती दे रहा हूं! समझे? देखा? मैं आपको वचन में देखने के लिए चुनौती दे रहा हूं, वचनों में ढूढे, देखें कि क्या यह घडी नहीं है। समझे? "वचन में ढूढे, क्योंकि उन में आपको लगता है कि आपके पास अनन्त जीवन है, और वे, वे मेरे बारे में गवाही देते हैं।" वे, वे आज इस काम की गवाही देते हैं। वे कार्य अपने आप में ही गवाही देते हैं कि इसे किया गया है, और वचन कहता है कि इसे किया जाएगा, इसलिए यह घडी का उजियाला है। परमेश्वर का वचन ऐसा कहता है।

129 आपके रीती रिवाज़ और इत्यादि ठीक वैसा ही हैं, जैसी बाइबल ने कहा था, जो वे अपने सिर को हिलाकर और चले गए। बाइबल कहती है, "सारी मेजे उल्टी से भरी हुई हैं," और यही है वे जहाँ थे। वे इस पर विश्वास नहीं करेंगे। उन्होंने अपना सिर हिलाया। और, सज्जन पुरुषो, क्या आपको एहसास है? और, भाइयों, क्या आपको इस बात का एहसास है, कि, जब आप उसी चीज को इन्कार कर रहे है जो परमेश्वर आपके सामने अपनी बात को प्रमाणित कर रहा हैं, तो आप उसी काम को कर रहे हैं जो उन्होंने किया, वापस अपने रीती रिवाज की उल्टी में जा रहे है?

130 "जैसा कि एक कुत्ता अपनी उल्टी को चांटता है।" यदि उसने उसे पहली बार बीमार किया, तो वह उसे दूसरी बार भी बीमार कर देगा। यदि कैथोलिक कलीसिया, संगठित होकर उसने पहला संगठन बनाया, तो कलीसिया में बीमारी को लेकर लाया; वैसे ही लूथरन, मेथोडिस्ट, और बाकी के सभी, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, और पेंटेकोस्टल करेंगे। "एक कुत्ता अपनी उल्टी के लिए वापस चला जाता है, और एक सुअरी अपने कीचड़ में वापस लौटती है।" समझे? हम कुछ ही मिनट में उस बात पर आ रहे हैं, प्रभु ने चाहा तो।

131 चमक, चमक में चलना, देखो, मृगतृष्णा, सच्चे उजियाले की झूठी धारणा। उसने साबित किया कि वो उजियाला था।

क्योंकि, उसके लोगो की संख्या कम... होती गयी थी, ओह, प्रभु, लाखों लोग उसके विरोध में थे! वहां धरती पर लोगों का एक छठा हिस्सा, एक नौवा हिस्सा नहीं था, उन्होंने कभी नहीं जाना कि वह यहाँ पर था। नहीं, मेरा अनुमान है, यहूदियों में से एक सौवां हिस्सा, या उनमें से शायद एक पचासवां हिस्सा, या उन का चालीसवां हिस्सा, मैं कहूंगा, हो सकता है उससे भी कम, उसी के देश का, उन्होंने कभी जाना कि वह वहाँ पर था। और वे जो जानते थे कि वह वहां पर था, उसे कुछ तो झूठा समझा था, क्योंकि संप्रदाय ने उन्हें बताया था कि वह क्या था। समझे?

लेकिन फिर भी वह सच्चा उजियाला था जिसे उत्पत्ति से लेकर, आदि में बोला गया था, और उन्हें वचन से ढूँढने और पता लगाने के लिए कहा क्या वो तब उस समय में नहीं जी रहा था; यदि वो, जो काम उसने किये, क्या बिल्कुल उस समय के लिए की गयी प्रतिज्ञा को पूरा नहीं किया। आमीन। ओह!

132 यह कितनी गंभीर बात है, भाईयों! हम एक जबरदस्त समय में रह रहे हैं।

133 वह सही साबित हुआ था। वह वही उजियाला था जिसका उन्होंने दावा किया था, जो वे आराधना कर रहे थे। उन्होंने उस उजियाले की आराधना करने का दावा किया।

और आज भी ऐसा ही है। वे दावा करते है कि वे उसे आराधना कर रहे हैं। पेंटीकोस्टल इसका दावा करते हैं। वे दावा करते हैं कि वे आराधना करते हैं, और वे इतने अंधे है, इसे नहीं देख सकते है। क्यों? वे संगठित हैं, और, लेकिन उनके चेहरे पर एक चमक है। देखा? एक रीती रिवाज़ है जो कुछ लोग एक साथ बैठते हैं, और कहते हैं, "हम जायेंगे और *इसे* और *इसे* और *इसे* और *उसे* बनायेंगे।" अब हम उस बात पर आने वाले हैं कि ऐसी बात क्यों होनी है, प्रभु की इच्छा हुई तो।

134 ध्यान दे, उसके काम अपने आप में जीवित वचन थे। उसने जो किया अपने आप में जीवित वचन थे, दिखा रहे थे कि वो वह उजियाला था, जिसे संसार के आदि से लेकर प्रतिज्ञा की गयी थी। वह वो उजियाला था। उसका उजियाला उस युग का प्रतिज्ञा किया गया वचन यह ठीक उसी तरह से जीने को लगाया, जैसा कि प्रतिज्ञा ने कहा था कि वो करेगा, लेकिन

वे इससे इतना बदल गये थे, इतना तक वे इसे नहीं देख सके। समझे? लेकिन वह उस युग का उजियाला था।

135 वह वो उजियाला था जिसकी उन्होंने आराधना करने का दावा किया था। उन्होंने सोचा कि वे उसी सृष्टि के परमेश्वर की आराधना कर रहे हैं। वे उसमें रह रहे थे, और चमक की आराधना कर रहे थे, और यीशु ने कहा, "तुम व्यर्थ में मेरी आराधना करते हो, मनुष्य की रीती रिवाजों के बारे में सिद्धांत सिखाते हो, वचन को नहीं सिखाते।" वह वचन है, और वह प्रकट हुआ वचन था। उन्हें इसका पता होना चाहिए था।

136 मुझे आशा है कि यह इसमें से होते हुए खुल सकता है जहाँ कहीं भी इसे सुना जायेगा, कि ये वचन प्रकट हुआ है। "ओह," कहते हैं, "ओह, हमारे पास वचन है।" क्यों, वो वचन, हर कोई बाइबल को बंद करता है, जो चाहता है। लेकिन, जब वचन प्रमाणित हुआ, प्रकट बना!

क्योंकि, कहते हैं, "तो, हम विश्वास करते है!"

137 हाँ, श्रीमान, उन्होंने विश्वास किया, पूरी तरह से करते आ रहे है। वैसे ही शैतान विश्वास करता है। वे फरीसी, कौन उनको दोष लगा सकते थे, कि विश्वास नहीं करते है? लेकिन उन्होंने उस घडी के वचन पर विश्वास नहीं किया। वे किसी और चीज की चमक की आराधना कर रहे थे।

इसी बात को वे आज कर रहे हैं। देखा? वे लूथर की रीती रिवाजों को आगे बढ़ा रहे हैं... या—या वेस्ली की रीती रिवाजों, और उनमें से बाकी, पेंटीकोस्टल के रीती रिवाजों। लेकिन उस घंडी का क्या?

फरीसी उनकी रीती रिवाजों को निभा रहे थे। लेकिन उनके रीती रिवाजों के पीछे परमेश्वर का सच्चा वचन था जो चमकने जा रहे थे, और, जब ये चमका, तो इसने उनकी आँखों को अँधा कर दिया। वे इसे देख नहीं सकते थे, क्योंकि वे कुछ और देख रहे थे।

वैसा ही आज है! होने पाये, परमेश्वर इसे आपके अन्दर डाल दे, जब तक यह सच में लोगों के हृदय में नहीं चला जाता जिसे विश्वास करना चाहिए। यह आपके सोचने से भी अधिक नजदीक है।

138 मेरा पुत्र बिली पॉल, वह अपनी नींद में बात करता है, लेकिन उसे अक्सर सपने नहीं आते है। उसके पास एक रात को एक सपना आया

था, जिसने उसे हिला दिया था। कहा कि उसने सपना देखा कि वह एक कलीसिया में था, और—और वे... मैं अभी तक नहीं आया था।

कहा, जब मैं अंदर आया, तो आंखों से आग बाहर निकल कर उड़ रही थी, और मैंने कहा, "समय यहाँ पर है। यह खत्म हो गया है।"

और हर कोई चीखने लगा, "मैं नहीं कर सकता! मेरे बच्चे!"

139 और यहाँ तक कि मेरी पत्नी ने भी कहा, "मैं उस मेज पर आशीष को मांगने के लिए साराह तक नहीं पहुँच सकती हूं," और इत्यादि। और मैंने कहा...

उसने कहा, "मुझे जाकर लोयस और—और बच्ची को लाना होगा।"

140 मैंने कहा, "लोयस वो अभी नहीं आ सकती। वो बच्ची इसे समझने के लिए बहुत छोटी है। बिली, वो घडी यहाँ पर है। हमें जाना चाहिए।" मैंने कहा, "अभी मध्य रात है। दिन के उजाले से पहले, यीशु यहाँ पर होगा। यदि ऐसा नहीं है, तो मैं मसीह का झूठा गवाह हूं।"

और किसी ने तो बोला, कहा, "कोई भी मनुष्य उस मिनट या घडी को नहीं जानता है।"

141 "मैंने कभी भी मिनट या घडी नहीं कहा। मैंने कहा, 'किसी भी समय अभी और दिन के उजियाले के बीच।'" और मैंने कहा, "आओ—आओ चलें।"... ? ... मैंने कहा, "लेकिन हम उस समय है। आओ चलें।"

और हम कार में चढ़े, और निकल पड़े, और हमने ऊपर पहाड़ की ओर निकलना आरंभ किया। और जब हमने ऐसा किया, तो ऐसा दिख रहा था कि उजियाला आसमान में आ रहा है, लेकिन धरती पर अंधेरा है। उसने कहा कि मैं सड़क के किनारे आ गया, और अपने हाथों को इस तरह से पकड़ लिया, आंखों से आग अभी भी उड़ रही है। और उसने कहा, मैंने कहा, "प्रभु, मैंने आपकी आज्ञा पर ऐसा किया है। मैंने ऐसा सिर्फ इसलिए किया है, क्योंकि आपने मुझे इस तरह से करने के लिए कहा था। आपने जो मुझे बताया है, उसके अनुसार मैंने ये चीजें की हैं।"

और मैं एक बड़े ग्रेनाइट पहाड़ पर पहुंचा; और एक—एक उजियाला, बिना हाथ, एक पत्थर को पहाड़ से काटता है, जो सैकड़ों टन वजन का है, और यहाँ ये आता है। मैंने कहा, "अपने सिर को घुमा लो; देखना मत। यह सब बस कुछ ही मिनटों में खत्म हो जाएगा।" कहा, फिर एक बड़ा

पवित्र सन्नाटा हर जगह छा जाता है, जैसे ही यह पत्थर उस स्थान की ओर आता है।

142 यह हमारे सोचने से भी देर हो जायेगी। वहां, देखें, यह बिल्कुल ठीक वचन के अनुसार है, आप देखते हैं, "पत्थर, बिना हाथों के, पहाड़ से काट दिया गया है।"

और इसलिए इन दिनों में से एक दिन यह उस तरह से होने जा रहा है, जब आप किसी चीज के लिए चिल्लायेंगे। मैंने उनसे कहा, "तुम्हारे पास पहले से ही वह समय था। परमेश्वर ने निरंतर समय, समय पर आपको चेतावनी दी है। जी हाँ।" मैंने कहा, "यहाँ तक यह मेरा अपने बच्चे हो, या चाहे कोई भी हो, वो घडी यहाँ पर है। मैं केवल वही कह सकता हूं जो उसने मुझे कहने के लिए कहा था, और यह वहां पर होगा," और यह था।

और—और फिर, अचानक ही [भाई ब्रंहम एक बार अपने हाथों से ताली बजाते है—सम्पा।], यहाँ वह आता है, "पत्थर, बिना हाथों के, पहाड़ से काट दिया गया है।" दानिय्येल ने इसे देखा, आप जानते हैं, बहुत वर्ष पहले। बिली को इस बारे में कुछ नहीं पता था, लेकिन यह एक—यह एक सपना था, जो उसे प्रभु से भेजा गया था।

143 अब, देखिए, वे उसी परमेश्वर की आराधना करने का दावा कर रहे हैं जिसका वे मजाक उड़ा रहे थे। और वही बात आज दोबारा घुम कर आयी है, उसी कारण से, उजियाले के बजाये एक चमक में रहना। महान उजियालो की एक चमक है। तो ठीक है।

144 देखो आज हम किस अंधेरे में हैं! देखो आज क्या चल रहा है! हत्याये, बलात्कार, विवाद की ओर देखे! क्योंकि, इसे पूरा होना है। मैं सोचता हूं कि बिली ग्राहम ने अपनी आखिरी सभा में कहा था, "अब से दस साल में, कैलिफोर्निया के हर एक नागरिक को खुद के बचाव के लिए अपने पास बंदूक रखनी होगी। आप कानून पर अधिक बोझ को नहीं डाल सकते हैं।" लोग बस पागल हो गए हैं; बंदूक चला रहे है, हत्या और बलात्कार, हर एक चीज कर रहे है, देखे। ये बस जंगली हो गये है, देखो, उन सड़कों पर। देखो, यही—यही वो दिन है, जिस दिन में हम रह रहे हैं, एक सदोम का दिन। देखा?

लेकिन एक उजियाला चमक रहा है! यदि वे केवल ध्यान देते, यदि वे केवल देखते, वचन में देखते और देखते कि इस घडी में क्या होना चाहिए, वे जान जायेंगे कि क्या करने की कोशिश की जा रही है।

145 अब, वे दावा करते थे कि वे उस उजियाले की आराधना कर रहे थे, वैसे ही आज वे दावा करते है, कि वे उस उजियाले की आराधना कर रहे है, लेकिन वे वास्तविक उजियाले की बजाये किसी और उजियाले की चमक में आराधना कर रहे थे। देखा? वो उजियाला था।

146 संप्रदाय और रीती रिवाज, उनके अंधेपन की स्थिति में, उन्हें प्रतिज्ञा किये वचन के सच्चे उजियाले से मोड़ दिया था। वो वचन जिसे परमेश्वर ने यीशु के द्वारा प्रमाणित किया था, जो संसार का उजियाला है, आकर उस वचन को बिल्कुल ठीक उसके समय में से होते हुए जीवंत बनाया, बिल्कुल उन दिनों के लिए। "वह सत्तर सप्ताह के बीच में काट दिया जाएगा, यह सही है, जो उसकी भविष्यवाणी के साढ़े तीन वर्ष है। वो मसीहा आएगा, वो राजकुमार, और भविष्यवाणी करेगा, और इस के साढ़े तीन दिन होंगे, उसके बाद जीवित रहने से से काट दिया जायेगा, और प्रायश्चित बनेगा।" और यह बिल्कुल सही है। उसने साढ़े तीन वर्ष प्रचार किया। और उनका...

147 और उसी भजन संहिता में, दाऊद ने कहा, "मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?" भजन संहिता 22 वे में, "मेरी सारी हड्डियाँ, वे मेरी ओर घूरते हैं। वे अपना सिर हिलाते है। वे मेरा ठट्ठा करते हैं।" आठ सौ पचास वर्ष होने से पहले, जब दाऊद ने आत्मा में उस गीत को गाया था, और इसे भविष्यवाणी माना गया था, और दिया गया था। वे मंदिर में उन गीतों को गाया करते थे, जब वही बलिदान क्रूस पर लटका हुआ था, उसके हाथो को छेदा गया था। "और उन्होंने मेरे हाथों को और मेरे पैरों को छेदा।" देखा? वहां देखा? फिर, क्यों? वे एक चमक में रह रहे थे। उन्होंने उजियाले को नहीं देखा।

148 क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि समझदार व्यक्ति इसे कर रहा है? इससे और ज्यादा कुछ नहीं मैं एक समझदार व्यक्ति की कल्पना कर सकता हूं, जो उस तहखाने में भाग कर जा रहा है और उसमें घुसकर, और साथ ही उस दरवाजे को खींच रहा है, और कहता है, "मैं यह देखने से इनकार करता हूं कि वहां उजियाला है।" यह पागलपन है।

और उसकी आत्मिकता कहीं तो निकल चुकी है, जब एक मनुष्य देखता है कि बाइबल ने यह प्रतिज्ञा की है, और उसे ठीक उसके सामने होते हुए देखता है और प्रकट हुए देखता है, और फिर भी निरंतर उन संस्था और इत्यादि में रहता हैं, जो इसे अस्वीकार करते हैं। यह एक आत्मिक अपराध है। यह बिल्कुल सही बात है।

149 वह अब यहाँ था। "वह—वह संसार का उजियाला था, और संसार जानता था... वह अपनो के लिए आया था; उसके अपनो ने उसे नहीं जाना। वह संसार में आया, और संसार उसके द्वारा बनाया गया था, और संसार ने उसे नहीं जाना।" देखा? "लेकिन जितनो ने भी उसे जाना, उसने उन्हें परमेश्वर के पुत्र होने की सामर्थ दी, उन को जो उस पर विश्वास करते थे।"

150 याद रखें, हम बीते कल के उजियाले से नहीं जी सकते। कल का उजियाला जा चूका है। यह अब नहीं रहा। यह, बीते कल का उजियाला है, ये केवल एक यादगार है। कल के सूर्य का उजियाला केवल एक यादगार है, या, यह इतिहास है। हम बीते कल के उजियाले से नहीं जी सकते, और नहीं। और वही, भले ही यह वही सूरज है, वही सूरज है, लेकिन हर दिन यह अपनी शक्ति को थोड़ा और तेज लेकर आता है, ताकि कटनी के लिए दाने को पकाये। देखा?

151 आज सूरज आता है, थोड़ा और तेज होते जाता है। हर एक दिन अब यह थोड़ा और तेज होगा, थोड़ा और तेज होगा, और जब तक अंत में वो गेहूं, जो कि वहाँ पर पड़ा हुआ है, जो—जो आगे जाकर जीवन को ले लेगा। थोडे समय के बाद, ये—ये जीवन ऊपर आ जाएगा, फिर थोड़ा और तेज, थोड़ा और तेज। मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, वह तब कटनी में होता है, आप देखें। आज भी वही सूरज चमक रहा है, जनवरी या दिसंबर में, वह वहाँ पर उस बर्फ को पिघलाता है और इसे उस दाने के ऊपर पिघलाता है, उसमें पानी को लाता है; यह वही सूरज है, लेकिन यह गेहूं जून में उसी सूरज के प्रकाश में नहीं रह सकता है। देखो, यह नहीं कर सकता, देखें, वो सूरज हर एक दिन, थोड़ा और तेज होता जाता है, और सूरज के प्रकाश को लेने के लिए उस दाने को थोड़ा अधिक परिपक्व होना चाहिए।

152 यही जो आज का तथ्य है। वो दाना जो आरंभ के पिताओं में बोया गया था, वहाँ पहले लूथर और वेस्ली और वे, यह छोटा सा था; यह पुत्र को नहीं ले सकता, पुत्र उसे मार डालता है। इसने बढ़ने से इनकार कर दिया। देखा? इसने इसे काट दिया, इसने खुद को डंठल से लिया, जैसे, और *यहाँ* पर आया और खुद को एक छोटी सी चीज बना लिया। यह तब एक भूसी बन जाता है, और इसमें कोई जीवन नहीं होता है। उस दाने को परिपक्व और कड़ा होना चाहिए, जैसे–जैसे प्रत्येक दिन सूरज तेज होते जाता है।

153 अब आओ एक मिनट के लिए ध्यान दे। हम कलीसिया के युगो को देखेंगे। वहाँ सात कलीसिया के युग है। और जैसे उन कलीसिया युगों में, हर एक, देखना कि उसने उनसे बात की कैसे करना है, कैसे वो दाना परिपक्व होना है और इस अंतिम घंडी में यहाँ आना है, यह अंतिम घंडी है जिसमें हम रह रहे हैं। इसलिए कलीसियाओ को ऐसा करना अवश्य है, देखो, कलीसियाये।

154 अब देखो, लूथर ने एक दाने को बोया, और लूथर एक दाना था और उसने इसे बोया। तो ठीक है। वैसे ही वेस्ली था; और, पेंटेकोस्टल भी वैसे ही था; वैसे ही बैप्टिस्ट थे, नाज़रीन थे। लेकिन, आप देखते हैं, अब लूथर वापस जाकर, उस पहले संप्रदाय, कैथोलिक के उजियाले में नहीं जीयेगा। नहीं, श्रीमान; वह एक दूसरा ही उजियाला था। यह परमेश्वर था जो कुछ तो पकवता में ला रहा था। अब उसमें से थोडी संख्या में लोग बाहर निकले, जो लूथरन की बेदारी थी।

155 फिर साथ ही वेस्ली की बेदारी आती हैं, और फिर, उस में, क्योंकि, वे वेस्ली वापस नहीं जा सकते है और जो लूथरन कर रहे थे। देखा?

और फिर साथ ही पेंटीकोस्टल आते हैं। और फिर पेंटीकोस्टल संगठित होकर और उसी काम को किया, भूसी को ले लिया। ध्यान दे।

156 लेकिन दाना ठीक आगे बढता जाता है। अब हम दूसरे युग में हैं। क्यों वे इसे ग्रहण नहीं करते? वे क्यों नहीं देखते कि दाना परिपक्व हुआ है? *यहाँ* इस दिन के लिए प्रतिज्ञा किया हुआ वचन है। [भाई ब्रंहम अपनी बाइबल को थपथपाते है।—सम्पा।] वे इसे क्यों नहीं देखते? क्योंकि वे लूथरन की चमक में रहते हैं, वेस्ली की चमक में, बैपटिस्ट की चमक में, पेंटीकोस्टल की चमक में। वे किसी और उजियाले की चमक में रह रहे हैं। यही कारण

है कि वे सम्पूर्ण वचन के उजियाले को नहीं ले सकते हैं, जो प्रमाणित हुआ है, जैसे परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी। उन्हें सात मोहरे, जहां वो सारा रहस्य प्रगट हुआ था, जो वापस आकर और यह बतायेगा कि ये रहस्य इस तरह क्यों किए गए थे; और, अब भी, जब वह आता है में, वे पहले से कहीं और अधिक दूर चले गये हैं। उनके पास कोई बहाने नहीं हैं।

157 परमेश्वर ने इसे आत्मा के जरिये, प्रकाशन के जरिये से किया है। उसने—उसने इसे सिद्ध रूप से वैज्ञानिक और बाकी इत्यादि चीजों से साबित किया है कि यही सत्य है; कि यही सत्य है। और अभी भी वे एक पेंटीकोस्टल की चमक में रहना चाहते हैं, "मैं असेम्बली हूं! मैं वननेस हूं! मैं चर्च ऑफ़ गॉड हूं! मैं *यह* हूं!" देखो, चालीस वर्ष, पचास वर्ष पहले के युग के चमक में रह रहे हैं। लूथरन की चमक में, वेस्ली की चमक में रहते है, एक बैपटिस्ट, एक प्रेस्बिटेरियन, या कुछ नाजरीन चमक, किसी एक और कलीसिया के युग की चमक जो कि निकल चुकी है और संगठित हो गयी है और उसी काम को किया, और उजियाले को अस्वीकार किया जब वो वास्तव में चमक रहा है।

158 और आप मृगतृष्णा में जी रहे हैं। मैं यह आदरपूर्वक कहता हूं, देखो, लेकिन आप... न ही आपको चोट पहुँचाने के लिए, बल्कि आपको जगाने के लिए। आप मृगतृष्णा में रह रहे हैं।

क्या यदि यीशु ने कहा, "क्योंकि, तुम अंधे हो, और तुम अंधे की अगुवाई कर रहे हो"? वे नहीं कर सकते... उसने उन्हें बताने की कोशिश की; और इसे नहीं किया। कहा, "उन्हें ऐसे ही रहने दो। यदि अंधा अंधे की अगुवाई करता है, तो वे सभी खड्डे में गिर जायेंगे।" यही वो घडी है जिसके लिए मैं आया हूं! यदि वे डगमगाते हैं, तो मैं इसकी मदद नहीं कर सकता। मैंने वो सब किया है, जो मैं कर सकता हूं। मैंने बिल्कुल वैसे ही किया है।

मैंने यह आपके आदेश पर किया है, प्रभु। आप गवाह हैं।

1933 से लेकर, वहां नदी पर, जब वहां आप उस उजियाले को देखते हैं, जो वहां चमका था, तो यह ठीक इसी भवन में रहा है और आपको इन सभी वर्षों में गवाही दी है। और वो सब कुछ इसने कहा वो पूरा हुआ है। और वे लगातार चलते रहते हैं। "अंधा अंधे को अगुवाई करने दो।" मैं

बस उस घडी के लिए रुका रहूंगा; वह इन दिनों में से किसी एक दिन आ जायेगा।

159 ध्यान दे, लुथर की एक चमक में रहना, वेस्ली की चमक में रहना, वहां पीछे उनके चमक में रहना, यही कारण है कि वे सच्चे उजियाले को नहीं देख सकते हैं। यदि वे कुछ मिनट के लिए रुक जाते, और बस बाइबल को उठाकर और इसे पढ़ते, वे देखेंगे कि... ये उजियाला इस घडी की प्रतिज्ञा है।

160 अब हम इनमें से कुछ चीजों को एक मिनट में लेने जा रहे हैं। उसने मलाकी 4 के अनुसार प्रतिज्ञा की, ये चीजें होंगी। उसने सारे वचनों में से होते हुए प्रतिज्ञा की, वे चीजे होंगी। समझे?

161 ध्यान दे इस्राएल भी यात्रा में हमारा नमूना है। देखो, मन्ना को खाना, जो कि उनका उजियाला था, जीवन था, जो उन्हें शक्ति देता था, जीवन। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] इस्राएल बीते हुए कल के मन्ना को नहीं खा सकता था जो उन के लिए गिरा था। यह दूषित हुआ था। सड़ा हुआ था। यह उनके लिए अच्छा नहीं था। वे इसे खाने पर मर जाते थे। जो मन्ना कल उन्हें जिंदा रखता था, आज उन्हें मार देगा। बाइबिल ने कहा कि इसमें कीड़े लग गये थे, दूषित हो गया है, दूषित है। और मन्ना, उन्हें हर दिन नया मन्ना लेना था। आमीन।

और ये क्या है? वे लोग जो लूथर, वेस्ली और वे जो वहां पहले थे, उनके मन्ना पर जीते है, तुम दूषित चीजें खा रहे हो जो आत्मिक रूप से तुम्हें खत्म कर रही है। यह आपको ख़त्म कर रहा है, वे अपने रीती रिवाजों में मरे हुए है।

162 कल का, लूथर का मन्ना, मैथोडिस्ट के लिए काम नहीं करेगा। मेथोडिस्ट का मन्ना पेंटीकोस्ट के लिए काम नहीं करेगा। पेंटीकोस्टल का मन्ना आज के लिए काम नहीं करेगा। समझे मेरा क्या मतलब है? हर दिन यह आता है, दिन प्रति दिन, ताजा, और इसी तरह से ये कलीसिया के युगों के जरिये से आता है।

लूथर का मन्ना धर्मिकरण का संदेश था। वेस्ली का संदेश पवित्रीकरण का प्रकटीकरण था। पेंटीकोस्टल दानो का लौटाया जाना था। लेकिन यह इस अंतिम दिन में सिरे के पत्थर परिचय कराना है, अंतिम दिन में दुल्हन

वृक्ष, जो इस सभी के विपरीत है, और अभी भी यह परिपक्व के लिए वही उजियाला है।

जब कि वही सूरज, आज चमक रहा है, जो जुलाई की कटनी के लिए दाने को पक्वक्ता में लायेगा। देखा, मेरा क्या मतलब है? लेकिन वो आज का उजियाला वहां पीछे जुलाई में कोई लाभ का नहीं होगा। यह तेज होता है। वो गेहूं और अधिक विकसित है; ये इसे लेने के लिए तैयार है। आमीन। निश्चिय ही वो है। वे इसे अब नहीं ले सकते थे; यह तब हो सकता था। वो ऋतु उस समय सही नहीं थी; यह अभी सही है।

163 आप परमेश्वर के स्वभाव के विरोध में नहीं जा सकते है। उसके पास एक नियम है, और, उस नियम के विपरीत होना, आपके पौधे को मार देता है। आपको परमेश्वर के कहे गए नियमो के अनुसार जाना होगा, और उसके नियम उसका वचन है। कोई भी नियम कहा हुआ वचन है। और एक वचन एक विचार का प्रगटीकरण है। समझे? अब हम—हम जानते हैं कि यह सच है।

164 एक दर्शन क्या है? परमेश्वर का वचन, या कुछ और, या एक पूर्वसूचक एक घटना का पूर्वानुमान। और एक दर्शन जो नबियों के पास था, और यीशु की पास था, पौलुस के पास था, और उन सभी लोगो के पास था, और इस दिन के बारे में बताया, एक पूर्वानुमान था कि क्या होगा। और यहाँ हम पूर्वानुमान को प्रकटीकरण हुआ देखते हैं, और यहाँ तक लोग इसे पहचान भी नहीं पाते हैं। समझे मेरा क्या मतलब है? अब, बीते कल का मन्ना...

165 यहाँ देखो। क्या आपने कभी ध्यान दिया, सूर्य, s–u–n, पूर्व से पश्चिम की ओर यात्रा कर चूका है, जैसा कि यह हर बार करता है। क्या आपने ध्यान दिया? और, ध्यान दे, कलीसिया के युगों ने भी यही किया। क्या? वो सूरज, s–o... s–u–n, पूर्व से निकल चूका है। और रोजाना के जीवन (संस्कृति) सूर्य के साथ निकल चूका है, परमेश्वर का कहा हुआ उजियाला उनके जीने के लिए है। वे सूर्य के पीछे–पीछे चलते हुए आगे आये है, देखो ये कहाँ जा रहा था।

166 जीवन जो अपने आप में होता है, जब आप जन्म लेते हैं, एक सूरज की तरह होते हैं। आप आगे बढ़ने लगते है, सूर्य के ढलने की ओर, आपके जन्म से लेकर सूर्य के ढलने तक।

167 मनुष्य ने हमेशा ही पश्चिम दिशा की ओर यात्रा की है। पूर्वी देशों में हमारे पास सबसे पुरानी जीवन (संस्कृति) चीन है। येरुशलेम... और, ध्यान दें, वह पश्चिम की ओर यात्रा करते जा रहा है, जैसे यह जाता है, और यह पश्चिम की ओर बढता जा रहा है, बढता जा रहा है।

168 उसी प्रकार कलीसिया के युग ने परमेश्वर के s–o–n के द्वारा यात्रा की थी। देखो, पौलुस, आरंभ की कलीसिया, पूर्व में आरंभ हुई; ये वहाँ से निकल गयी, उस—उस—उस—उस समुद्र को पार करके, जर्मनी के अन्दर छलांग लगाई। यही तीन खींचाव को बनाता है। यहाँ देखो। एशिया से, वहां फिलिस्तीन में—में, यह समुद्र पार जर्मनी में छलांग लगाई; वह लूथर था। और इसने इंग्लिश चैनल को पार करके, लूथर से इंग्लैंड में छलांग लगाई; वेस्ली के पास। और वेस्ली से, वह संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिम दिशा में छलांग लगाई । और यह, यदि आप आगे जाते हैं, तो यह फिर से पूर्व में वापस आ रहा है। यह संध्या का समय हो चूका है।

169 देखो किस तरह कलीसिया के युग लड़े हैं। लूथर... पौलुस, जो पहले, पीछे आरंभ के युग में; उसके बाद आयरलैंड की ओर आगे आता है, इरेनीअस के लिए और इत्यादि; और वहां आगे फ्रांस में; वहाँ से, जर्मनी के अन्दर; वहां इंग्लैंड में; निरंतर पश्चिम की ओर बढ़ते जा रहा है।

और अब हम और आगे नहीं जा सकते है। यह आखरी युग है। और इस आखिरी युग के बारे में बाइबल क्या कहती है? देखो, भौगोलिक, काल क्रम विज्ञान के रूप से देखें, और लगभग किसी भी तरह से आप इसे लेना चाहे। वचन के अनुसार पहले ले; वचन, निश्चित रूप से, पहले। ऐतिहासिक रूप से प्रमाण है, किसी भी तरह से आप इसे लेना चाहे, हम अंत में है, ये आखिरी कलीसिया युग है।

170 और, ध्यान दे, जैसे–जैसे ये आगे बढ़ता गया यह तेज और तेज होता गया। और वैसे ही वास्तविक है, कलीसिया की छोटी संख्या धर्मीकरण से बढ़ चुकी है, पवित्रीकरण, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, और अब सिरे के पत्थर के लिए आ रही है, खुद को आकार देते हुए। इसके बाद और कोई संगठन नहीं। अब और नहीं होंगे। देखो, नहीं हो सकते है, देखो, हम पश्चिम पर हैं।

171 आपको केवल सभी प्रकार से दिखाने के लिए, और अन्य सभी चीजों के जरिये से। और उन तीन छलांगों को देखो, तीन खींचाव। हम आज रात उसके अन्दर जायेंगे, देखो, देखो, हम कैसे अंत समय में हैं। यह सिर्फ...

172 उस s–u–n (सूर्य) ने s–o–n (पुत्र) के जैसे यात्रा की है; s–o–n(पुत्र) जैसे s–u–n (सूर्य)। कलीसिया उसी स्थान पर आयी है, सात कलीसिया युग, और इत्यादि से। जीवन (संस्कृति) सीधा पश्चिम की ओर चला गया है, और कलीसिया ठीक पश्चिम की ओर चली गयी है। और अब यदि हम उससे कहीं आगे जाते हैं, जहाँ हम अभी है, तो हम फिर से पूर्व की ओर लौटते हैं। आप पश्चिम दिशा को छोड़ देते हैं, आप फिर से सीधे वापस चीन, जापान, में आ जाते हैं। सात हजार मील की दूरी पर, आप फिर से पूर्व की ओर वापस जाते हैं। सो पूर्व और पश्चिम मिल चुके हैं, ये ऐसा ही है। हम अंत में हैं। कुछ भी नहीं बचा है।

173 और आज भी वही घटित हुआ है, जो वहां पहले घटित हुआ है। वही चीज पश्चिम में मिलती है जो पूर्व में मिली थी। लोग एक दुसरे उजियाले की चमक में रहते है, जो पूरी तरह से आगे की ओर दिखाने की कोशिश कर रहा था, उजियाला आने वाला था, और इसे अस्वीकार कर दिया, क्योंकि उन्होंने उजियाले के बजाय चमक को लिया था। ओह! "और अन्यजातियों के देश में महान उजियाला था; ज़बुलुन, नेफथलिम; गलीली की... गलील में, जो अन्यजातियों का देश है।"

174 यह सातवें कलीसिया का युग है। याद रखें, और हर समय वो सूरज पूर्व में चमकना आरंभ होता है, वही सूरज जो पश्चिम में चमकता है। और वही आत्मा जो युगों से चली आ रही है, उसी तरह आज भी वही पुत्र है। केवल, ये क्या है? बस जैसे ये पकवता में आना है, उस ऋतु के लिए। जो सूरज अब है, वही सूरज होगा जो इस पतझड़ में, शरद ऋतु में दाने को पकाता है, देखो, लेकिन (क्या है?) यह सूरज के साथ–साथ और यह क्या होगा। और आज, इस अंतिम युग में, जो उनके पास था, उसके साथ–साथ यह भी होगा।

और फिर भी वे वापस वहीं रहना चाहते हैं, उस एक छोटे से रूप में, एक पुराने, सड़े हुए के अंदर चले जाते है... पुराने नाममात्र उस तहखाने और संस्था में चले जाते हैं, और अपनी आँखों को बंद कर लेते हैं, कहते हैं, "मैं बस इसे देखने से इनकार करता हूं। यह सब बकवास है।" और

जब वही बाइबल, जिसे वे विश्वास करने का दावा करते हैं, जो उसी पवित्र आत्मा के द्वारा पहचानी हुई है, अंतिम दिनों में उजियाले को ला रही है!

175 क्या आपने ध्यान दिया? और मलाकी में वहां बहुत ही नजदीक से देखें, किस तरह बात को लाया कि, "बालको को पिता के विश्वास की ओर, और बालको के पिता की ओर।" देखो, वही आत्मा जहां ये वहां पहले उठ खड़ा हुआ, जहां ये फिर से यहाँ पर उठ खड़ा होता है, वही चीज़। देखो, बस इसके विपरीत, बिल्कुल, फिर से वापस तैयार हो रहा है। कारण, क्यों? पूरब और पश्चिम मिल चुके हैं। बिल्कुल ठीक हमारे मुंह के सामने, और फिर भी वे इसे नहीं देखते हैं। क्यों? कोई आश्चर्य नहीं कि यीशु ने कहा, "बस उन्हें तब ऐसे ही रहने दो। वे अंधे हैं, अंधे का अगुवाई करते हैं, वे सभी खड्डे में गिर जायेंगे।"

176 अन्य युगों का उजियालो ने केवल इस उजियाले को प्रतिबिंबित किया। देखा? सूर्य जो आज बस प्रतिबिंबित करता है, सूर्य का प्रतिबिंब होना जो इस जुलाई या अगस्त में होगा, यदि परमेश्वर... वो कटनी के लिए होगा। और वो पुत्र, लूथर का, मार्टिन लूथर, और वेस्ले, और सैंके, फिन्नी, नॉक्स, केल्विन, मूडी के पुत्र, और वे सारे दुसरे, वे महान पुरुष जो वहां पहले थे उनके पास वे उजियाले थे; और बैपटिस्ट कलीसिया के जॉन स्मिथ, और अलेक्जेंडर कैंपबेल, कैम्पबेलाइट कलीसिया और वे मसीह के कहलाने वाले चेले, क्रिश्चियन चर्च और जो भी और नाम हो जो भी उन्हें उनके लिए मिला था। वे सारे लोग जो वहाँ पहले थे, उनके युग में, वे केवल यह प्रतिबिम्ब कर रहे थे कि इस अंत में यहाँ क्या होगा।

177 और फिर यहाँ, वे बालक, उनके बुनियाद डालने वालो के तुरंत बाद, वे क्या करते हैं? वे डंठल पर बने नहीं रहे। वे इससे आगे बढ़ गए और अपने आप को एक यहाँ छोटी सी चीज भूसी बना लिया। जो, आप जीवन के वास्तविक स्रोत से दूर हो जाते हैं, आपके पास कोई जीवन नहीं है। आप उस एक चीज को भूसी से निकाकर, और इसे यहाँ जमीन में गाड़ देते हैं, यह वहीं पड़े रहकर और सड़ जायेगा। और वैसे ही आप उन बीते हुए दिनों से सड़े हुए मन्ना को खाने की कोशिश कर रहे हैं।

फसल पक चुकी है! यीशु ने एक टेबल को बिछाया है, जहां परमेश्वर के संत उस दिन के समय का भोजन खाते है, उस सुसमाचार उजियाले के

द्वारा जो प्रमाणित और साबित करता है कि वो आज यहाँ पर है। आमीन। वे संत रोटी को खाते हैं।

178 जरा सोचिए। बीते कल का पुराना भूसा, देखिए, इसे वापस वहां नहीं लगाये। यह सड़ा हुआ है। यह नहीं हो सकता, यह इसके साथ बना नहीं रह सकता। नहीं श्रीमान, यह कुछ भी अच्छा नहीं करेगा। यह नहीं बढ़ पायेगा। यह जीवन से दूर है; और वचन ही जीवन है। ये सही है। भूसी गिर जाती है, छोटा पुराना छिलका गिर जाता है, और इस तरह की चीजें। यह बस खुद को संस्थागत करते है और गिर जाते है। यह जीवन के साथ आगे जाने से इनकार करते है।

लेकिन उजियाला इसे प्रमाणित करता है। ओह, प्रभु! जी हाँ, श्रीमान।

179 कल का, ओह, प्रभु, हमें इसे कैसे देखना चाहिए! देखो, वो, कल की सड़ी हुई चीजें, उन्हें आज नहीं खाये। समझे? इसमें कीड़े लग गए हैं। आप इन छोटे फुफुदी लगे कीड़े को जानते हैं जिसे मैं यही कहकर बुलाता हूं? मैं नहीं जानता। मैं—मैं उन जीवाणु जीवन के बारे में ज्यादा नहीं जानता, लेकिन मुझे पता है कि हम हमेशा उन्हें फुफुंदी लगे कीड़े कहा करते है। थोड़ा सड़ जाने पर यह किसी भी चीज में आ जाता है। समझे? मैं तब इसे नहीं चाहता। यदि आप इससे संतुष्ट हैं, तो आगे बढ़ें, लेकिन मैं नहीं हूं। लेकिन याद रखें...

आप कहते हैं, "फिर बीते कल में ये अच्छा क्यों था? "

180 यदि आप केवल यह जानते कि बहुत छोटा सा छिलका जो आरंभ में गेहूं पर था, यदि वो दाने में बना रहता है, तो यह दाने को और अधिक बढ़ाता है। यही वो चीज है जो गेहूं के फूल को बनाती है, जो कल था; लेकिन यदि यह खुद को दाने से अलग करता है, और यह परिपक्व नहीं होता है, तब यह चला जाता है। देखा? लेकिन यदि यह प्रक्रिया से होकर गुजरता है जो जीवन की प्रक्रिया है, जैसे–जैसे यह मरने लगता है, तो यह बस किसी और चीज में मिश्रित होता जाता है और दाने को बनाता है। यदि ऐसा नहीं है, तो यह कहां से आता है? आमीन। आपने इसे समझा? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

181 इंग्लैंड की रानी की तरह, एक बार, वो एक बड़े कागज की कंपनी पर गई, और उसने कहा कि वह पेपर कारखाने को देखना चाहेगी। इसलिए उन्होंने उसे पेपर के कारखाने को दिखाया, बहुत वर्षो इससे पहले वे इसे

लुगदी और सामान से चीजो को बनाते थे, सो उन्होंने देखा... वे इससे पेपर बनाते हैं। तो वे, ठीक, थोड़ी देर के बाद, वह एक कमरे में आती है कि यह कुछ भी नहीं था लेकिन गंदे पुराने कपड़ो के चीथड़े का एक बड़ा ढेर, और उसने कहा, "यह कहाँ से आया? यह क्या है? ओह," उसने कहा।

उस—उस—उस कारखाने के प्रधान ने कहा, "यह वही है, जिससे हम पेपर से तैयार करेंगे, इन गंदे कपड़ो के चीथड़े से।"

उसने कहा, "ये, ये पेपर को बनाते है? "

"हाँ।" सो वो शायद इसे विश्वास नहीं कर सकी।

182 सो उसके जाने के बाद, उस व्यक्ति ने उन्ही गंदे कपड़ो के चीथड़े के ढेर को लिया, और उन्हें किसी एक प्रक्रिया के जरिये से जाने दिया, और आप जानते हैं उनका एक साफ, शुद्ध पेपर बनकर निकाला, जो एक प्रक्रिया से होकर गुजरा था और वास्तव में इसे बनाया... और उसमें रानी की रुपरेखा को डाल दिया, और उसे रानी के पास भेजा, जिसमें वह खुद को प्रतिबिंब कर रही है कि उसे "गंदे कपड़ो के चीथड़े" कहा जाता है।

183 अब यही वो है। कल की मरी हुई चीजें, लूथर का सन्देश, वेस्ली का संदेश, पेंटीकोस्ट का संदेश, यदि यह केवल परमेश्वर की पवित्र आत्मा और एक वचन के प्रमाणित होने की प्रक्रिया से होकर गुजर सकता है, यह यीशु मसीह के प्रतिबिंब को सामने लाएगा, जो राजा है। आमीन। लेकिन यदि आप इसे ऐसे ही छोड़ देते हैं, तो यह गंदे कपड़ो के चीथड़े है। देखा?

184 इसे किसी और में ढाला जाना है। लूथर को वेस्ली में ढाला जाना है, और वेस्ली को पेंटीकोस्ट में ढाला जाना है, और पेंटीकोस्ट को मसीह में ढाला जाना है। यह एक प्रक्रिया से होकर गुजरता है। वैसे ही सुसमाचार एक प्रक्रिया से होकर गुजरा है। यह प्रक्रिया से निकल रहा है। लूथर का युग, धर्मीकरण, हम यह विश्वास करते हैं; वेस्ली का, पवित्रीकरण, हम यह विश्वास करते हैं; पेंटीकोस्टल का, दानो का लौटाया जाना, पवित्र आत्मा के लिए, हम निश्चित रूप से यह विश्वास करते हैं। लेकिन, इन सबको एक साथ ढालना, आप किस बात के साथ बाहर आते हैं? यीशु, सही है, जो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। ओह! यह यीशु के साथ बाहर आयेगा।

185 जब एक व्यक्ति ढलाई के कारखाने में एक घंटे को बनाता है, तो वो घंटा एक विशेष स्वर को उसमें से निकालता है। जब वह उसके सांचे को तैयार करता है और उसके लिए लोहे को उंडेलता है, तो वह इतनी मात्रा में पीतल, इतनी मात्रा में स्टील, इतनी मात्रा में तांबा डालता है। क्यों? वह जानता है कि इसे सही स्वर को देने के लिए वास्तव में इसे कितनी मात्रा में डालना है।

और यही यीशु ने अपने दुल्हन के द्वारा किया है। उसे इतनी मात्रा में लूथर, इतनी मात्रा में मैथोडिस्ट, और इतनी मात्रा में प्रेस्बिटेरियन, इतनी मात्रा में पेंटीकोस्ट, उसमें डालना था। लेकिन वह किस चीज के साथ बाहर आता है? उसके अपने प्रतिबिंब के साथ।

यह क्या है? बिल्कुल पिरामिड के संदेश की तरह, आप देखते हैं, यह ठीक ऊपर की ओर संचय होता है, यह, सिरे के पत्थर के साथ, कम संख्या में आता हैं। धरती पर यीशु मसीह की सेवकाई वैसी ही सेवकाई होना चाहिए जो उसके पास थी, या वो इसके लिए नहीं आ सकता है। बिल्कुल जैसे सिर से, पैरों तक। वो सिर... पैर सिर नहीं होते है, लेकिन सिर पैर को आज्ञा देता है, या पैर को चलाता है, यह इसे बताता है कि कहां जाना है। आपने इसे समझा? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] सुंदर रूप से, यही इस घड़ी का उजियाला है।

186 वेस्ली एक महान उजियाला था। जैसे उसने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से कहा, "वह अपने घडी के लिए एक महान उजियाला था।" निश्चित रूप से, वह था।

187 नहीं, जी हां, श्रीमान, स्वच्छ कपडे के चीथड़े... या, बीते कल के गंदे कपडे के चीथड़े, यदि आप इसी तरह से बने रहते है, यह हो... यह बस हर समय गंदे कपड़ो के चीथड़े बन जायेगे। इसने कपडे के रूप में अपने उद्देश्य के कार्य को किया, लेकिन अब यह पेपर बन गया है।

धर्मीकरण ने अपने समय के कार्य को किया, धर्मीकरण में नीचे लूथर के तहत, फिर ये वेस्ली के जरिये से इसे पवित्रकरण बनना था। और पवित्रीकरण ने अपने समय के कार्य को किया, जब तक यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं बन गया। और पवित्र आत्मा के बपतिस्मा ने अपने समय के कार्य को किया; जब तक पवित्र आत्मा (जो, वहाँ केवल एक ही परमेश्वर है) कलीसिया के साथ मिश्रित नहीं होता है और कलीसिया

मसीह के अंदर, और यह यीशु मसीह को धरती पर प्रतिबिम्ब करता है, जो उसने यहाँ बाइबिल में प्रतिज्ञा की थी। हो सकता है इस पर विश्वास न हो; मैं आपके लिए इसे नहीं कर सकता हूं। मैं केवल वचन के लिए जिम्मेदार हूं। देखा? ये सही है।

188 तो आप इसे देखते हैं? क्या आप यह देखते है? यदि आप देखते हैं, तो यह उस मनुष्य के जैसे होगा एक समय... उस दौरान, वो वेल्स में गया था, वेल्स की बेदारी के समय के दौरान। पुरुषों का एक झुण्ड संयुक्त राज्य अमेरिका से वहां चला गया। सो वे वहां चले जाते है, और उन्होंने कहा कि वे यह जानना चाहते हैं कि इस वेल्स की बेदारी को किस इमारत में रखा गया था। आपमें से बहुत से लोगों को वेल्स की बेदारी याद होगी, एक महान बेदारी जो वेल्स में वेल्स के लोगों के बीच हुई थी। तो ये पुरुष, ये महान बड़े–बड़े सेवक, और इत्यादि, वे संयुक्त राज्य अमेरिका से चले गये, वे धर्म शास्त्र के विद्वान हैं। वे वहां पर जाना चाहते थे और देखना चाहते थे कि उन्होंने क्या महान काम किया है, आप जानते है।

सो वे सड़क पर चल कर जा रहे थे, और उन्होंने कहा... वे एक छोटे से बूढ़े पुलिसकर्मी से मिले जो कोने पर खडा था, वो अपने डंडे को चारों ओर घुमा रहा था, आप जानते होंगे, और सीटी से एक स्तुती के गीत बजा रहा था, इस तरह से। उन्होंने कहा, "अरे वाह, वह तो सीटी से एक स्तुती के गीत बजा रहा है। हम वहां जा सकते हैं, और उसे देख सकते हैं, देखते हैं कि वह क्या करने जा रहा है। क्यों न, उससे एक सवाल पूछें।"

सो वे उसके पास गए, और कहा, "श्रीमान, वेल्स की बेदारी कहाँ पर है? "

189 उसने अपनी टोपी को नीचे झुकाया; उसने कहा, "श्रीमानों, वेल्स की बेदारी *यहाँ* पर रखी है," उसके ह्रदय में। ओह, ऐसा ही है, वह वेल्स की बेदारी था।

ओ परमेश्वर, यदि हम केवल—केवल यह समझ सकते कि हम यीशु मसीह के प्रतिबिंब हैं, उसका वचन प्रकट बना है। आप उसके वचन का प्रतिबिंब हैं। समझे?

"वेल्स की बेदारी कहाँ पर रखी गयी है? यह किस इमारत में है? "

उसने कहा, "श्रीमान, यह मेरे ह्रदय में है।" वह वेल्स की बेदारी था। ये सही है।

190 और आज कलीसिया को यीशु मसीह कार्य में होना चाहिए, धरती पर। "क्योंकि मैं जीवित हूं, तुम भी जीवित रहोगे; और मेरा जीवन तुम में होगा। जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे।" समझे? कलीसिया के पास यह होने के लिए उस स्थान पर भी होना है। और उसने प्रतिज्ञा की है कि वह इसे करेगा, और यह करेगा। इसे उस तरह से आना है। तो, आप देखते हैं, यही है जो बात जगह लेती है। हमें, हमें उस तरह से होना है।

वह उजियाला है।

191 वैसे ही नुहा उसके दिन में उजियाला था। वह उजियाला था। नूहा वो उजियाला था। वह किस का उजियाला था? ताकि परमेश्वर के वचन को बनाये, "मैं पृथ्वी पर से मनुष्य को नष्ट कर दूंगा, जिसे मैंने रचा है। एक जहाज को बना, और जो भी सारे इसमें आने की इच्छा रखते है बच जायेंगे।"

नूहा ने वहाँ जाकर कहा, "एक ही रास्ता है, और वह है जहाज।"

192 उन्होंने कहा, "बुढा पागल कट्टरपंथी।" वह वचन था जो प्रकट बना था। नूहा उस घडी का उजियाला था, निश्चित ही था। उसके दिन, उसके युग का, उसने उजियाले को फैलाया।

193 मूसा अपने समय का उजियाला था। "मैं तुमसे निश्चय ही मुलाकात करूँगा," परमेश्वर ने अब्राहम से कहा। "मैं नीचे उतर कर आऊंगा, और मैं अपने लोगों को एक मजबूत हाथो से बाहर निकालूंगा, और मैं मिस्र में अपनी सामर्थ को दिखाऊंगा।"

और जब मूसा वहां ऊपर उस जलती हुई झाड़ी से वहां पर मिला, और उसने पाया कि वो मैं हूं उस झाड़ी में था, मूसा वहां नीचे गया, और वह उजियाला था। आमीन। कोई आश्चर्य नहीं कि वह कुछ धूल को ले सकता है, और इसे उड़ा सकता है और कह सकता है, "धरती पर पिस्सू आने दो।" उसके पास परमेश्वर का वचन था। क्या हुआ? धूल उड़ने लगती है, और पिस्सू अस्तित्व में आने लगते हैं। हाल्लेलुय्या! क्यों? वह परमेश्वर के वचन के उजियाले का एक प्रकटीकरण था, "मैं मिस्र में महामारी लाऊंगा।" वह एक नबी था। उसने जो कहा वह पूरा हुआ। वह उस दिन का उजियाला था। वह परमेश्वर का उजियाला था।

194 फिरौन के पास वह सब कुछ हो सकता था जो वह होने के लिए चाहता था, और बाकी के वे सभी, उन सभी याजक के पास वही था जो वे चाहते

थे, लेकिन मूसा उजियाला था। क्यों? वह परमेश्वर के वचन को दिखा रहा था, जो प्रकट हुआ था। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की, "मैं उन्हें एक मजबूत हाथ के नीचे बाहर निकलूंगा, और मैं अंपनी खुद की महिमा के लिए गौरव को लूँगा।" यही है जो वो कर रहा था।

यही कारण है कि मूसा ने साबित किया कि वह सृष्टी कर सकता है। इसलिए नहीं कि वह सृष्टी को चाहता था; क्योंकि परमेश्वर ने उसे करने के लिए बताया था। "और उस के साथ, 'सभा में जाओ, कहो, "कल... "' प्रभु परमेश्वर ने मुझसे अभी बात की, 'एक मुट्ठी भर धूल लेना और इसे इस तरह आकाश की ओर फेंकना, और इसे कहो।' यहाँ पर कुछ भी नहीं है, लेकिन यह वहाँ पर होगा।" आमीन!

ओह, मैं आशा करता हूं कि आप सोए नहीं होंगे। ओह! [भाई ब्रंहम उसके हाथ से एक बार ताली बजाते है—सम्पा।] प्रगटीकरण!

195 उसने कहा, "मुझे भेजा गया है। परमेश्वर ने हमारे पूर्वजो से कहा, निश्चिय ही वह ठीक यहाँ हमसे भेंट करेगा और हमें बाहर निकालेगा। मैं आपको साबित करने के लिए आया हूं वो घडी नजदीक है। जो आपके पास है, उससे मुक्त हो जाओ। आओ चलें!" जी हाँ!

196 उनमें से कुछ ने कहा, "ठीक है, मैं विश्वास करता हूं ... " दातान ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि कोई जल्दबाजी है। हमें इस बारे में बिल्कुल उत्साहित नहीं होना चाहिए।" और चार या पाँच बार, ये विफल होता दिखाई दिया। लेकिन, फिर भी उसी तरह, ये आगे बढ़ता रहा।

197 उन्होंने सोचा। उन्होंने बाहर आकर और कहा, "हम इस मूसा को पत्थरवाह करेंगे! उसे हमसे दूर करो! हम उसे हमारे यहाँ हमारे—हमारे झुण्ड में नहीं चाहते।"

मूसा किसी भी तरह से बस आगे बढता गया, क्योंकि वो जीवन था, वो उस घडी का उजियाला था। उसके पास क्या था, ये क्या था? परमेश्वर ने मूसा के जरिये से अपने प्रतिज्ञा वचन का प्रगटीकरण कर रहा था, और मूसा उजियाला था।

198 एलिय्याह उजियाला था। "वहाँ जाओ और उस पहाड़ी पर बैठो! मैंने तुम्हें खिलाने के लिए कौवो को आज्ञा दी है।" आमीन! जी हाँ, श्रीमान।

199 वह यहोवा यों कहता वाले वचन के साथ वापस आया। "यहाँ तक एक बूंद भी आकाश से नहीं गिरेगी जब तक मैं इसे न बोलूं।" आमीन! "सूरज

चमक सकता है, तुम सारे बादलों को बुला सकते हो, और जो कुछ भी तुम करना चाहते हैं, लेकिन एक बूंद भी आकाश से नहीं गिरेगी जब तक इसे मैं न बोलूं।" वह क्या था? उजियाला! हाल्लेलुय्या! वह उजियाला था। वो उजियाला! वह परमेश्वर का वचन था जो प्रकट बना था।

200 उन्होंने सोचा कि वह पागल था, जो वहाँ बैठा हुआ है। उसके पास उसे खिलाने वाले द्वारपाल थे; और उसने उन्हें भूखो मरने के लिए छोड़ दिया। वे अपने रीती रिवाजों में जीना चाहते थे; आगे बढ़ें। ना ही मूसा, या ना एलिय्याह, वो ठीक उस उजियाले में रह रहा था। वहां ऊपर छोटे नदी, नाले के पास बैठा हुआ और बस उसके पास एक अच्छा समय था; भोजन कर रहा था, और कोई तो उसकी देखभाल करने के लिए वहां पर था, और इत्यादि। उन्होंने सोचा कि वह पागल है, लेकिन वो—वो उजियाला था।

201 वे कहते, "हे, उस पुराने पवित्र शोर मचाने वाले का क्या हुआ जो यहाँ हमारे आसपास रहता था? तो, आप जानते हैं क्या? कोई तो एक दिन शिकार कर रहा था, और कहा उसने देखा कि वो उसे रास्ते में वहाँ बैठा हुआ हैं, बहुत ऊपर उस पहाड़ पर। मैं शर्त के साथ कह सकता हूं कि बुढा लकडहारा इस समय तक लगभग सूख चुका होगा।" ओह, नहीं। वह उजियाला था। वह उजियाला था। वह उसके दिन में परमेश्वर का उजियाला था।

202 यूहन्ना, जब वह धरती पर आया, और परमेश्वर से अपनी शिक्षा को प्राप्त करने के लिए जंगल में गया, ना कि सेमिनरी। उसे मसीहा का परिचय कराना था। सो जब वह आगे आया, तो यीशु ने कहा, "वह एक उज्ज्वल और चमकता हुआ उजियाला था।" हाल्लेलुय्या! क्यों? वह प्रकट हुआ वचन था।

यशायाह ने ऐसा कहा। ऐसा ही है। ये सही है। "वह जंगल में से निकलती हुई आवाज है, पुकारते हुए, कहता है, 'प्रभु के लिए रास्ता तैयार करो, और उसके लिए फाटक को सीधा करो, रास्ते को सीधा करो।' वो एक पुकारेगा, एक... की आवाज जंगल में पुकारती है।" यहाँ वह आगे आया। वह क्या था? "जंगल में से किसी के पुकारने की आवाज़।"

वह क्या था? वचन का प्रकटीकरण, उजियाला। वही परमेश्वर जिसने उत्पत्ति में बोला; जिसने इसे बोला, और यहाँ उजियाला आता है। जैसा

कि उसने कहा, "सूरज के लिए, उजियाला होने दो," वो सूरज अस्तित्व में आता है; उसने कहा कि वहां "जंगल में एक पुकारने की आवाज," होगी यहाँ ये आगे आती है। यह उस घडी का उजियाला था।

203 उसने यह भी कहा, अंतिम दिनों में! आमीन! ये घड़ी का उजियाला है यह बाबुल के जंगल में पुकारती है, "उसमें से बाहर आओ, मेरे लोगों, जिससे तुम उसके पापों के भागी न बनो। उसकी अशुद्ध वस्तु को स्पर्श नही करो! इससे दूर रहो! उस क्रोध से भागो जो आने पर है!"

204 यूहन्ना ने भी यही बात कही। "कुल्हाड़ी पेड़ की जड़ तक रखी है।" कोई भी शिक्षा नहीं हुई, यहाँ तक एक प्रचारक की तरह बात नहीं की। उसने सर्प, और लाठी, और पेड़, और कुल्हाड़ी, और इत्यादि के बारे में बात की, जंगल में जिस बात का वो आदि था। वो उस तरह से ऊपर नहीं आया, कुछ महान, बड़े, बढ़िया चीजे जो आज उनके पास है जैसे कि उन दिनो में उनके पास हुआ करती थी। वह अपनी ही बोली के साथ बाहर आया। वह खडे होकर और नहीं कहा, "अहा–यार," और उसने ये सारे अलबेलेपन की तरह प्रणाम को नहीं किया। वह ठीक जंगल से बाहर निकलता है, अशिक्षित और कठोर होकर। कहा, "तुम यह सोचना आरंभ मत करना कि, 'मैं *इस* से संबंधित हूं और मैं *उस* से संबंधित हूं।' परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहीम के लिए संतान को खड़ा कर सकता है।"

205 आप ऐसा ना सोचे क्योंकि आप मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन हैं, कि परमेश्वर पर आपकी कोई पकड़ है। परमेश्वर नाजायजो और वेश्याओ को सड़क से उठा सकता हैं, उनमें से परमेश्वर के पुत्रो को बना सकता है। कोई तो इसे सुनेगा, और कोई तो इसे विश्वास करने जा रहा है।

206 उसने कहा, "कुल्हाड़ी पेड़ की जड़ में रखी है। और हर पेड़ जो विश्वास नहीं करता है, उसे कुल्हाड़ी से काट कर नीचे गिरा दिया जाता है और आग में डाल दिया जाता है।" तो यही उसका संदेश था। वह उस दिन का उजियाला था।

207 यीशु ने कहा, "वह एक उज्ज्वल और चमकता हुआ उजियाला था, और तुमने थोड़ी देर के लिए उसमें चलना चाहा।"

208 और यूहन्ना उस नबी ने क्या कहा? "वह ठीक अभी तुम्हारे बीच खड़ा है। मैं उसके जूते के बंध खोलने के योग्य नहीं हूं। और जैसे ही वह दृश्य पर आता है, मैं हट जाऊंगा।" ओह, प्रभु! क्योंकि, वह उजियाला था।

वहां कोई दो या तीन उजियाले नहीं है, कोई चार या पांच अलग–अलग संगठन नहीं हैं। एक उजियाला था। वहां मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, लूथरन, प्रेस्बिटेरियन नहीं है। मसीह उजियाला है, और उजियाला जीवन है। और प्रकट वचन घडी का उजियाला है।

209 "उजियाला होने दो, और वहां उजियाला था।" जी हाँ, श्रीमान। "वहां उजियाला होने दो," और वहां उजियाला है! उसने बोला वहां इस दिन में उजियाला होगा, और उजियाला है। वो आ रहा है। मैं इसे विश्वास करता है। इस युग के प्रतिज्ञाओ को देखो। ओह, प्रभु!

210 हर एक उजियाला जो हमेशा चमका, इन कलीसिया कालो में, हम देखते हैं कि कैसे... ये—ये देखने के लिए एक दयनीय दृष्टि रही है, अस्वीकार करना। प्रकाशितवाक्य 3, मैंने यहाँ लिख कर रखा है, प्रकाशितवाक्य 3, और मैं जानता हूं कि तब मैं किस—किस संबंध में बोल रहा था।

211 इस घडी के प्रतिज्ञा की ओर देखे, हम जिसमें रह रहे हैं; एक अस्वीकृत उजियाला। उन्होंने क्या किया? उन्होंने इसे वहां पहले ठुकरा दिया। क्यों? वे चमक में रह रहे थे। वे आज क्या कर रहे हैं? उसी चीज को कर रहे है।

212 ठीक है, क्या—क्या आप मसीही हैं? "मैं लूथरन हूं। मैं एक बैपटिस्ट हूं। मैं प्रेस्बिटेरियन हूं।"

ये इससे कोई भी मतलब नहीं रखता है। बस आप कह सकते हैं कि आप "सुअरी, सुअर," थे या जो कुछ भी और आप खुद को कहना चाहते हैं। देखा? इसके बारे में यही मतलब रखता है। अब ये आपका अपमान करने के नहीं—नहीं है, लेकिन यदि आप इसे इसके मूल सिद्धांत के भाग को ले रहे हैं, तो यह सही है।

मैंने एक प्रश्न को पूछा, "एक मसीही है?" यही मसीह तुम में है। और फिर यदि मसीही तुम में है, तो वचन तुम में है। और फिर यदि वो वचन तुम में है, जब उजियाला चमक रहा है, तो आप इससे बाहर कैसे जा सकते हैं? देखो, यही वो सवाल है। अब यही जो अब उसमें है, वो उजियाला। संध्या का उजियाला चमक रहा है। दुल्हन का वृक्ष खिल रहा है।

213 ओह, याद रखना, उन्होंने उस पुराने पेड़ को काट–छांट दिया। "और जो अर्बे नामक टिड्डीयों ने छोड़ा येलेक ने खा लिया, जो येलेक ने छोड़ा हासील ने खा लिया।" जो मेथोडिस्ट ने छोड़ा, बैपटिस्ट ने खाया; जो

बैपटिस्ट ने छोड़ा, पेंटेकोस्टल ने खाया। उसने कहा, "यह वृक्ष था," योएल ने वहाँ कहा, "पूरा नीचे डंठल तक काट दिया गया था," लेकिन वो ये जानना चाहता था, क्या यह फिर से जी उठेगा। ओह, जी हां! उसने उस वृक्ष को संभाले रखा। उसने वृक्ष को संभाले रखा, जी हाँ, श्रीमान, क्योंकि वो उसकी दुल्हन थी।

और उसने कहा, "'मैं वापस लौटाऊंगा,' यहोवा यों कहता है।" यह क्या है? "मैं इसे आगे लाऊंगा, वो जो कुछ लूथरन ने खाया, और वेस्लीयन ने खाया, और उन सभी ने। और मैं इसे वापस लौटाऊंगा, क्योंकि यह सब अभी भी पेड़ की जड़ में है।" समझे?

यह वहां उस ओर जमीन में पड़ा हुआ है। ठीक उसी तरह जैसे पौधे के जीवन का सार नीचे चला गया था, जैसा कि मैंने बहन के बारे में कहा था, ये वहां पड़ा हुआ है। और किसी दिन परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और वे चुने हुए लूथरन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, जिसका किसी संगठन से कोई लेना–देना नहीं था ...

214 लूथर ने कभी भी कुछ भी संगठित नहीं किया। मूडी ने कभी कुछ भी संगठित नहीं किया। ये तो वो उसके बाद ऐरो–गेरो का झुण्ड था, जो संगठन को किया, भूसी को ले लिया। जॉन स्मिथ ने कुछ भी संगठित नहीं किया। न ही उनमें से कोई भी संगठित हुआ था; ये तो उस घडी का उजियाला था। लूथर, वेस्ली या उनमें से कोई भी नहीं; ये तो उसके बाद का झुण्ड था, जो आकर, जिसने संगठन को बनाया।

215 पवित्र आत्मा ने कभी पेंटीकोस्ट में कुछ भी संगठित नहीं किया। पेंटीकोस्ट एक अनुभव है, एक संप्रदाय नहीं है। इसने कभी कुछ भी संगठित नहीं किया। ओह, नहीं। लेकिन जो मनुष्य पेंटीकोस्ट होने का दावा करता है, उसने इसे संगठित किया। ये वो वहां भूसी है, जो मर रही है। बजाय इसके इसे पेपर में छापे, और यीशु मसीह की पूरी छवि बनाकर सामने लाये; नहीं, उन्होंने खुद को बाहर निकाल दिया है, इसलिए उन्हें इसमें कुछ नहीं करना है। बस उन्हें ऐसा ही रहने दो।

216 लेकिन हम अब देखते हैं, यह उजियाला, यह वृक्ष, मसीही, कलीसिया के द्वारा फिर से अस्वीकृत गये है। क्यों? उसी कारण से जिसे उन्होंने इसे पहले किया, दुसरे दिनों के उजियालो की पुराणी झूठी चमक। और "वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" इब्रानियों 13: 8 में वह कहता है।

वह आज भी वैसा ही है जैसे वो तब था, क्योंकि वह वही करता है जो उसने किया था। वही वचन, वो मसीह।

217 सुनना, मैं अब चाहता हूं कि बस आप इसे अपने लिए ले, और इसे व्यक्तिगत होने दो। मैं नही जानता, मैं थोड़ा सा... क्या अब उस टेप के लिए चालू करूं या बंद करूं, देखो। मैं बस इसे वैसे ही रहने दूंगा। समझे? [सभा आनन्द करती है—सम्पा।]

218 मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। देखो, इसे ध्यान दे। देखें, "वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" ध्यान दे। उसके कार्य, जो उसने किये, स्वयं प्रकट हुये। अब ध्यान से सुनना। जब वह यूहन्ना 14:12 में वहाँ खड़ा था, उसने कहा, "जो काम मैं करता हूं वह तुम भी करोगे, वरन इससे भी बढ़कर करोगे। क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।" अब, उसने इसे कहा, "आकाश और धरती टल जायेंगे, लेकिन यह वचन कभी भी नहीं टलेगा।" अब यदि हम युग के अंतिम छोर पर हैं, तो वे "बड़े काम" कहां करने वाले हैं? देखा? हम यहाँ पर है। हमारे पास नहीं...

219 सुनना, यदि रोमन कैलेंडर सही है, तो हमारे पास... हमारे पास छत्तीस वर्ष बचे हैं। हर दो हज़ार वर्ष के बाद संसार उसके अंत से पहुँचता है। पहले दो हजार वर्ष, जल से नष्ट हुआ; अगला दो हज़ार वर्ष, मसीह आता हैं। यह 1964 आ रहा है; छत्तीस साल बाद। अब, मिस्र के खगोल विज्ञान के कैलेंडर का कहना है कि हम सत्रह वर्ष बाहर है, "यह उससे सत्रह वर्ष और आगे है," जिससे हमारे पास उन्नीस वर्ष बचते है।

यीशु ने कहा, "चुने हुए के कारण, कामों (बातों) को घटाया जाएगा, नहीं तो कोई भी प्राणी नहीं बचेगा।" हम कहां पर हैं?

220 "जो काम मैं करता हूं वो तुम भी करोगे। उसी तरह के, लेकिन तुम उससे बढ़कर करोगे।" अब देखो। ध्यान से सुनो। अपने... मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर आपके ह्रदय और आपके मन को समझने के लिए खोलें, ताकि आप इसे यहाँ बहुत अधिक कहे बिना समझ जाये। ध्यान दे। उसने एक दिन कहा ...

आइए देखें जो कुछ उसने "महान" कार्य किए हैं। आओ जरा रुक कर एक दो बातों को देखे। आइये सोचते है।

एक समय, उसने कहा, "आप उन्हें कुछ खाने के लिए दो।"

उन्होंने कहा, "हमारे पास कुछ भी नहीं है।"

कहा, "तुम्हारे पास क्या है? मेरे पास लाओ, जो तुम्हारे पास है।"

और उन्होंने कहा, "हमारे पास पांच जौ की रोटियां और दो मछलियां हैं।"

उसने कहा, "उन्हें मेरे पास लाओ।"

221 और उसने मूल पाँच जौ की रोटियाँ लीं और रोटियों को तोड़ना आरंभ किया। और, उस मूल से, उसने रोटी बनाई। इसने पांच हजार खिलाया। क्या यह सही है? [सभा कहती हैं, "आमीन।"—सम्पा।] तब उसने कहा, और उसके पास एक मछली थी, "मुझे वो एक मछली दो।" यह आरंभ से ही एक मछली थी। और उसने उस मछली में से, एक और मछली, और एक और मछली को लिया, और पाँच हज़ार को खिलाया। क्या यह सही है? ["आमीन।"]

लेकिन अंतिम दिनों में उसके पास कुछ भी नहीं था। उसने केवल बोला, और कहा, "कहो तो यह वहां पर होगा," और, यह वहाँ था, वहां इसमें बिना किसी चीजो के। उसके पास कोई गिलहरी नहीं थी; वहां कोई भी नहीं था। उसने इतना ही कहा, "वहाँ होने दो," और वहाँ पर था। समझे? ओह, उसका वचन अचूक है, और इसे पूरा होना है।

222 मैं आपको ऐसी बातें बता सकता था जो आपको हिला देंगी। समझे? यह वहाँ पर है जब वह कहता है कि यह वहाँ पर है। उसे इसे कहने दो। देखिए, बिलकुल वैसे ही।

223 देखो, पूरब, पश्चिम यहाँ वापस आए हैं और पूरब से मिले हैं। ये मूसा था, यहाँ तक कि उसने रेत को उठाया, और कहा, "वहाँ पिस्सू होने दो," और इसी तरह से इत्यादि, "धरती पर पिस्सू हो।" लेकिन इस अंतिम दिन में वह कुछ भी नहीं लेता है; देखो, केवल शब्द। "ऐसा होने दो," और ये होता है। जो कहा गया है, यह उसी तरह से होगा।

मैं आज रात उन्ही कुछ बातों की गवाही देना चाहता हूं, देखें, देखें, जो घटित हुआ है, कि आप देख सकते हैं कि वो अब भी परमेश्वर है। उसके वचन कभी नहीं...

"ये काम जो मैं करता हूं, तुम भी करोगे, वरन इससे भी बडे काम तुम करोगे। मैंने मछली को बनाने के लिए एक मछली को लिया; तुम्हारे पास

एक मछली होनेके लिए एक भी मछली नहीं है।" समझे? वह अभी भी परमेश्वर है, अभी भी वही पुत्र है। परमेश्वर का वही पुत्र जिसने एक मछली से मछली को बनाया, ये आज भी वही परमेश्वर का पुत्र है। "ये काम जो मैं करता हूं, तुम भी करोगे, वरन इससे बड़े काम तुम करोगे।" ये और भी बढेगा, "इससे भी बढकर तुम करोगे।" और लोग इसे देखने से इनकार करते हैं। हुंह! "बढकर काम!"

224 एक झूठा उजियाला। आप जानते है, मैं बस कुछ तो सोच रहा था। मैं इंग्लैंड के बारे में बहुत कुछ बता रहा था, लेकिन मैं एक झूठे उजियाले के बारे में सोच रहा था। यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ, आप सभी को वह सबसे बड़ी डकैती याद होगी जो—जो कि इंग्लैंड ने कभी हुई थी, इसे किया गया था। यह सत्तर लाख डॉलर की लुट–पाट हुई थी। मैं नहीं सोचता कि इसके साथ तुलना करने के लिए संसार में कभी कोई भी डकैती हुई है। एक बड़ी लुट–पाट हाल ही में हुई, सत्तर लाख डॉलर, यहाँ तक कि स्कॉटलैंड यार्ड को ये समझ में नहीं आ रहा है।

आप जानते हैं कि उन्होंने इसे कैसे किया? एक झूठे उजियाले से। उन्होंने रेलमार्ग पर एक उजियाले को डाला, चेतावनी के लिए, इतना तक उस लाल बत्ती नीचे कर दिया, और उन्हें रोक दिया। और वहाँ डकैती की घटना हुई, बिल्कुल उसी स्थान पर। एक झूठे उजियाले ने सबसे बड़ी डकैती को अंजाम दिया जिसे राष्ट्रों अब तक जाना है। इसने राष्ट्रों को लूटा। सबसे बड़ी लुट–पाट, सबसे बड़ी डकैती, यह एक झूठे उजियाले के द्वारा की गई थी।

225 और परमेश्वर के कलीसिया की सबसे बड़ी डकैती जो कभी हुई थी जो झूठे उजियाले, एक चमक, उनके संप्रदाय है। इसने उन्हें पवित्र आत्मा की सामर्थ से लूट लिया। इसने कलीसिया से लिया उसी जीवन–रेखा से। इसने उन्हें वचन से लूट लिया, जब उन्होंने वचन के बजाय एक संस्था को स्वीकार कर लिया। इसने उन्हें लूट लिया।

ओह, वे वचन के होने का दावा करते हैं। वचन उस युग के लिए अपने आप में जीता है; यह खुद को परिचित कराता है। वे भी उनके पास वचन होने का दावा करते थे पहले वहां यीशु के दिनों में। लेकिन इसने कहा, "उन्होंने एक बड़े उजियाले को देखा," और उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने इसे देखा, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया।

226 ओह, झूठा उजियाला, हाँ, यह कलीसिया की अब तक की सबसे बड़ी कीमत की डकैती है। भाइयों, ठंडे सम्प्रदाय के पंथ, एक प्रमाणित वचन को, एक दाने, को नहीं पकाते है। बाइबिल ने कहा, यीशु ने कहा, "परमेश्वर का वचन एक—एक बीज है जिसे बोने वाला बोता है।" देखा? और ठंडी संस्था उस वचन को नहीं पकाती है। नहीं, नहीं!

ठंडे बर्फ़ीले तूफ़ानो के दिन गेहूं को नहीं पकाते है। सच में, नहीं! यह तो सूर्य के उजियाले की गर्मी को लेता है, क्योंकि ये परमेश्वर का कहा हुआ गया वचन होता है ताकि इसके साथ ऐसा करे।

और आज यह वचन को लेगा जो परमेश्वर का कहा हुआ है, ताकि परमेश्वर के संतों को दिखाये कि यीशु मसीह जीवित हैं। बिल्कुल जैसा वो कल था वैसा ही आज है। संस्था और संप्रदाय इसे कभी नहीं करेंगे। वे ठंडे और बेरुखे होते हैं, और दाना ठीक जमीन में सड़ जाएगा। ये इसके नीचे से ऊपर नहीं आ सकता है।

227 आज यही कारण है आज हमारे पास वही है जो हम करते हैं। जैसे हमारे बहुमूल्य भाई बिली ग्राहम, महान बेदारी को करने वाला। मैं सोचता हूं कि परमेश्वर उस मनुष्य का उपयोग कर रहा है। लेकिन देखो वो क्या करता है; उनमें से बैपटिस्ट और प्रेस्बिटेरियन बाहर निकलते है। आप क्या करते है? कलीसिया से जुड़ने वालो का एक झुण्ड मिलता है।

228 देखो कि जहां दक्षिणी बैपटिस्ट्स को वहां पर ताज पहनाया जा रहा है, क्योंकि उनके पास सबसे अधिक संप्रदाय थे, या, उनके संप्रदाय किसी भी दुसरे प्रोटेस्टेंट से अधिक बढ़ गये है? कैथोलिक ने उन सभी को ले लिया है, लगभग, पिछले वर्ष ही। क्या आप इसे अखबार में देखते हैं? इसने निश्चय ही किया। चिंता मत करो, यह उन सभी को ले लेगा, क्योंकि यह बैपटिस्ट और सभी को ठीक एक साथ ले लेता है। और वे सभी एक हैं, और इसे नहीं जानते।

कलीसिया की परिषद, कलीसियाओ की परिषद, उन सभी को बस उसी चीज में डालती है। संप्रदाय डालती है... क्यों, आप क्यों *यहाँ* पर या *वहाँ* पर बने रहना चाहोगे? जब तक आप *इसे* अस्वीकार कर रहे होते हैं, तब इससे क्या फर्क पड़ता है? क्या आप उसी संप्रदाय के नाम पत्र को उपयोग नहीं कर रहे हैं, बिल्कुल उसी तरह से जैसे आप उसी स्थान पर

हो? पहला, पशु; और दूसरा एक, वो छाप। सो, आप वहीं पर हैं, इसलिए बस इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

229 यही वो है जहाँ वो रहा है। उसने अपनी स्वीकृति की मुहर को पूरा कर दिया, और वहां आप इसे ले लेते हैं। और वहाँ पर उस सब का नेतृत्व किया, सीधे व्हाइट हाउस की ओर, और वाशिंगटन, डी सी, और—और कलीसिया की परिषद की ओर, और वहां आप जाते हो। पादरीगण उन्हें ठीक पीछे लेकर गये, ठीक उसी तरह जैसे बाइबल ने कहा था कि वे करेंगे करेंगे। [भाई ब्रंहम पुलपिट पर छह बार खटखटाते है—सम्पा।]

मैं सोच रहा था कि घड़ी बहुत तेजी से चल रही है! [सभा कहती है, "आप अपना समय ले।"—सम्पा।]

230 अब, जरा सोचें कि अब हम कहाँ पर हैं। उस दिन के लिए प्रतिज्ञाओ को देखो, फिर से ठुकरा दिया। इस अंतिम दिन में कलीसिया ने किस तरह किया है, संप्रदाय की चमक!

231 झूठी चमक में रहना यही कारण है कि यह नहीं पकता है। यही कारण कि, यह वचन, आप अद्भुत कार्यो को नहीं देखते हैं।

232 ज्यादा समय नही हुआ एक याजक ने मेरा साक्षात्कार (इंटरव्यू) लिया, और उसने कहा, "श्रीमान ब्रंहम," उसने कहा, "आप कैसे बपतिस्मा करते हैं?" एक—एक कोई लड़की के लिए पूछा वो इस कलीसिया से बाहर निकलकर; और वो पीछे हट गयी थी और उसने एक कैथोलिक लड़के से विवाह किया, और कैथोलिक कलीसिया में जाता। और वह उसे कलीसिया में ले जाने वाला था।

233 मैंने कहा, "मैंने उसे मसीही बपतिस्मा में बपतिस्मा दिया है।"

उसने कहा, "बिशप जानना चाहता है।"

मैंने कहा, "अच्छी बात है, यह ऐसा है।"

कहा, "क्या आप इस के लिए शपथ लेते हैं?"

234 मैंने कहा, "मैं कोई शपथ नहीं खाता।" और उसने कहा... "हाँ," कहा, "यदि वह इसके लिए मेरा शब्दों को नहीं ले सकता है, ठीक है, कोई बात नहीं। क्योंकि, मैं शपथ नहीं खाता। बाइबल ने कहा; 'स्वर्ग की शपथ मत खाना; यह परमेश्वर का सिंहासन है; पृथ्वी उसके पैरो की चौकी है।

आपकी हाँ "हाँ", और ना, "नहीं" में होने दो।"'" मैंने कहा, "उसे इसके लिए मेरे शब्द को लेना होगा।"

कहा, "तो ठीक है, आपने—आपने कहा, 'मसीही बपतिस्मा,' आपका डुबाने से—से क्या मतलब है? "

235 मैंने कहा, "यही एकमात्र तरीका है, जो मसीही बपतिस्मा दिया जाता है।" मैंने कहा, "मैंने उसे ओहियो नदी में बपतिस्मा दिया; उसे पानी के अन्दर लिया, यीशु मसीही नाम में, और उसे ऊपर लाया। मैंने उसे 'प्रभु यीशु मसीह के नाम से' बपतिस्मा दिया जो एकमात्र वही मसीह बपतिस्मा है।"

कहा, "हां, श्रीमान।" उसने इसे नीचे रखा। और उसने कहा, "अनोखा है!" कहा, "आप जानते हैं, कैथोलिक कलीसिया हमेशा ही उस तरह से बपतिस्मा लेते थे।"

मैंने कहा, "कब? "

और उसने कहा। वो आगे बोलता गया, और थोड़ी देर के लिए चर्चा चली। और उसने कहा, "ठीक है, हम मूल कैथोलिक हैं।"

236 यह जानते हुए कि वहाँ—वहाँ किताबें रखी हैं, आप जानते हैं, और इस पर इतिहास है, मैंने कहा, "यह सच है, लेकिन," मैंने कहा, "आप आज इसे क्यों नहीं करते।"

उसने कहा, "हमारे पास पापों को क्षमा करने की सामर्थ है।" कहा, "यीशु, उसने अपने चेलो को यह नहीं बताया कि, 'जिन के पाप तुम क्षमा करो वे उन के लिये क्षमा किए गए हैं जिन के तुम रखो, वे रखे गए हैं'? "

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान। उसने कहा।"

उसने कहा, "तो क्या यह कलीसिया को अधिकार नहीं देता है? पतरस कलीसिया का प्रमुख था।"

237 मैंने कहा, "यदि कलीसिया पापों को क्षमा करेगा जिस तरह से पतरस ने किया।" मैंने कहा, "अब, जब वे पूछते हैं, 'हम बचने के लिए क्या करे? ' उसने कहा, 'तुम में से हर एक पश्चाताप करो, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो।'" मैंने कहा, "आप ऐसा करो, और मैं आपके साथ जाऊंगा।"

"ओह," उसने कहा, "आप एक बाइबिल के समर्थन में बोलने की कोशिश कर रहे हो।"

मैंने कहा, "यही तो वचन है।"

उसने कहा, "परमेश्वर उसके कलीसिया में है।"

मैंने कहा, "परमेश्वर उसके वचन में है। 'हर एक व्यक्ति, दुसरे मनुष्यो का वचन झूठा; उसका सच्चा है।'" समझे?

238 इसलिए कोई और तरीके से वो इसे नहीं देख सकता है। लेकिन वहाँ—वहाँ वे सीधे अंधकार में चलते जाते है। और प्रोटेस्टेंट, हजारों की संख्या में, इसमें गिरते जा रहे है। यहाँ है वे, ठीक अपने संस्था और चीजों को अपनाने से, सीधे इसके अंदर चलते जा रहे हैं। वचन ठीक बाहर आ रहा है, इसे साबित करते हुए, यीशु मसीह स्वयं को प्रकट करते हुए, कहा, "कल, आज, और युगानुयुग एक सा है।" उस संस्था की चमक में, वे सीधे–सीधे तरीके से अंधकार के अंदर चले जाते हैं। बिल्कुल जैसा उन्होंने नूह के समय में किया, जैसे उन्होंने हर समय किया था, वे आज भी वैसा ही करते हैं, सीधे अंधकार में! क्यों? वे उजियाले को अस्वीकार कर देते हैं, क्योंकि संस्था ने उन्हें अंधा कर दिया है।

239 ओह, क्या ही अब हम एक अंधकार की घडी में हैं! हु–हुन! जी हाँ, वे मसीह के सत्य अनन्त उजियाले को अस्वीकार करते है, और यही है जो इसे करता है।

240 ठंडे संप्रदाय कभी भी परमेश्वर के वचन में जीवन नहीं ला सकते, क्योंकि ये उनके संप्रदाय में जीवन को लाता है। हमारे पास ठीक अभी और अधिक आत्म घोषित मसीही हो गए हैं... यहाँ देखो, यदि मसीही...

मैंने इस याजक से पूछा। "यदि... मैं आपके साथ जाऊंगा, जो कैथोलिक कलीसिया, आरंभ में, पेंटीकोस्ट पर था," ना ही निसीया, रोम में। कलीसिया, रोम में कभी आरंभ नहीं हुई। यह पेंटीकोस्ट में आरंभ होती है। देखा? येरूशलेम में वो स्थान है जहां कलसिया आरंभ होती है। लेकिन मैंने कहा ...

241 यहाँ, मैं मानुगा कि ये लोग, वे गुलाम और इत्यादि, उनके पास पवित्र आत्मा था, उनके स्वामीयो ने उनकी सामर्थ और चीजों को देखा, वे जो कर रहे थे; मुर्दों को जिलाना, अन्य भाषा में बोलना, शैतानो को निकालना,

होने वाली चीजो को पहले से बताना। और उनके बीच में नबी थे, और इत्यादि, अपने चारों ओर भेड़ की खाल ओढे बाहर आते; नैसर्गिक चीजे खाते, उस निसिया परिषद के लिए आते है और इत्यादि, और किस तरह से वे महान लोग! और वे वहाँ से बाहर आते हैं, और वहाँ उस निसिया परिषद के लिए आते हैं, उस वचन के लिए खड़े होते है।

लेकिन, उन लहूलुहान पंद्रह दिनों में, उन्होंने "पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा" को एक संस्था के नाई स्वीकार किया, बजाय बाइबल के सिद्धांत के जो "यीशु मसीह के नाम में," है। इसके माध्यम से सारे प्रोटेस्टेंट कलीसिया आते हैं, जो ठीक इसमें जन्म लेते हैं, वही चीज, वे सारी अन्य चीजे। पवित्र आत्मा की झूठी अवधारणा; उन्होंने लिया, प्रभु भोज को लेते है, दाखरस को पीते है, "यह वो *पवित्र भोज* है, जिसका अर्थ है, 'पवित्र आत्मा।'" याजक आपको इसे देता है।

242 अब, बाइबल ऐसा नहीं बताता, "जब पेंटीकोस्ट का दिन पूरी तरह से आया, यहाँ सड़क पर एक याजक आया, उसका कॉलर ऊपर मुड़ा हुआ था, कहा, 'अपनी ज़ुबान बाहर निकालकर चांटो और पवित्र भोज को लो।" नहीं, इसने ऐसा नहीं कहा, "तुम सब लोग यहाँ चलकर आओ और मेरी ओर संगती का दांया हाथ बढ़ाओ, तुम जो बैप्टिस्ट, मेथडिस्ट और बैप्टिस्ट हो, मैं तुम्हारा नाम डालूँगा। कहीं से भी एक पत्र को लाओ।"

243 उसने कहा, "वे सभी एक ही स्थान पर थे, एक चित थे। और अचानक ही आकाश से एक तेज़ हवा के जैसे सनसनाहट की सी आवाज आई, और इसने उस सारे कमरे को भर दिया जहाँ वे बैठे हुए थे। वे सारे पवित्र आत्मा से भर गये थे, और अन्य भाषा के साथ बोलना आरंभ किया, क्योंकि आत्मा ने उन्हें उच्चारण दिया। और वहाँ... " वे रास्ते पर निकल गये, पीये हुओ लोगो के जैसे लड़खड़ाते हुए, मरियम और बाकी सभी लोग, पवित्र आत्मा के प्रभाव के नीचे।

क्यों, लोगों ने कहा, वे उन पर हँसे, और कहा, "ये लोग नई दाखमधु से भरे हुए हैं।" वे क्या थे? एक संस्था के द्वारा अंधे।

244 वह छोटा सा दो दर चार का प्रचारक वहाँ खड़ा हुआ, जिसका नाम पतरस था, और उसने कहा, "तुम यहूदिया के लोग और तुम उस स्थान पर रहते हो... तुम येरुशलेम के लोग, जो यहूदिया के रहने वाले हो, यह बात तुम्हें ज्ञात हो जाए, और मेरे शब्दों को सुन लेना। ये पीए हुए नहीं हैं।

लेकिन मैं आपको बता दूं कि वचन ने जो होने के लिए बताया है। यह वो उजियाला है। यह प्रकट हुआ वचन है।"आमीन।

आज भी ऐसा ही होता है, और वैसा ही करते हैं जैसा उन्होंने तब किया था, वहां से चले जाते हैं और सिर को हिलाते हैं। कहा, "उन्हें ऐसा ही रहने दो; अंधा अंधे की अगुवाई करता हैं, वे सभी खड्डे में गिरेंगे।"

245 ओह, यह मसीह, अनन्त जीवन को लेता है, ताकि जीवन के वचन को लाये प्रमाणित करने के लिए, देहधारी हुआ। ओह, मेरे परमेश्वर! वचन को लेता है... पवित्र आत्मा को लेता है, ताकि परमेश्वर के वचन को कार्य में लाये।

246 जब यीशु ने कहा, "तुम सारे संसार में जाकर, और हर एक सृष्टि को सुसमाचार प्रचार करो।" अब देखिए, मरकुस 16, उसकी अंतिम आज्ञा। "सारे संसार, सारे संसार," यह अभी तक वहाँ कभी पहुंचा नहीं है, देखें। "सारे संसार, और हर एक सृष्टि को सुसमाचार प्रचार करो, वो जो विश्वास करता है," सारे संसार में, "और जो बपतिस्मा ले वो बच जायेगा; जो विश्वास नहीं करता वो दोषी होगा। और ये चिन्ह उनके पीछे जायेंगे जो विश्वास करता हैं।"

"वे प्रचारक के साथ हाथ को मिलायेंगे... "? नहीं। "वे कलीसिया के अच्छे सदस्य होंगे"? नहीं।

"मेरे नाम में वे शैतानों को निकालेंगे; वे नई–नई भाषा के साथ बोलेंगे; वे सापों को उठा लेंगे; या, वे घातक चीजें भी पी जाये, इससे उन्हें कोई हानी नहीं होगी; यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, तो वे चंगे हो जायेंगे।"ओह, प्रभु!

247 कितनी दूर? "हर एक सृष्टि में।" कितना? "सारे संसार में," जब तक वह फिर से नहीं आता। "ये चिन्ह ... " "वो जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वो भी करेगा। यहाँ तक इससे भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं अपने पिता के पास जाता हूं।"

248 ओह, हम भला इससे दूर कैसे जा सकते हैं, जितना मैं कह सकता हूं, ये उससे कहीं अधिक है! जितना वे थे, हम अब उससे ज्यादा अंधकार में हैं। अब बस मेरे पास कुछ और यहाँ वचन है, तो मैं अंत में लेना चाहता हूं जितना जल्दी हो... जितना वे थे, हम उससे ज्यादा अंधकार में हैं।

मैं जानता हूं कि मैंने आपको यहाँ रोके रखा है, लगभग डेढ़ घंटे से। [सभा कहती हैं, "नहीं!"—सम्पा।] लेकिन, देखिए, यह टेप वहां चल रहा है। देखा? समझे?

249 वे हमसे कहीं अधिक अंधकार में हैं। मैंने इस कथन को दिया। क्यों? कलीसिया, इस चमक में, इतने भरमाये जा रहे हैं, ऐसा दिखाई देता है कि यह सच्चाई है। अब, क्या यीशु ने नहीं कहा? आइए मत्ती 24 देखें, देखो। मत्ती 24, यीशु ने कहा कि, "अंतिम दिनों में, दो आत्माएं इतनी नजदीक होगी, इतना तक कि यह संभव हो सके तो चुने गए मनुष्य को भरमा देगी।" वहां वो चुना हुआ झुण्ड होगा जो कलीसिया बनाने के लिए अंतिम दिनों में बाहर आयेगा। और ये संगठन, जिसे वे उनका सत्य कहकर बुलाते हैं, वे इतने नजदीक होंगे जैसे वे वास्तविक चीज हो, कि यह हो सके तो चुने हुए को भी भरमा दे, यहाँ तक कि पेंटीकोस्टलस।

250 अब, आप जानते हैं कि आप पेंटीकोस्टल को लेकर और उसे कुछ मेथोडिस्ट या बैपटिस्ट के सिद्धांत के साथ नहीं भरमायेंगे। आप उसे बताने नहीं जा रहे हैं। वह बेहतर जानता है। आप या तो किसी बैप्टिस्ट को लूथरन सिद्धांत के साथ नहीं भरमायेंगे। समझे?

और न ही आप इस सन्देश को, अब इस वचन में भरमाने वाले सन्देश को लेंगे, पेंटीकोस्टल सिद्धांत के द्वारा, एक झूठे "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," को और इस तरह की सारी बातों को, और वापस उन संस्था में जाये, जो उन्होंने उस संगठन में स्थापित करके रखा है। वास्तव में नहीं। आप उन्हें कभी भरमा नहीं सकते क्योंकि चुने हुए भरमाये नहीं जायेंगे।

251 यह क्या है? यह क्या है? भरमाया जाना। ये चमक, वे क्या कर रहे है? वे कलीसिया को परिषद के द्वारा वध करने के लिए नेतृत्व कर रहे हैं, उनके चमक के द्वारा। यह अंतिम वध होगा, जब वो और रोम एक साथ जुड़ जाते है। जब वे पशु की उस छाप को तैयार करते हैं, तो वही वध अंतिम वध होता है। और ये चमक जो अब आपके पास है, देखो ये क्या कर रही है: लोगों का नेतृत्व कर रही है। यह एक बकरी है।

252 एक बकरी हमेशा भेड़ को वध की ओर नेतृत्व करती है। आपने यह वध करने के बाड़े में देखा होगा। वह बकरी वहीं पर भागेगी और भेड़ों का नेतृत्व करेगी, फिर वह खुद बाहर कूद जाएगी और भेड़ों को अंदर कर देगी। यही है जो वो करती है। वो हमेशा ही ऐसा करती है।

यह बकरियां थीं जो यीशु, उस मेम्ने को वध के लिए ले गईं। वो रोमन बकरियाँ! ये सही है।

यह—यह आज के संप्रदाय के बकरे है जो निर्दोष भेड़ों को वध के लिए नेतृत्व करते है। अपने आप को, वहां उनके नाम को उन पुस्तकों को डालते हैं, और वे समाप्त हो जाते हैं। यह पशु की छाप है। प्रभु के नाम में, मैं बोलता हूं। लंबे समय तक इसे संगठित किया। यही सच है। यह बिल्कुल ऐसा ही है। पशु क्या है? पशु क्या है? यह रोमन पदक्रम है, वो पहला संगठन। इसकी छाप क्या है? वही बात, ठीक वैसी ही, बिल्कुल वैसी ही बात, जैसे ये थी। वध, चमक की ओर!

253 लेकिन वर्तमान अंधकार के सामने, हमने अभी भी परमेश्वर के उजियाले को उसमें से चमकते हुए देखा है। उसके लिए हम कितने धन्यवादित होना हैं!

254 ध्यान से सुनना। हमने उजियाले को देखा है, उसका वचन जो उसने इस दिन के लिए प्रतिज्ञा किया था, साबित और प्रमाणित हुआ है। यही सच्चाई है, इस घडी का उजियाला है। ओह, प्रभु! मैं बहुत खुश हूं। कुछ भी गलत नहीं है। कुछ भी नहीं।

255 यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ एक सेवक यह कह रहा था कि वह वहां फ्लोरिडा में था, और उसके पास उसकी एक—एक कार थी, मैं सोचता हूं कि यह एक शेवरलेट कंपनी की कार थी, और वो चीज उस के बस के बाहर थी। वह इसे ठीक नहीं कर सका। और वह गैरेज में चला गया, और एक छोटा सा मैकेनिक उसके नीचे जाता और उसके ऊपर जाता, और यहाँ वहां हल्के से मारता; वो उसे ठीक नहीं कर सका। और वह—वह *इसे* कोशिश करता, और यह काम नहीं करता। और वह कुछ और करने कोशिश करता; यह काम नहीं करता। उसने एक जनरेटर पर रखा, *इस* पर रखा, और प्लग में डाला, जोड़ में डाला; उस चीज को चालू नहीं कर सका। वह बस इससे चालू नहीं कर सका।

अंत में, एक अच्छे कपड़े पहने हुए एक व्यक्ति ने कदम रखा। उसने कहा, "क्या मैं आपको कुछ राय दे सकता हूं? "

256 छोटे मैकेनिक के पास कहने के लिए इतनी समझ थी, "जी हाँ, श्रीमान।"

उसने कहा, "आप *इसे* ले, और जोड़े *इसे* और *इसे*, और," उसने कहा, "एक बार इसे एक साथ रखें और इसे कोशिश करे।" और उसने *इस* जोड़ को *उसके* साथ लिया, और इसे एक साथ रखा, और वहाँ वह चालू हो गई।

257 छोटा मैकेनिक घूमा, और कहा, "कहिये, आप कौन है?" वह इंजीनियर था, जनरल मोटर्स का मुख्य इंजीनियर था। उसने उस चीज को बनाया था। उसी ने ही इसका रूप–रेखा तैयार की थी।

258 और, आज, जब हम मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट और प्रेस्बिटेरियन के बारे में बात कर रहे हैं। मुख्य मैकेनिक यहाँ पर है; उसके वचन को रूप–रेखा देने वाला, वह मनुष्य जिसने आकाश और धरती को बनाया और उसके कलीसिया को रूप–रेखा दी! क्या वह इस बारे में अधिक जानकारी को नहीं रखता है रेपचर के लिए किस चीज को लेना है, या क्या मेथोडिस्ट या बैपटिस्ट कलीसिया को इस बारे में अधिक जानकारी है कि वह किस चीज को लेना है? वह रूप–रेखा देने वाला हैं। वह जानता है कि किस चीज को लेना है। वह उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में पूरी तरह से तैयार है। हाल्लेलुय्या! वह आज हमारे बीच चल फिर रहा है, पुनरुत्थान की सामर्थ में।

वह जानता है कि कलीसिया को रेपचर के क्रम में रखने के लिए किस चीज को लेना है। इसकी रूप–रेखा उसी ने की है, और यहाँ बाइबिल में के उन भागो को एक साथ रखता है। आमीन! बस इसके जरिये से करंट को बहने दे, अब उसे कार्य करते देखे। आज के उसके प्रतिज्ञा वचन में विश्वास करें, इसे आपके जरिये से बहने दे, आप देखेंगे कि यह किस तरह से कार्य करता है। क्यों? उसने उस चीज की रूप–रेखा की। उसने वचन के द्वारा उसके कलीसिया को रूप–रेखा दी। यही है जो वो एक साथ रखता है। ना ही मेथोडिस्ट, या बैपटिस्ट, या प्रेस्बिटेरियन, या पेंटेकोस्टल संगठन के द्वारा; लेकिन उसके वचन के द्वारा। "मनुष्य केवल रोटी से नहीं, लेकिन परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर एक वचन से जीवित रहेगा।" जी, हाँ, श्रीमान।

259 उन चमक से बाहर निकलो, उस अंधकार के बीच में से, यह अंधेरे का समय जिस में हम अभी रह रहे हैं। (अभी लगभग पाँच मिनट और बचे हैं।) अंधेरे के बीच में, छोटी दुल्हन को बाहर लाने वाला कौन है? इसके

बारे में कौन जानता है? वो मुख्य रूप रेखा देने वाला। ओह, जी हां। इस सारी चमक की उलझन से!

यहाँ, मेथोडिस्ट एक तरह से चमकता है, बैपटिस्ट दूसरे तरह से, और प्रेस्बिटेरियन दूसरे तरह से, और पेंटीकोस्टल्स एक दूसरे तरह से, चारो ओर यह सारे चमक है। वे दौड़ कर जाते हैं, अपना नाम *यहाँ* डालते हैं, यहाँ इस चमक में; वहाँ कुछ तो पता लगाने के लिए आते है। और *यहाँ* पर आते है; और वहाँ कुछ तो। *यहाँ* पर आते...

260 जैसा कि मैंने उस याजक से कहा, "यदि आप सभी मूल कलीसिया हैं, और आप उन मनुष्यों के शिक्षा के पीछे चले गए, जो एक साथ निसिया में स्थापित हुई थी, तो ऐसा क्यों है कि आपके पास वह सामर्थ नहीं है जो आरंभ में पहले उन्हें मिली थी? देखा? आप उन कामों को क्यों नहीं करते जो उन्होंने किए, जिसे यीशु ने कहा? "

कहा, "ओह, हम अब ज्यादा लोग हैं। हम, एक अलग युग में रहते हैं।"

261 मैंने कहा, "लेकिन वचन तो नहीं बदलता है। यीशु ने कहा, 'ये चिन्ह सभी युग के लोगों के पीछे जायेंगे। आकाश और धरती टल जायेंगे, लेकिन मेरा वचन कभी भी नहीं टलेगा।' ऐसा ही है।"

उसने कहा, "अच्छा, तुम एक बाइबल के बारे में बात कर रहे हो।"

262 मैंने कहा, "हाँ, वचन, जो मसीह है।" यह सही है। और सो वहाँ आप हो। देखा?

263 और इस चमक में, मेथोडिस्ट उनका दिखा रहे है, बैपटिस्ट उनका दिखा रहे है, प्रेस्बिटेरियन उनका, हर समय, हर एक जन बढ़कर बड़ा होता और बड़ा होता जा रहा है।

बेचारी छोटी दुल्हन, वह कहाँ पर है? वह थोड़ी देर के लिए यहाँ पेंटीकोस्टल वन नेस जाती है; वो अपने नाम को वहाँ पर डालती है, और वो कहती है, अच्छा... देखने के लिए आती है, देखती है कि वे क्या करते हैं। वे यहाँ पर आते हैं, और, "तुम्हे हमसे जुड़ना होगा। यदि तुम हमारे कलीसिया से नहीं जुड़ते हो, तो तुम दुल्हन में भी नहीं हो। तुम यहाँ तक कुछ भी नहीं हो।" वहां पर उन अस्सेम्बलिस में जाते है, और देखने के लिए कि उनके पास क्या है; आप फिर से वही पर है। वहां बैपटिस्ट के पास जाते है, देखने के लिए उनके पास क्या है। प्रेसब को देखें...

264 बेचारी छोटी चीज के लिए क्या होने वाला है? समझे? लेकिन वह आगे आ रही है। तुम चिंता मत करना। वो वहां पर होगी।

265 एक व्यक्ति कह रहा था, यहाँ कुछ वर्ष पहले। वो वहां न्यू मैक्सिको में था। मैंने कार्ल्सबैड कैवर्न्स के नजदीक एक सभा की थी। आपने वहाँ के बारे में सुना होगा, वो बड़ा... और उन्होंने एक व्यक्ति और उसकी पत्नी को लिया, और बच्चों के एक झुंड को, वे इस लिफ्ट पर चले गये, बहुत नीचे खड्डे के तह तक चले गये। और जब वे वहाँ उतरे, तो उन्होंने सारी बत्तियाँ बंद कर दीं। और जब उन्होंने सारी बत्तियाँ बंद कर दीं, तो वहां मध्यरात्रि का अंधकार था।

वे मेरे साथ ऐसा ही करने के लिए यहाँ पर इन बगीचों में थे, और एक समय, वहां कोलोराडो में, पत्नी और मैं, पहले वहाँ थे। और उन्होंने बत्तियों को बंद किया। ओह, आप *इस* तरह से अपना हाथ रखते हैं, आप कुछ भी नहीं देख सकते।

और वहाँ पर एक छोटी लड़की खड़ी थी, और वह चिल्लाने लगी, "ओह!" चिल्ला रही थी। वो, वो मौत से डर गई थी, ये बहुत ही अंधकार था। बेचारी छोटी सी लड़की हर जगह पकड़ रही थी, और अपने पापा, मामा के लिए हर जगह चीखने और चिल्लाने की कोशिश कर रही थी। वो बस खड़ी नहीं हो पायी, यह बहुत ही अंधकार था। उसने ऐसा अंधकार कभी भी नहीं देखा था।

266 और ऐसा ही अब लगभग इसी तरह से है। ये सही है। यह इतना अंधेरा है कि आप नहीं जानते कि कहां जाना है। आप मेथोडिस्ट के पास जाते हैं, बैपटिस्ट के पास जाते हैं, प्रेस्बिटेरियन के पास जाते हैं, यह सब एक ही बात है, देखो, उस पुराने मरे हुई, सड़े हुए मन्ना को खाते है इसमें फुफुंदी लगे कीडे है। देखो, वही चीज, कोई संस्था, "आओ और *इस* में शामिल हों, और कुछ और, *ऐसा,*" पुरानी संस्था और इत्यादि। आप इसमें मसीह को नहीं देखते हैं। देखा? ओह, आप खुद की धार्मिकता वाले लोग को देखते हैं, मैं ऐसा कहूंगा। अब बहुत से वहां उन संप्रदायो में अच्छे लोग है। मैं उस सिद्धांत को कह रहा हूं, वहां के लोगों को नहीं। लेकिन, आप देखे, कि यही है वे जो खा रहे हैं। उन्हें इसके बारे में बताये!

और *यहाँ* ताजा भोजन है!

267 और यह छोटी लड़की वहाँ खड़ी थी, वह चिल्ला रही थी, उसकी पूरी तेज आवाज से, लगभग रोने का दौरा पड़ने पर था; लगभग ये छोटी दुल्हन की तरह है। लेकिन आप जानते है क्या? उसके छोटे भाई ने चिल्ला उठा, "छोटी बहन, डर मत।" क्योंकि, वह ठीक इंजीनियर के पास ही खड़ा था। कहा, "यहाँ एक मनुष्य है, जो उजियालो को चमका सकता हैं।"

डरो मत, छोटी बहन, यहाँ एक मनुष्य है जो उजियाले को चमका सकता है। वह इस वचन को जीवित कर सकता है। हम नहीं जानते कि वह कैसे आ रहा है। हम नहीं जानते कैसे, कब वो आ रहा है। मैं इसके बारे में कुछ नहीं जानता हूं। लेकिन वह यहाँ पर है, और वह उजियालो को चमका सकता हैं। हम इससे कैसे बाहर निकलेंगे? मुझे नहीं पता। लेकिन वो यहाँ पर है, और वही वो एक है जो उजियालो को चमका सकता हैं। जी हाँ, श्रीमान। वही वो एक है। वह उजियाला है। वह बस अपने आप को ज्ञात करवाता है, कि वह कैसे उजियाले को चमकाता है। बिल्कुल सही।

यह मसीह को लेता है, ताकि उसके उजियालो पर प्रकाश को डाले, फिर सारा अंधकार तितर–बितर होने लगता है। वो अलग करता है। वह अपनी छोटी दुल्हन को बाहर निकाल रहा है। "मैं अन्य जाति में से लोगों को बाहर निकलूंगा, मेरे नाम की खातिर, जिनके पास मेरा नाम होगा।" उसका नाम क्या है? ठीक है। ना ही मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, लूथरन। ये यीशु मसीह है। ये सही है।

268 वो उजियाला है, सच्चाई है; वो उजियाला, और उसमें कोई अंधकार नहीं है। और वो अंधेरे को तितर–बितर करता है जब वह आता है, क्योंकि वह वचन है। और वचन उजियाला है। ये सही बात है। क्योंकि, उसने बोला और कहा, "उजियाला होने दो," वह वचन था जो उजियाला बन गया। जब वो *इसे* बोलता है, ये हर बार उस युग का उजियाला है।

अब वो यहाँ है, एक चमक में—में नहीं; लेकिन लोग एक चमक में रह रहे हैं। लेकिन वो प्रमाणित वचन है। वो पूरी तरह से अंधकार के समय में उजियाला है। जी हाँ, श्रीमान। ये सारी झूठी चमक और इत्यादि मिट जायेंगे। जी हाँ, श्रीमान। वह यहाँ है। डरो मत। उजियालो को चमकाओ, उसका प्रतिज्ञा किया हुआ वचन। यह जीता है। यह बनाता है...

"वो जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे।" फिर, यह वचन है। "जैसा पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं तुम्हें

भेजता हूं।" जिस पिता ने उसे भेजा था, वह उसी में आया। जो यीशु आपको भेजता है, वह आपमें आता है। और जो काम उसने तब किये, वह उसी काम को करता है, क्योंकि (क्यो?) वचन देहधारी हुआ, मनुष्य की देह में, उस दिन के उजियाले के रूप में खुद को प्रकट करता है। हम वही है। वहां है ये। यह बस उजियालो की ओर राह दिखा रहा है, उजियाले में। ज्ञानी पुरुष, जो संस्था और संप्रदाय से अंधे नहीं हुए हैं, उस उजियाले में चले। ओह, प्रभु!

269 यहाँ एक मनुष्य है, जो उजियालो को चमका सकता है, तो ठीक है। वो, वो क्या करता है? इस दिन के लिए उनके वचन को प्रमाणित करने के द्वारा। यीशु, परमेश्वर का पुत्र, जिसने इस दिन के लिए वचन की प्रतिज्ञा की थी, वो ठीक यहाँ हमारे साथ है।

डर मत जाना। इस पर कोई ध्यान न दें कि वे क्या कर रहे हैं; आप ध्यान देते हैं, तो आप अंधकार में चलते हैं।

समझदार बने। "वे जो समझदार होते हैं," दानिय्येल ने कहा, "इन अंतिम दिनों में, वे उनके परमेश्वर के लिए अद्भुत कार्य करेंगे।" देखा? समझे? वे उजियाले में चलेंगे, जैसा कि वो उजियाले में है।

270 चिंता मत करो। यह अंधकार हो सकता है, ऐसा दिखा है जैसे वे हमें, हर एक को दबाव डाल रहे हैं। ये सब, आप उनकी घोषणा को बाहर करते हुए देखते हैं, "ये सब छोटी कलीसियाये और इत्यादि को अब इसमें आना होगा। आपको अन्दर आना होगा," या तो वे आपको बंद करवा देंगे। वे ऐसा करने जा रहे हैं।

271 अब हम चाहते है उस बात के लिए आज रात वास्तव में जोर लगाये, जब मैं इस समय में आता हूं, देखें।

272 अब, वे, "हमें बंद करने जा रहे हैं।" आपको उनमें से एक बनना है, या तो नहीं। आप—आप हो या तो आप उस में होना हैं, या आप कुछ नहीं कर सकते है, इसे खरीद या बेच भी नहीं सकते। ऐसा ही है। आपके पास हिम्मत नहीं कि बीमारों के लिए प्रार्थना करे, यदि आप किसी बीमार या किसी भी व्यक्ति के साथ किसी भी आत्मिक चीज को करने के लिए उसमें सेवकाई करते हुए यदि पकड़े जाते हैं, तो आपको एक केन्द्रीय कानून के तहत मार डाला जाएगा। यह बिल्कुल सही बात है। देखा? आप यह जानते

हैं। ये सही है। यह उनके कागजात में है। जी हाँ, श्रीमान। इसलिए, आप ऐसा नहीं कर सकते, आपको उस संस्था से संबंधित रहना होगा।

भाई, मैं आपको कुछ बताता हूं। अच्छा होगा आप अपने ह्रदय में ठीक अभी मसीह को दृढ कर ले, क्योंकि वहाँ एक समय आ रहा है जहाँ आपको वास्तव में इसकी आवश्यकता है। आप तब बाहर होते हैं। याद रखें, जब उस मोहर को लगाया जाता है, ये वहां भलाई के लिए होती है। समझे? सो, आप इसे नहीं करना। आप ऐसी चीजो पर विश्वास नहीं करना। आप सीधे मसीह के अंदर ठीक अभी चले जाये, वो वचन। जी हाँ, श्रीमान।

273 वचन को प्रमाणित करता है, और दिखाता है कि यह इस घडी का उजियाला है। इसी तरह से हम जानते हैं कि वह उजियाला है, क्योंकि वह उजियाला है, देह में अपने आप को प्रकट करते हुए।

हम कैसे जानते हैं? वह परमेश्वर का देहधारी हुआ वचन था। देखिए, परमेश्वर का वचन खुद को दिखा रहा था, अपने आप को प्रमाणित करते हुए, जब मसीहा आता है, तो वह क्या करेगा।

274 उस कुंवे पर महिला ने कहा, "जब मसीहा आता है, तो वह इन चीजों को करेगा। तुम अवश्य ही नबी हो, जो कि वचन है, हमें इन होने वाली बातों को पहले से बताएगा।"

275 उसने कहा, "मैं वो हूं।" देखा? इतना ही काफी था। उजियाला उस प्रतिज्ञा किये वचन पर चमका। वहां पर उजियाला है।

276 ठीक जिस नगर में वह गयी, कहा, "आओ, एक मनुष्य को देखें जिसने मुझे उन चीजो को बताया हैं जो मैंने किया हैं। क्या यह वही मसीहा तो नहीं? " ऐसा ही था। देखा? कोई मतलब नहीं रखता दूसरों ने क्या कहा, वह जानती था कि वह मसीहा था।

277 याद रखें, हर युग में, अंधकार के समय में, परमेश्वर के पास हमेशा ही उसका वचन था ताकि अंधकार को उजियाले से विभाजित करे।

उसने इसे लूथर के दिनों में किया था, जब कैथोलिक कलीसिया के पास सब कुछ था; उसने लूथर को एक चमकने वाले उजियाले के नाई भेजा, और लूथर ने सत्य को अंधकार से विभाजित किया।

और जब लूथरन मुड गये, उसने एक जॉन वेस्ली को लिया, और उसने उजियाले को अंधकार से विभाजित किया।

और पेंटीकॉस्ट के दिनों में, जब वेस्लीयन को सब... और मेथोडिस्ट वे सब साथ आ गये, और बैपटिस्ट, और प्रेस्बिटेरियन, उसने पेंटेकोस्टल संदेश को भेजा ताकि उजियाले को अंधकार से अलग करे।

पेंटीकोस्ट फिर से ठीक अंधकार में वापस चले गये, इस तरह, उनके संगठन में, उनके संस्था और इत्यादि को लिया।

अब समय आ गया है इस वचन के लिए कि प्रमाणित हो जाये। वह उजियाले को भेजता है, वचन प्रकट हुआ, जैसे उसने आरंभ में किया; वचन को भेजता है, और ये खुद को साबित करता है। वहां उजियाला है, और वह हमेशा अलग हो जाता है। अब भी वैसा ही है, जैसे आरंभ में अनन्त छोटे उजियाले।

278 बच्चों को देखते हुए, जैसा कि मैं कहता हूं, अब मैंने पांच मिनट और बिता दिए है। लेकिन मुझे यह एक बात कहनी है।

यहाँ एक मनुष्य उपस्थित है! डरो मत, चाहे वे कुछ भी कहें। मैंने इसे देखा है कि यह उस स्थान पर आया है जहाँ मुझे नहीं पता था कि आगे कहाँ जाना है, लेकिन वह हमेशा उपस्थित रहता है। कभी विफल न होने वाली उपस्थिति, वह हमेशा वहाँ है। वह उजियाले को चमका सकता है। जी हाँ, श्रीमान। वह बस रुका हुआ है, देखो कि आप क्या करने जा रहे हैं। वह जब चाहे बटन को दबा सकता है। जी हाँ, श्रीमान।

279 यहाँ एक मनुष्य है जो उजियाले को चमका सकता है। "वे लोग जो मृत्यु की छाया की तराई से होकर चलते है," उनमें से कुछ कैंसर के नीचे है, उनमें से कुछ संप्रदाय की मृत्यु के नीचे है, कुछ संस्थाओ के मृत्यु के नीचे है, उनमें से कुछ रीती–रिवाज़ के मृत्यु के नीचे हैं, और सभी प्रकार की मृत्यु है, "और उन्होंने एक महान उजियाले को देखा है।" वह मनुष्य जिसने तब उजियालो को चमकाया, वही वो एक है जिसने आरंभ में कहा था, "उजियाला होने दो।" वही परमेश्वर, "कल, आज और युगानुयुग एक सा है," वह आज भी उपस्थित है, ठीक अभी यहाँ पर है। मत डरना। वह उजियालो को चमका सकता है।

जब सतावट आती है, तो डरना नहीं। वहां एक उजियाला है, उसने कहा कि वह अपने लोगों को उठा ले जायेगा। वह महासंकट से होकर नहीं जाएगी। वह ऐसा कभी नहीं करेगी। उसने कहा कि वह नहीं करेगी। वह उठा ली जाएगी। "वे इसे कैसे करने जा रहे हैं, भाई ब्रंहम? भयानक अंधेरा

दिखाई पड़ता है!" कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना अंधकार होता जाता है, आप अपने हाथ को आपके सामने नहीं देख सकते, बस याद रखें, यहाँ एक मनुष्य है जो उजियाले को चमका सकता है। वो उस कलीसिया का रेपचर करेगा।

आप कहते हैं, "ठीक है, मैं सही हूं... "

280 हाँ, शद्रक, मेशक और अबदनेगो, वो आग की भट्टी तक थे, लेकिन वहाँ एक मनुष्य है जो हवा को घुमा सकता है। जी हाँ, श्रीमान। वह सनसनाती हुई सामर्थी आंधी जो पेंटीकोस्ट के दिन नीचे उतर आयी, उसने इसे फिर से घुमाया और सारे हवा के झोके को उनसे दूर किया, सारी आग से। वहां एक मनुष्य था; वो "चौथा मनुष्य" कहलाता है।

281 आज यहाँ पर एक है। वो ही केवल एक है! हाल्लेलुय्या! उसके पास उसके हाथ में उजियाले का बटन है। "वे जो लोग मृत्यु की छाया के तराई में बैठे है, वो महान उजियाला चमक उठा है।" इसे अस्वीकार न करें। इसे ग्रहण करे, प्रभु के नाम में। जब हम अब कुछ पल के लिए अपने सिर को झुकाते हैं।

हम उजियाले में चलेंगे, क्या ही सुंदर उजियाला है,
जहाँ दया की ओस की बुंदे चमकती आती है;
दिन और रात हमारे चारों ओर चमकती है,
यीशु, जो जगत का उजियाला है।

हम उजियाले में चलेंगे, ये क्या ही सुंदर उजियाला है,
ये जहाँ दया की ओस की बुंदे चमकती आती है;
दिन और रात हमारे चारों ओर चमकती है,
यीशु, जो जगत का उजियाला है।

उजियाले के संतो आओ, घोषणा करो,
यीशु, जो जगत का उजियाला है;
तब स्वर्ग की घंटियाँ बजेंगी,
यीशु, जो उजियाला...

क्या है? प्रमाणित वचन आज यीशु है। वो वचन है।

हम उजियाले में चलेंगे, ये क्या ही सुंदर उजियाला है,
ये जहाँ दया की ओस की बुंदे चमकती आती है;
दिन और रात हमारे चारों ओर चमकती है,
यीशु, उजियाला...

282 आपके झुके हुए सिरो के साथ। मैं सोचता हूं कि इस उजियाले में कितने लोग चलना चाहेंगे, इस पवित्र आत्मा के नेतृत्व में, जो आज का प्रमाणित वचन है? देखा? परमेश्वर ने जिस वचन की आज प्रतिज्ञा की है, देखो, ये प्रकट हुआ है!

क्या ऐसा नहीं था जो वो आरंभ में था? वह वचन था। पुत्र का जन्म हुआ था; वो वचन था। वह मसीहा था; वह प्रमाणित वचन था। तो फिर वचन, परमेश्वर ने... आरंभ से अंत को बोला।

283 अब इस दिन के लिए एक वचन है, और वह यहाँ है उस वचन को प्रमाणित करते हुए।

इस गड़बड़ी, अंधकार और चमक के बीच में, यह पूरी तरह से इसके जैसा दिखाई देता है, लेकिन ये ऐसा नहीं है। यह साबित नहीं होता है कि ऐसा है; वो संस्था।

284 यीशु ने कहा, "यदि मैं परमेश्वर की उंगली से शैतानों को निकालता हूं, तुन उन्हें किसके द्वारा बाहर निकालते है? " उन्होंने उन्हें बाहर नहीं निकाला। देखा? "लेकिन, नहीं, यदि मैं परमेश्वर की उंगली से शैतानों को निकालता हूं, तो परमेश्वर का राज्य आप के लिए नजदीक आ गया है।"

ओह, आओ हम इसके बारे में सोचे, जैसा कि हम अपने हाथ को ऊपर उठाते हैं। धीरे–धीरे अब, और सोचे, बहुत ही शांती से।

हम इस उजियाले में चलेंगे, ये क्या ही सुंदर उजियाला है,
और ये आती है जहाँ दया की ओस की बुंदे ...

अपने अंगीकार को करे। अब परमेश्वर पर विश्वास करे।

दिन और रात हमारे चारों ओर चमकती है,
यीशु, जो जगत का उजियाला है।

हम उजियाले में चलेंगे, ये क्या ही सुंदर उजियाला है,
ये जहाँ दया की ओस की बुंदे चमकती आती है;
दिन और रात हमारे चारों ओर चमकती है,
यीशु, जो जगत का उजियाला है।

285 जब वे बजाना जारी रखते हैं, मैं पूछना चाहता हूं। हर युग एक सा रहा है। नूह के दिनों में, जिन्होंने उजियाले को अस्वीकार कर दिया, उन्होंने क्या किया? परमेश्वर के न्याय में चले गए। फिरौन का क्या हुआ जलती हुई झाड़ी के उजियाले के दिनो में, जो मूसा में थी? मृत्यु के समुद्र में चले गये। दातान का क्या हुआ जिसने आरंभ किया और बाद में उजियाले को अस्वीकार कर दिया? वो पृथ्वी की दरार में चला गया; जिसने उसे निगल लिया। सारे युगों में क्या हुआ, उन लोगों में जो उजियाले में चलने में असफल रहे, उस दिन का उजियाला?

ये हर समय यीशु ही है। यह उन मनुष्यो के दिनों में यीशु था। ये आज यीशु ही है, क्योंकि वह वचन है, और वचन उजियाले को बनाता है। यह इस दिन का उजियाला है।

अब इसे सोचे, पूरी तरह से शातिपूर्वक, जबकि हम ईमानदारी के साथ, पूछे, क्या आप उजियाले में चल रहे हैं? जबकि हम इसे फिर से गुनगुनाते हैं। [भाई ब्रंहम और सभा गुनगुनाने लगते है, *यीशु, जो जगत का उजियाला है।*—सम्पा।]

... सुंदर उजियाला है,
ये जहाँ से दया की ओस की बुंदे चमकती आती है;
दिन और रात हमारे चारों ओर चमकती है,
ओ यीशु, जो जगत का उजियाला है।

आइए अब हम अपने पैरों पर खड़े हों।

286 मैं स्वर्गीय पिता से प्रार्थना करता हूं कि ये संदेश लोगो के ह्रदय की गहराई में चला जाये वे जो लोग उपस्थित हैं, और जो लोग इसे टेप के द्वारा सुनेंगे। और होने पाये वो उजियाला आगे वचन पर आये, उस बीज पर, और हर एक पहले से ठहराये हुए बीज को आगे लाये जिसे यहाँ इन अलग–अलग चमक और संगठनों में लगाया गया है। वे निकुदीमस की तरह देख सके, यदि उन्हें "रात तक आना" हो, उस उजियाले में आये। इसे प्रदान करे, पिता।

287 होने पाये वहां ये बड़ा सवाल आगे आता है, इस चट्टान का है जो पहाड़ से बिना हाथ के काटा गया है। ये इस अन्यजातियो के राज्यों को कुचल देगा, इन सभी राज्यों को, आत्मिक राज्य और प्राकृतिक राज्यों। और वो चट्टान पूरी पृथ्वी को ढांक देगी; यह एक शुद्ध करने का कार्य होगा। वे जो चट्टान से कुचल कर पाउडर बनकर जमीन में चले जायेंगे; जो लोग उस चट्टान पर गिरते हैं उनके पास एक ठोस बुनियाद होगी।

288 हे मसीह, मुझे अपने दास के रूप में, इस चट्टान पर मर जाने दो, तेरे वचन की इस चट्टान पर। प्रभु परमेश्वर, मैं दाऊद के जैसे खड़ा रहूं, और उन पुराने समय के योद्धाओं के जैसे जो दाऊद के लिए खड़े थे पुराने समय के, मुझे आज इस वचन के लिए खड़े होने दे, जब मैं देखता हूं इसे संप्रदायो के द्वारा आज ठुकराया गया है। ये यहाँ कही तो पड़ा हुआ है कही तो छोटे से निर्णय बदलने की (सभाओ) में। हे परमेश्वर, मैं... प्रदान करे हमारे पास शक्ति और हिम्मत हो, और पवित्र आत्मा, खड़े होने के लिए, क्योंकि घंडीयां अंधकार और अंधकार होती जा रही हैं।

लेकिन हम हमेशा याद रखें कि आप उजियाले को चमकाने के लिए उपस्थित हैं। किसी भी घडी जब आप चाहें, आप उजियाले को चमका सकते हैं, पिता। सो हम प्रार्थना करते हैं...

289 जैसा कि आपने कहा, "तुम जगत का उजियाला हो।" प्रदान करे, प्रभु कि हमारे उजियाले, जो आपकी सेवा के लिए है, जो बहुत अधिक दुसरो के लिए चमकें, कि वे सुसमाचार के उजियाले को देखेंगे जैसे हम इसे जीते है, प्रभु, दिन प्रतिदिन उन्हें यीशु मसीह के जीवन को प्रतिबिंबित करते हुए जब वह पृथ्वी पर था; पूर्ण नम्रता और मधुरता भरा हुआ, मगर वचन के साथ जो ठीक उसके जरिये से जीया गया है। इसे प्रदान करे, प्रभु।

क्योंकि हम आपकी ओर देख रहे है, वो एक जो महान हाथ में बटन को लिए हुए। आप संसार को अपने हाथ में पकडे हुए हैं। आप सारी चीजों को अपने हाथ में पकडे हुए हैं, और अपने वचन से संसार को बनाए रखते हैं।

हे पिता, हम वचन को ग्रहण करें; क्या कृपया प्रदान करेंगे, प्रभु? उसे गवाही होने दे और यहाँ हर एक ह्रदय की इच्छा पूरी हो।

290 पिता, जैसा कि हम इन स्तुती के गीतों को गाते हैं... जैसा कि दाऊद ने स्तुती के गीतों को गाया, वे भविष्यवाणी बन गए थे। वे भविष्यवाणी

थी, और आपने उन्हें भविष्यवाणी होने की पहचान दी। जैसा कि हम इसे गाते हैं, प्रभु, इसे हमारे ह्रदयो में भी होने दो, जैसा हम गाते हैं, "हम इस उजियाले में चलेंगे।" ऐसा होने दो, प्रभु।

यह एक सुन्दर उजियाला है। यह वचन है। यह मसीह हमारे बीच में जीता है। ना हीं वो क्या था; वह क्या है, और, हम जानते हैं कि उसने केवल वही प्रतिबिंबित किया जो वह है। और हम प्रार्थना करते हैं, पिता, कि लोग इसे समझेंगे और इस सुन्दर उजियाले में चलेंगे। हम यीशु के नाम में मांगते हैं।

291 जब हम बस कुछ क्षण के लिए खड़े रहते हैं, मैं चाहता हूं कि हम सभी गाएं।

292 अब यहाँ पर प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट, कैथोलिक है। यहाँ पर कुछ मिले जुले श्रोतागण है, जब यह संप्रदायकता से आते है।

293 अब याद रखें, इस बात को जान ले, कि मैं इन चमक में लोगो के विरोध में कुछ भी नहीं बोल रहा हूं। लेकिन मैंने इसे साबित किया है, बाइबिल से, कि वे चमक है। यदि ऐसा नहीं होता था, तो मसीह वो कर रहा होगा जैसा उसने उसके साथ करने की प्रतिज्ञा की थी। समझे? लेकिन उन्होंने उसे इन्कार कर दिया। देखा? और जब आप वहां पहुंचते है, तो आपको क्या मिलता है? एक "कलीसिया से जुड़ना, एक संस्था का बयान।" और इससे क्या बाहर आता है? सड़क के अंत में आओ, आपको ये पता चल जायेगा कि यह एक झूठी, मृगतृष्णा थी।

मसीह वचन है। वह उजियाला है। अब जीये, जब आप जी सकते हो। आप किसी चीज के लिए जीते हो।

294 आप किस चीज के लिए जी रहे हैं? सो आप मर सकते है। आप में से हर एक जन, आप किस के लिए काम कर रहे हैं? खाने के लिए। आप किस के लिए खा रहे हैं? जीने के लिए। आप किस के लिए जी रहे हैं? मरने के लिए।

सो क्यों न जीने के लिए जिए? क्यों न जीने के लिए जिए? तब, केवल एक ही जरिये से जीवित रह सकते हैं वचन को स्वीकार करके। क्योंकि, "मनुष्य केवल रोटी से नहीं जीएगा," हम रोटी को अपने माथे के पसीने को बहाकर यहाँ बनाते हैं, "लेकिन परमेश्वर के मुख से निकलने वाले हर एक वचन से।" अब परमेश्वर के मुख का वचन यहाँ ठीक हमारे सामने

प्रमाणित हुआ है, पवित्र आत्मा के द्वारा। इसके द्वारा जीते है, क्या आप नहीं जीते है?

295 अब मैं चाहता हूं, जब हम इसे फिर से गाते हैं, तो हर एक बस अपने स्थान पर खड़े रहे, आगे बढ़कर किसी के तो हाथों को पकड़ें और कहें कि "भाई, आओ हम इस उजियाले में चलें," जब हम गाते हैं *उजियाले में चलते हैं*। क्या आप गायेंगे? एक दूसरे के लिए प्रार्थना करें जैसे कि आप अपने हाथों को एक साथ पकड़ते हैं, जब हम इसे एक साथ गाते हैं; जहाँ तक हो सके, अपनी आँखें बंद करके।

हम उजियाले में चलेंगे, क्या ही सुंदर उजियाला है,
ये जहाँ दया की ओस की बुंदे चमकती आती है;
दिन और रात हमारे चारों ओर चमकती है, (ये कौन है?)
यीशु, जो जगत का उजियाला है।

अब आइये अपने हाथों को उठाये।

हम उजियाले में चलेंगे, ये क्या ही सुंदर उजियाला है,
ये जहाँ दया की ओस की बुंदे चमकती आती है;
दिन और रात हमारे चारों ओर चमकती है
ओ यीशु, जो जगत का उजियाला है।
उजियाले के सारे संतो आओ, घोषणा करो, (वो क्या है?)
यीशु, जो जगत का उजियाला है;
तब स्वर्ग की घंटियाँ बजेंगी,
यीशु, जो जगत का उजियाला है

सारे, आओ अब इसे गाये।

हम उजियाले में चलेंगे, और ये क्या ही सुंदर उजियाला है,
ये जहाँ दया की ओस की बुंदे चमकती आती है;
दिन और रात हमारे चारों ओर चमकती है,
यीशु, जो जगत का उजियाला है।

296 हमारे सिर अब झुके हुए हो। याद है जब इजरायल अपने यात्रा में था, हर दिन नए मन्ना को खाता था, वे अग्नि के स्तंभ के उजियाले में चले। अग्नि

का वो स्तंभ यीशु मसीह था। बाइबल कहती है कि ऐसा था। और आज वह हमारे साथ है; हमारे पास ये है। हम जानते हैं कि वह हमारे साथ है, वही अग्नि का वो स्तंभ, उन्ही चीजों को कर रहा है जो उसने तब किये थे, जब वह यहाँ इस धरती पर था, ताकि अपने वचन को पूरा करे।

297 जब हम यहाँ से जाते हैं, तो याद रखें, उस गीत को भी अपने ह्रदय में रखें, जैसे हम अपने घरों में जाते हैं, जैसे हमारे ह्रदय गीत को गुनगुनाये। इससे पहले कि आप अपना रात का भोजन करे, अपने सिर को झुकाये और उजियाले को आगे भेजने के लिए धन्यवाद दें, जिससे धरती पर भोजन को लाते है, आपकी भौतिक देह के लिए। उसके बाद परमेश्वर को धन्यवाद दें आत्मिक उजियाले को भेजने के लिए, उसके वचन के लिए, जिससे वह प्राण के लिए भोजन को दे सके। "क्योंकि मनुष्य केवल रोटी से नहीं, लेकिन प्रत्येक वचन से जीवित रहेगा जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।"

298 बस इस स्तुती के गीत को अपने आप में गाते रहे, अपने घरो में, अपने लोगो के बीच में गाते रहें, और हमें यहाँ साढ़े छह बजे, आज रात को मिले, प्रार्थना पत्र और इत्यादि के लिए। हम आपसे फिर से मिलेंगे। तब तक के लिए, अपने सिर को झुकाये।

299 मैं भाई नेविल से इसे कहूंगा कि क्या वो अब यहाँ पर आयेंगे, जो पास्टर है और हमें प्रार्थना के कुछ शब्द में हमारे लिये समाप्त करेंगे।

यहाँ एक मनुष्य है जो उजियाले को चमका सकता है HIN63-1229M

(There Is A Man Here That Can Turn On The Light)

यह सन्देश हमारे प्यारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 29 दिसम्बर, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकोडिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकोडिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2019 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org